E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 297 | गुवाहाटी | शनिवार, 27 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

असम मेडिकल कॉलेज में देश की दूसरी ऑक्सीजन उत्पाद प्रयोगशाला... पेज 3
कांग्रेस के 9 सवालों पर भाजपा का पटलवार, सवालों को बताया झूठ का पुलिंदा पेज 4
कानपुर में निवेश की ढेरों संभावनाएं, एयर कनेक्टिविटी से विकास को लगेंगे ... पेज 5
आम आदमी पार्टी का शक्ति-प्रदर्शन आज : जुटेंगे हजारों कार्यकर्ता पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

शत्रुओं से अपने राज्य की पूर्ण रक्षा करें।

– आचार्य चाणक्य

आईबी अफसर बनकर 38 बेरोजगारों से की लाखों की ठगी

शिलांग। मेघालय पुलिस ने खुद को गृह मंत्रालय का आईबी अधिकारी बताने वाला एक शख्स गिरफ्तार किया है। आरोपी बेरोजगारों से ठगी कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने नौकरी की तलाश कर रहे 38 लोगों से 80 लाख रुपए की ठगी की है। पुलिस अधीक्षक (शहर) विवेक साइम ने बताया कि वाहिंगदोह के रिचर्ड टिपलांग स्वेर (39 वर्षीय) को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि वाहिंगदोह स्थित उसके घर से सायरन और वीआईपी बत्ती लगी एक गाड़ी, मोबाइल, लैपटॉप और आपत्तिजनक कागजात जब्त किए गए हैं। एसपी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मावलाई पुलिस स्टेशन और लुमदियेंगजरी पुलिस स्टेशन में दो मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ 16 मई को शिकायत मिली थी। वह गृह मंत्रालय का आईबी अधिकारी होने का दावा कर रहा था और शिलॉंग स्थित सचिवालय में नौकरी देने का ऑफर कर रहा था। शिकायतकर्ता को उनकी योग्यता के अनुसार सभी नौकरी के इच्छुक व्यक्तियों से पैसे इकट्ठा करने के लिए कहा गया था। शिकायतकर्ता ने 38 लोगों से 80 लाख रुपए की राशि एकत्र की और उसका भुगतान किया, लेकिन जब वह पैसे देने वाले लोगों को नौकरी देने में टालमटोल करने लगा तो शिकायत की गई। लुमदियेंगजरी पुलिस स्टेशन में 22 मई को एक और शिकायत मिली, जिसमें यह आरोप लगाया गया कि स्वेर ने खुद को पुलिस विशेष शाखा का अधिकारी बताया और शिकायतकर्ता से कहा कि वह इस शर्त के तहत पुलिस विभाग में नौकरी प्रदान कर सकता है कि आवेदक गैर-मैट्रिक के लिए 1 लाख रुपए और मैट्रिक के -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में केंद्रीय विदेश और शिक्षा राज्य मंत्री तथा राज्य के मंत्री के घर पर हमले की कोशिश

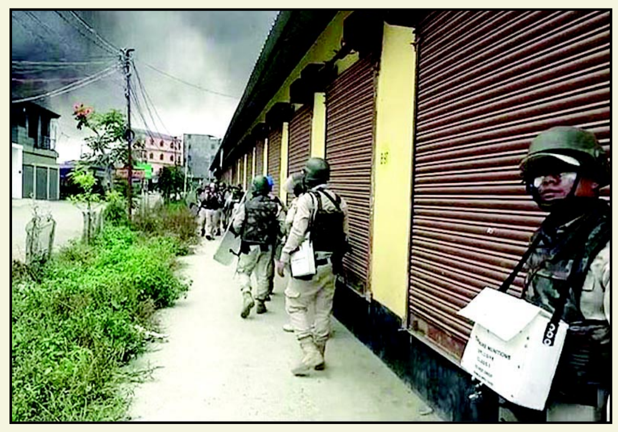

इंफाल। हिंसाग्रस्त मणिपुर में तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार की रात गुस्साई भीड़ ने केंद्रीय विदेश और शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. आरके रंजन सिंह और मणिपुर के ऊर्जा, वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री थोंगम विश्वजीत सिंह के आवास पर हमला करने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि उस वक्त केंद्रीय मंत्री घर पर ही मौजूद थे। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाबलों को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पहली घटना में कल रात गुस्साई भीड़ ने राज्य के पूर्वी इंफाल जिले में कोंगबा बाजार के पास स्थित डॉक्टर आरके रंजन सिंह के आवास पर हमला करने की कोशिश की। सूत्रों के मुताबिक, मणिपुर पुलिस और आरएएफ (रैपिड एक्शन फोर्स) के जवानों सहित सुरक्षा बलों को भीड़ को नियंत्रति करने में दिक्कते आईं। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

अमित शाह 29 से मणिपुर में : नित्यानंद राय

इंफाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 मई को हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा करने वाले हैं ताकि मौजूदा जातीय संकट का समाधान निकाला जा सके। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने गुरुवार शाम यहां संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। राय ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 3 दिन रुकेंगे और जातीय संकट को खत्म करने और सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए काम करेंगे। राय ने कहा कि हम अलग-अलग जगहों पर लोगों से बात करेंगे और उनके विचार सुनेंगे। राय ने कहा कि हाल के समय में हुई हिंसा और अशांति ने केवल विकास को बाधित किया है। उन्होंने कहा कि सभी समस्याओं और मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाएगा -शेष पृष्ठ दो पर

वामपंथियों ने सेंगोल की उपेक्षा की, छड़ी की तरह दिखाया : हिमंत

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया कि वामपंथियों ने सेंगोल की उपेक्षा कर, हिंदू परंपराओं की उपेक्षा की और सेंगोल को एक चलने वाली छड़ी के रूप में प्रदर्शित किया। बता दें कि 28 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए संसद भवन की इमारत का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान मदुरै के विद्वानों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को सेंगोल दिया जाएगा। यह राजदंड है, जो सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि सेंगोल हमारी आजादी का अभिन्न अंग है लेकिन वामपंथियों ने इसे चलने वाली छड़ी के रूप में प्रदर्शित किया और म्यूजियम के कोने में रख दिया जबकि पंडित नेहरू की देश की आजादी में अहम भूमिका थी। यह उदाहरण है कि किस तरह एक पूरा इको सिस्टम है, जो प्राचीन भारत और हिंदू परंपराओं का महिमामंडन -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

नए संसद भवन के उद्घाटन का मामला एससी में खारिज

नई दिल्ली। नए संसद भवन का उद्घाटन भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से करवाने की मांग वाली याचिका आज सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो गई है। कोर्ट ने इसके साथ ही याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर ऐसी याचिका दोबारा लगाई गई तो कोर्ट जुर्माना भी लगा देगा। याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि हमें पता है कि ये याचिका किस कारण डाली गई है। कोर्ट ने इसी के साथ याचिकाकर्ता से पूछा कि आखिर इससे किसका हित होने वाला है। कोर्ट ने कहा कि ऐसी याचिकाओं की सुनवाई करना हमारा काम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में बीते दिन इस मामले में एक -शेष पृष्ठ दो पर

नया संसद भवन हर भारतीय को गौरवान्वित करेगा : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवनिर्मित संसद भवन परिसर का एक वीडियो साझा करते हुए शुक्रवार को कहा कि नया संसद भवन हर भारतीय को गौरवान्वित करेगा। मोदी ने ट्विटर पर वीडियो पोस्ट करते हुए, लोगों से *माई पार्लियामेंट माई प्राइड* हैशटैग का उपयोग करते हुए अपने वॉयसओवर के साथ वीडियो को साझा करने का भी आग्रह किया -शेष पृष्ठ दो पर

गणित और विज्ञान की अंग्रेजी में पढ़ाई के विरुद्ध आसू करेगा आंदोलन

गुवाहाटी। ऑल असम स्टूडेंट यूनियन (आसू) ने क्षेत्रीय भाषा माध्यम वाले स्कूलों में कक्षा छह से गणित और विज्ञान जैसे विषय अंग्रेजी में पढ़ाने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ एक महीने के आंदोलन की शुक्रवार को घोषणा की। आसू के अध्यक्ष (प्रभारी) उत्पल शर्मा और सचिव शंकरज्योति बरुआ ने बताया कि गुवाहाटी में 27 जून को अकादमिक विद्वानों और शिक्षाविदों की एक बैठक के साथ प्रदर्शनों का समापन होगा। उन्होंने कहा कि कक्षा छह से गणित और विज्ञान जैसे विषय अंग्रेजी में पढ़ाने का राज्य सरकार का निर्णय असमिया, बोडो और अन्य स्थानीय भाषाओं के विकास के लिए घातक है। पिछले साल जब इसकी घोषणा की गई थी, तब से ही हम इसका विरोध -शेष पृष्ठ दो पर

शिक्षा मंत्री का शिक्षकों से शिक्षा सेतु पोर्टल के लिए सहयोग का आह्वान

बरपेटा (हि.स.)। राज्य शिक्षा मंत्री डॉ रोनोज पेगू ने शिक्षक समुदाय से शिक्षा सेतु को लेकर अपना सहयोग देने का आह्वान किया है। मंत्री ने सात दिन के भीतर शिक्षा सेतु पर सभी शिक्षकों से अपनी प्रोफाइल अपलोड करने की चेतावनी भी दी है। शिक्षा मंत्री डॉ पेगू यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा सेतु को लेकर असहयोग का अर्थ है, शिक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण में असहयोग करना। असम की शिक्षा प्रणाली में आवश्यक सुधारों का असहयोग। शिक्षा मंत्री ने कहा कि अब तक प्रदेश के एक लाख दस हजार शिक्षकों ने शिक्षा सेतु पर

अपना प्रोफाइल अपलोड कर दिया है। संवाददाता सम्मेलन में शिक्षा मंत्री ने चेतावनी दी कि शिक्षा सेतु पोर्टल पर नाम दर्ज नहीं होने पर शिक्षक सरकारी व्यवस्थाओं से वंचित हो जाएंगे। शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों से सात दिन के भीतर शिक्षा सेतु पर सभी शिक्षकों से अपनी प्रोफाइल अपलोड करने के लिए कहा। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्राथमिक विद्यालय प्रधानाध्यापक पद को लेकर सरकार और शिक्षक संघ के बीच मतभेद हैं। उन्होंने कहा कि ऑल असम प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन के साथ सरकार से चर्चा चल रही है। उन्होंने एक तरह से कटाक्ष करते हुए कहा कि पलक झपकते ही केला नहीं पकता है। असम सरकार राज्य में शिक्षा की समस्या, शैक्षिक -शेष पृष्ठ दो पर

बौद्ध धर्म की पवित्र पुस्तक चुराने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने चोरी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर बौद्ध धर्म की पवित्र पुस्तक चुराने का आरोप है। पुलिस ने एक महीने बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर पुस्तक बरामद कर लिया है। जंग पुलिस थाने के थाना प्रभारी पेमा वांगचू का कहना है कि 29 अप्रैल को शेरिंग चोंबे नाम के व्यक्ति ने थाने में शिकायत की थी। शिकायत करते हुए चोंबे ने बताया कि लुगुथांग मठ से किसी ने एक बौद्ध पवित्र पुस्तक चोरी कर ली है। पीड़ित पक्ष की शिकायत के बाद आरोपियों के खिलाफ चोरी की धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी के अनुसार, टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी गई। टीम ने सोमवार को पुस्तक चोरी करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। चारों आरोपी मेरागोह गांव में छिपे हुए थे। टीम ने आरोपियों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उन्होंने लुगुथांग गोनपा से पवित्र पुस्तक चुराई थी और गांव के पास में ही छिपा दिया था। इसके बाद पुलिस अधिकारी दो आरोपियों के साथ नौ घंटे का सफर करके -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में स्थिति तनावपूर्ण, हमारे लोगों को परेशान न करें : नगा गुट

इंफाल। मणिपुर में कई दिनों से स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। आए दिन वहां पर हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। अब पूर्वोत्तर भारत के सबसे बड़े विद्रोही गुट ने मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के लोगों से यह तय करने के लिए कहा है कि उनके बीच की आपसी संघर्ष प्रभावित राज्य में रह रहे नगा लोगों को प्रभावित न करे। नेशनलिस्ट सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (इसाक-मुइवा), या एनएससीएन (आईएम) ने अपने एक बयान में कहा कि कुछ *कुकी* लोगों ने एक गांव पर हमला कर दिया जहां कोम समुदाय के लोग रहते हैं। यह कोम समुदाय एक नगा जनजाति है जिसके लोग मणिपुर के कांगथेई में रहते हैं। एनएससीएन (आईएम) ने कहा कि हमारे मैतेई भाइयों और कुकी के लोगों को, उन्हें किसी भी तरह से परेशान नहीं करना चाहिए। लेकिन बेहद अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि एक कोम गांव कांगथेई कुकी -शेष पृष्ठ दो पर

शिक्षक भर्ती घोटाला : अभिषेक बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

नई दिल्ली। शिक्षक भर्ती घोटाले में शामिल तृणमूल कांग्रेस के नेता और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। दरअसल, कलकत्ता हाईकोर्ट ने अभिषेक बनर्जी के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग के आदेश दिए थे, इसे ही रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर दखल देने से साफ इनकार कर दिया है। वह हाईकोर्ट के आदेश पर ही बरकरार रहे। शिक्षक भर्ती घोटाले में शामिल होने के लिए अभिषेक बनर्जी के खिलाफ सीबीआई की जांच जारी रहेगी। हालांकि, अभी इस मामले में 10 जुलाई को सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट से अभिषेक बनर्जी -शेष पृष्ठ दो पर

सेंगोल विवाद : कांग्रेस पर अमित शाह का पलटवार

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कांग्रेस पर नए संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष के आसन के निकट स्थापित किए जाने वाले रस्मी राजदंड (सेंगोल) के महत्व को कमतर करके चलते समय सहारा देने के काम आने वाली छड़ी बना देने का आरोप लगाया तथा सवाल किया कि उसे भारतीय संस्कृति से इतनी नफरत क्यों है? नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर सत्तारूढ़ एवं विपक्षी दलों के बीच जारी वाकयुद्ध के बीच शाह ने कहा कि कांग्रेस को अपने व्यवहार पर *मनन* करने की आवश्यकता है। उन्होंने पार्टी के इस दावे की निंदा की कि राजदंड के 1947 में ब्रिटेन द्वारा भारत को सत्ता सौंपे जाने का प्रतीक होने का कोई उदाहरण नहीं है। शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भारतीय परंपराओं और संस्कृति से इतनी नफरत क्यों -शेष पृष्ठ दो पर

अफ्रीका दिवस 2023 समारोहपूर्वक संपन्न

नई दिल्ली। अफ्रीका दिवस 2023 चाणक्यपुरी में सरदार पटैल मार्ग स्थित होटल ताज पैलस (दरबार हॉल) में समारोहपूर्वक मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि भारत सरकार की विदेश मामलों की श्रीमती मीनाक्षी थीं। समारोह में अफ्रीका महोदश की डीन एंबसेडर मॉस्सी नाइयामाले रोसेट्टे (भारत में डी.आर कांगो की राजदूत और डीन ऑफ अफ्रीका ग्रुप हेड्स ऑफ मिशन्स) ने स्वागत भाषण दिया। उस भव्य और दिलकश समारोह में श्रीमती मीनाक्षी ने अफ्रीका से व्यापार, पर्यटन, निवेश -शेष पृष्ठ दो पर

नया संसद भवन किसी पार्टी का नहीं : गडकरी

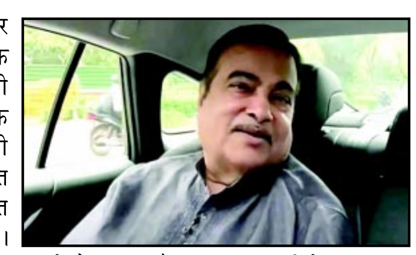

नई दिल्ली। मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने के मौके पर केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख इकॉनमी है। भारत अब एनर्जी को निर्यात करने वाला देश बनेगा। हमारे देश के गांव भी अब शहरों के बराबर हैं। नितिन गडकरी ने बताया कि अब हम रिंग रोड कचरे से बनाएंगे। विपक्ष की ओर से नए संसद भवन का बहिष्कार करने को लेकर गडकरी ने कहा कि नया संसद भवन हमारे लिए एक अभिमान है। विपक्ष पर हमला करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये किसी पार्टी का काम नहीं है। इसका विरोध का तो कोई मतलब ही नहीं बनता है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सभी पार्टियों को एकमत से आना चाहिए। विपक्ष की हर बात का जवाब देने का कोई मतलब -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राजस्थान में तूफानी बारिश, टोंक में 12 की मौत

राजस्थान (हि.स.)। राजस्थान में गुरुवार देर रात तेज अंधड़ के साथ आई बारिश ने जबरदस्त कहर बरपाया। राजधानी जयपुर और आसपास के जिलों में 96 किलोमीटर की प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवा चली। तेज आंधी के कारण कई इलाके में बिजली के खंभे गिरने और पेड़ उखड़ने से कई इलाके अंधेरे में डूब गए। तूफान बारिश के कारण टोंक जिले में 12 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस के अनुसार टोंक शहर में दादा, पोता और पोती समेत तीन की और जिले के निवाई में दो बच्चों समेत तीन की मौत हुई। इसके अलावा देवली के टोकरावास और आवां में एक-एक, मालपुरा में दो और टोडारायसिंह और उनियारा में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने बताया कि प्रशासन रात से ही एक्टिव है। रात को ही हमारे उपखंड अधिकारी और तहसीलदार प्रभावित क्षेत्रों में चले गए थे। उन्होंने कहा कि अभी तक 12 मौतों की

सूचना हमारे पास आई है। कुछ घायल भी हैं। मैंने अस्पताल जाकर घायलों से उनका कुशलक्षेम जाना है। जिन लोगों को चोटें आई हैं, मकान गिरे हैं, उनसे हमने बात की है। फील्ड स्टॉफ सर्वे कर रहा है, नियमानुसार पीड़ितों को सहायता दी जाएगी। बिजली, पानी और मोबाइल नेटवर्क से संबंधित परेशानियों को भी संबंधित अधिकारियों के साथ मीटिंग करके दुरुस्त करवाया जा रहा है। जिले भर में पेड़, टीन शेड, बिजली के पोल गिरने के बाद बिजली गुल होने से परेशानी ज्यादा बढ़ गई है। ग्रामीण इलाकों में पिछले 15 घंटों से बिजली आपूर्ति ठप है। नेट कनेक्टिविटी के साथ मोबाइल नेटवर्क भी कई स्थानों पर बाधित है। सैकड़ों की तादाद में परिंदों और दो दर्जन से ज्यादा मवेशियों के मरने की भी सूचना है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को भी राज्य के उत्तरी भागों गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, सीकर, अलवर, नागौर, जयपुर, दौसा, भरतपुर, धौलपुर और करौली जिलों में दोपहर बाद अंधड़-बारिश के साथ-साथ कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की प्रबल संभावना है। बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा संभाग के जिलों में आज भी आंधी-बारिश का दौर जारी रह सकता है।

उत्तराखंड पर चीन की नजर! एलएसी से 11 किमी. दूर बसा रहा 400 गांव

नई दिल्ली। पड़ोसी देश चीन हर दिन भारत के खिलाफ कोई ना कोई साजिश रचता रहता है। अरुणाचल प्रदेश पर तो दशकों से उसकी नजर है ही, अब वह उत्तराखंड पर भी अपने नजरे गड़ाए बैठा है। सूत्रों ने बताया है कि चीन उत्तराखंड सीमा से सटे अपने इलाकों में गांव बसा रहा है। ये गांव डिफेंस विलेज के नाम से जाने जाएंगे, जिनकी निगरानी चीनी सेना यानी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी करेगी। सूत्रों के मुताबिक, हर गांव में 250 घर होंगे। बड़ी बात यह है कि ये सीमावर्ती गांव वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से सिर्फ 11 किलोमीटर दूर बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा चीन एलएसी से 35 किलोमीटर 55-56 घरों वाले गांवों का निर्माण भी कर रहा है। इनकी निगरानी भी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ही करेगी। ये सभी गांव चीनी सीमा से सटे पूर्वी सेक्टर में 400 गांव बसाने वाली योजना का हिस्सा हैं। बता दें कि चीन के साथ पहाड़ी राज्य उत्तराखंड 350 किलोमीटर की सीमा शेयर करता है। हालांकि सीमा से लगे ज्यादातर इलाकों में आजीविका की भारी कमी है, इस वजह से यहां बाहरी प्रवास देखने को मिलता है। इससे पहले खबर आई थी कि चीन उत्तराखंड के नीती दर्रे के पास नए कैम्प बसा रहा है। चीन की इस नई चाल को लेकर भारतीय सेना और भी ज्यादा सतर्क हो गई है।

आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स एसोसिएशन का प्रदर्शन

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी जिला शहर में आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स एसोसिएशन ने शुक्रवार को अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। पिछले चार दिन से अपना कार्य बंद कर आंदोलन कर रहे लगभग चार हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने शुक्रवार को विरोध मार्च निकाला। यह कार्यकर्ता मजदूरी का भुगतान न करने, कम से कम 10 हजार रुपए मासिक मानदेय देने सहित पांच सूत्री मांगों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने जिला उपायुक्त कार्यालय के सामने जमकर नारेबाजी की गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिका संघ ने मांगें पूरी न होने पर गुवाहाटी में जोरदार प्रदर्शन करने की चेतावनी दी।

गोदाम में लगी आग के चलते लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख

चराइदेव (हिंस)। चराइदेव जिला मुख्यालय शहर सोनारी में अचानक लगी भयावह आग के चलते अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि सोनारी नगर के बीचोंबीच लगी आग की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग सोनारी भजो चाराली स्थित लक्ष्मी ड्रग हाउस के गोदाम में लगी। हादसे में लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। माना जा रहा है कि आग बिजली के शार्ट सर्किट की वजह से लगी थी। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के बोको थानांतर्गत लामपारा इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि यह घटना बोको पुलिस स्टेशन के तहत लामपारा के पास हुई। ट्रेन दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति की पहचान भूपेन बर्मन (45) के रूप में हुई है। यह घटना बीती रात बारिश और तेज हवाओं के बीच हुई। भूपेन बर्मन लामपारा का निवासी बताया गया है। शव को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर बोको पुलिस ले गई, बाद में उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया गया है।

भ्रष्टाचार : जी-20 के प्रतिनिधियों ने सख्त कानून बनाने पर दिया जोर

ऋषिकेश (हि.स.)। जी-20 देशों के प्रतिनिधियों ने एंटी करप्शन वर्किंग ग्रुप की बैठक में विश्वभर में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए भ्रष्टाचार से अर्जित की गई संपत्तियों की वसूली पर मजबूत कानून बनाने पर जोर दिया है। नरेंद्रनगर में आयोजित एंटी करप्शन वर्किंग ग्रुप की बैठक के दूसरे दिन लोकतंत्र की मजबूती, आर्थिक स्थिति और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में जी-20 के प्रतिनिधियों ने विभिन्न सत्रों में

इसके लिए सख्त कानून बनाने पर मंथन किया। चर्चा के दौरान प्रतिनिधियों की राय में निकल कर आया कि विश्वभर के सरकारी तंत्र सहित निजी संस्थानों में भ्रष्टाचार से संबंधित अर्जित की गई संपत्ति की वसूली के लिए सख्त कानून बनाकर तंत्र को मजबूत किया जाए। बैठक में प्रतिनिधियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि भ्रष्टाचार का मुकाबला करने के लिए कानून प्रवर्तन से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और सूचना साझा करने के लिए भी सभी देश आपसी समन्वय स्थापित कर मजबूत करेंगे तभी भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। जिससे जनता का विश्वास भी सरकारों के प्रति बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 सम्मेलन से पहले तमाम ग्रुपों की बैठकों को दौर चल रहा है। इसी क्रम में उत्तराखंड में होने वाली वर्किंग ग्रुप ऑन एंट्री करप्शन मीटिंग शेरपा ट्रैक के माध्यम से 13 कार्य समूह और 3 इनिशिएटिव के अन्तर्गत बैठक हो रही है।

MISSING INFORMATION

The above is photograph of Smt. Daimu Boro (30 Yrs) W/O Sri Swrangsha Boro, Vill- Simaluguri, PS- Panery, Dist. Udalguri who has been missing since 18/05/2023 from Panery T.E.

This refers to Panery PS GDE No- 475 Dtd. 20/05/2023 and this office Man Missing Register Entry No. 39, Dtd. 22/05/2023.

Descriptive Roll of the Missing Person:

1. Complexion	-	Fair
2. Age	-	30 Year
3. Height	-	5 Feet
4. Built	-	Medium
5. L/Known	-	Assamese & Bodo
W/apparel	-	Yellow colour Dakhana

All efforts may be made to trace out/recover the above noted missing person at the earliest and result thereof may be intimated to this office at the following helpline numbers for further necessary action : 6026901138 (Cell phone).

Superintendent of Police,
Udalguri, Assam.

-- Janasanyog /D/3879/23

पृष्ठ एक का शेष

आईबी अफसर बनकर ...

लिए 50,000 रुपए की राशि का भुगतान करें। शिकायतकर्ता ने अपने दोस्तों को इसकी सूचना दी और उसके एक दोस्त ने मार्च 2023 में शिलांग के मोटफ्रान में अपने ड्राइवर के जरिए व्यक्ति को 50 हजार रुपए की अग्रिम राशि सौंपी। इस बीच, पुलिस ने कहा कि जिस किसी को भी बहरूपिये ने धोखा दिया है, उससे अनुरोध है कि वह निकटतम पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराएं।

मणिपुर में केंद्रीय...

उन्होंने आंसू गैस के गोले दागे। बताया जा रहा है कि कुछ फायर भी किए गए। जब भीड़ हमला करने वाली थी तब मंत्री घर में मौजूद थे। बताया जा रहा है कि दे दिन पहले ही वे यहां पहुंचे थे। सूत्रों के मुताबिक, इससे पहले एक भीड़ ने मणिपुर के वन मंत्री के थोंगजू किटना पनुंग स्थित आवास पर धावा बोलने का प्रयास किया था।

अमित शाह 29 से ...

और लोगों को सरकार में विश्वास रखना चाहिए और सभी प्रकार की हिंसा से दूर रहना चाहिए। अमित शाह ने गुरुवार को मणिपुर के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और वादा किया कि समाज के सभी वर्गों के लिए न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं जल्द ही मणिपुर जाऊंगा और वहां 3 दिन रहूंगा लेकिन उससे पहले दोनों गुटों को आपस में अविश्वास और संदेह दूर करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य में शांति बहाल हो। शाह ने कहा कि केंद्र यह सुनिश्चित करेगा कि राज्य में झड़पों में पीड़ित सभी लोगों को न्याय मिले, लेकिन लोगों को शांति सुनिश्चित करने के लिए बातचीत करनी चाहिए। पिछले 6 सालों के दौरान, हाल की झड़पों से पहले, मणिपुर में कोई नाकाबंदी या बंद नहीं था और लोगों को फिर से ऐसी स्थिति की वापसी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चर्चा से ही शांति हो सकती है। मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग के विरोध में 3 मई को पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद मणिपुर में झड़पें हुईं। मणिपुर में हिंसा कुकी ग्रामीणों को आरक्षित वन भूमि से बेदखल करने पर तनाव से पहले हुई थी, जिसके कारण कई छोटे-छोटे आंदोलन हुए थे। मेइती मणिपुर की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत हैं और ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। जनजातीय-नगा और कुकी - अन्य 40 प्रतिशत आबादी का गठन करते हैं और पहाड़ी जिलों में निवास करते हैं। जातीय संघर्ष में 70 से अधिक लोगों की जान चली गई और पूर्वोत्तर राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए लगभग 10,000 सेना और अर्धसैनिक बलों को तैनात करना पड़ा।

वामपंथियों ने सेंगोल ...

करने वाले किसी भी कार्यक्रम को सेंसर करने का काम करता है। बता दें कि देश की आजादी के समय 14 अगस्त 1947 को अंग्रेजों ने सत्ता के हस्तांतरण के रूप में पंडित जवाहर लाल नेहरू को सेंगोल दिया था। अब वही सेंगोल 28 मई को मदुरै के विद्वानों द्वारा पीएम मोदी को सौंपा जाएगा। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि देश की आजादी के 75 साल बाद भी देश के अधिकतर लोग इस बात से वाकिफ नहीं हैं कि आजादी के समय सत्ता के हस्तांतरण के रूप में पंडित जवाहर लाल नेहरू को सेंगोल दिया गया था। तमिलनाडु के थिरुवदुथुरै अधीनम मठ के पुजारियों द्वारा पंडित नेहरू को यह सेंगोल दिया गया था। आजादी के अमृत काल के राष्ट्रीय चिन्ह के तौर पर प्रधानमंत्री मोदी ने सेंगोल को अपनाने का फैसला किया है। यह सेंगोल लोकसभा में सभापति के आसन के नजदीक स्थापित किया जाएगा और खास मौकों पर इसे बाहर निकाला जाएगा। बता दें कि भारत के इतिहास के सबसे शक्तिशाली और समृद्ध राजवंशों में से एक चोल साम्राज्य में सत्ता हस्तांतरण के लिए सेंगोल का इस्तेमाल किया जाता था।

गणित और विज्ञान ...

कर रहे हैं। शर्मा और बरुआ ने कहा कि अब, हम इस फैसले को वापस लेने का दबाव डालने के लिए 27 मई से एक महीने तक प्रदर्शन करेंगे। आसू नेताओं ने कहा कि ऐसे फैसले लेने के बजाय क्षेत्रीय भाषा माध्यम वाले स्कूलों में छात्रों को उपयुक्त ढंग से अंग्रेजी पढ़ाई जानी चाहिए, ताकि वे अंग्रेजी में धाराप्रवाह हो पाएं। आंदोलन 28 मई को राज्य के अध्यापक संघ के साथ चर्चा के बाद शुरू होगा। इसके बाद 31 मई को आसू की आंचलिक समितियों द्वारा 10 घंटे का उपवास किया जाएगा और छह जून को गुवाहाटी में *गण सत्याग्रह* होगा।

शिक्षा मंत्री का ...

संस्थाओं की समस्या, शिक्षकों की समस्या का चरणबद्ध तरीके से समाधान करती रही है। सरकार द्वारा दिए गए कर्तव्यों का पालन नहीं करने पर सेवा नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं, क्योंकि शिक्षक अदालत में पहुंचकर कहा था कि वे निजी मोबाइल पर रिम्सऐप का उपयोग नहीं करेंगे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि ऐसे में अब शिक्षकों को टैबलेट का बहाना नहीं बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य के शिक्षक प्राथमिक विद्यालयों में स्थायी प्रधानाध्यापक की नियुक्ति की मांग करते हुए राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए टैबलेट को वापस करने को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

मणिपुर में स्थिति ...

के लोगों के हमले की चपेट में आ गया जिसकी वजह से वहां रह रहे स्थानीय लोगों को जगह खाली कर कहीं और जाने को मजबूर होना पड़ा। नगालैंड के विद्रोही गुट एनएससीएन (आईएम) का केंद्र सरकार के साथ युद्धविराम समझौता है और उसे अपने सभी कैंपों के बारे में भारतीय सेना को जानकारी देनी होती है। वर्ल्ड चैंपियन महिला मुक्केबाज मैरी कॉम भी इसी कोम जनजाति से ही ताल्लुक रखती हैं। एनएससीएन (आईएम) का यह बेहद अहम है क्योंकि नगा लोग मणिपुर की राजधानी इंफाल घाटी और उसके आसपास रहने वाले मैतेई तथा पहाड़ियों पर बसे कुकी जनजाति के बीच जातीय संघर्ष में शामिल नहीं रहे हैं। अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने की मांग को लेकर इनके बीच जातीय हिंसा जारी है। महीने की शुरुआत में यानी 3 मई से शुरू हुई हिंसा में अब तक 70 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। कोम गांव की घटना को लेकर एनएससीएन (आईएम) ने कहा कि इस तरह की जघन्य हिंसा से स्थिति तनावपूर्ण बनी रहेगी जिसे मानवता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए इस पर तुरंत खत्म किया जाना चाहिए। 90 के दशक की शुरुआत में कुकी और नगा लोगों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। कुकी ने नगा लोगों पर उनकी जमीन हड़पने का आरोप लगाया था, दोनों के बीच हुए हिंसा में दोनों जनजातियों के कई लोगों की जान चली गई थी। फिलहाल हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर में 20 से अधिक दिनों से इंटरनेट नहीं चल रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह राज्य में तनाव कम करने के लिए अगले सोमवार को हफ्ते यानी 29 मई को राज्य का दौरा करने वाले हैं। वह वहां पर सभी समुदायों से शांति स्थापित करने और बातचीत शुरू करने को कहा है। मणिपुर में लगातार छिटपुट गोलाबारी और हिंसा की जानकारी मिल रही। हिंसक स्थिति को देखते हुए सेना और अन्य सुरक्षा बलों की भारी संख्या में तैनाती की गई है लेकिन स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। हिंसा की वजह से बड़ी संख्या में दोनों समुदायों के लोगों को दूसरी जगह पर जाना पड़ा है।

शिक्षक भर्ती घोटाला...

को जुर्माने के संबंध में राहत मिली है। दरअसल, कलकत्ता हाईकोर्ट ने बनर्जी के खिलाफ 25 लाख का जुर्माना लगाया था। यह जुर्माना हाईकोर्ट का समय बर्बाद करने के लिए लगाया गया था, हालांकि इस मामले में बनर्जी को राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने ।ाष्ट की तरफ से लगाए 25 लाख के हर्जाने पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली अभिषेक बनर्जी की याचिका पर भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अवकाश पीठ ने कहा कि वह कोर्ट की छुट्टियों के बाद इस मामले की सुनवाई करेगी और मामले को 10 जुलाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया है। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की अवकाशकालीन पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि कि सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियां उनसे मामले में पूछताछ कर सकते हैं। मामले की जांच के सिलसिले में सीबीआई ने 20 मई को बनर्जी से नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी। वहीं, बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट से निर्देश मांगा था कि एजेंसी द्वारा उनके खिलाफ कोई कठोर कदम नहीं उठाया जाए। टीएमसी नेता का नाम एक स्थानीय व्यवसायी और स्कूल नौकरी घोटाले के आरोपी कुंतल घोष द्वारा दायर की गई शिकायत के बाद सामने आया था। जिसके बाद बनर्जी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी कि उनके खिलाफ सीबीआई की जांच के आदेश को वापस लिया जाए, लेकिन कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के 24 घंटे बाद ही सीबीआई ने उन्हें समन जारी कर दिया था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे बनर्जी ने आरोप लगाया था कि टीएमसी के नेता जो झुकने को तैयार नहीं थे उन्हें परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न मामलों में शामिल भाजपा नेताओं को खुला छोड़ दिया गया था। डायमंड हार्बर से दो बार के टीएमसी सांसद से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2021 में पूछताछ की थी, तो वहीं एजेंसी ने 2022 में कोलकाता में कोयला चोरी मामले में भी उनसे दो बार पूछताछ की थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो घोटाले के आपराधिक पहलू की जांच कर रही है, वहीं ईडी स्कूल भर्ती में कथित अनियमितताओं में शामिल धन के लेन-देन की जांच कर रही है। गौरतलब है कि शिक्षक भर्ती घोटाला 9 साल पुराना है। यह घोटाला 2014 का है। इस घोटाले में पार्थ चटर्जी और अर्पिता चटर्जी जेल में बंद हैं। पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन (स्एससी) ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती निकाली। प्रक्रिया 2016 में शुरू हुई थी। उस वक्त पार्थ चटर्जी शिक्षा मंत्री थे। इस मामले में गड़बड़ी की कई शिकायतें कोलकाता हाईकोर्ट में दाखिल हुई थीं।

बौद्ध धर्म की पवित्र ...

मेरागोह से लुगुथांग गांव पहुंचे और वहां से चोरी की गई पुस्तक को बरामद कर लिया। असम के कामरूप जिले में पाइप लाइन फटने के मामले में असम मानवाधिकार आयोग ने शुक्रवार को स्वत संज्ञान लिया। आयोग के सदस्य सतनौ भराली ने कहा कि कामरूप जिला मजिस्ट्रेट मामले की जांच करें। पाइप लाइन फटने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, इसलिए मजिस्ट्रेट को कारणों का पता करना करना चाहिए। बता दें, पाइप लाइन फटने से एक महिला की मौत हुई थी। जबकि, पांच लोग घायल हुए थे। आयोग ने मजिस्ट्रेट को मृत और घायलों के नाम और पते की जानकारी इकट्ठे करने के लिए आदेश दिए हैं। तेज बहाव के कारण कई घरों और वाहनों को भी नुकसान पहुंचा था। आयोग ने जांच के बाद रिपोर्ट एनएचआरसी को सौंपने के लिए कहा है। असम के राज्य पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत कुमार दास ने प्रधानमंत्री आवास योजना के आकंड़े जारी किए हैं। शुक्रवार को उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के तहत 18 लाख से अधिक लोगों के घरों को मंजूरी दी गई है। मंत्री का कहना है कि इनमें से 11 लाख से अधिक घरों का निर्माण भी पूरा हो चुका है। मंत्री ने बताया कि शेष घरों को इसी 15 अगस्त तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य में सरकार ने अब तक 40 हजार से अधिक भूमिहीन लोगों को भूमि प्रदान की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 2.5 लाख से अधिक पूर्ण घरों के लिए सामूहिक *गृह प्रवेश* समारोह की योजना बना रही है।

सेंगोल विवाद : कांग्रेस...

करती है? तमिलनाडु के एक पवित्र शैव मठ ने भारत की स्वतंत्रता के प्रतीक के तौर पर पंडित (जवाहरलाल) नेहरू को एक पवित्र राजदंड दिया गया था, लेकिन इसे चलते समय सहारा देने वाली छड़ी की तरह बताकर किसी संग्रहालय में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस ने एक और शर्मनाक अपमान किया है। पवित्र शैव मठ थिरुवदुथुराई आदिनम ने भारत की स्वतंत्रता के समय राजदंड के महत्व के बारे में स्वयं बताया था। शाह ने कहा कि कांग्रेस अब आदिनम के इतिहास को फर्जी बता रही है। कांग्रेस को अपने व्यवहार पर मनन करने की आवश्यकता है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को दावा किया कि इस बात का कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है जिससे यह साबित होता हो कि लॉर्ड माउंटबेटन, सी राजगोपालाचारी और पंडित जवाहरलाल नेहरू ने *राजदंड* (सेंगोल) को ब्रिटिश हुकूमत द्वारा भारत को सत्ता हस्तांतरित किये जाने का प्रतीक बताया हो।

नया संसद भवन ...

नहीं है। नितिन गडकरी से जब सवाल किया गया कि हाल ही में सरकार ने 2000 के नोटों के चलन पर रोक लगा दी। इस पर आप क्या कहना चाहेंगे? इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2000 के नोट पर रोक लगाने का फैसला देशहित में है। इस फैसले से देश की अर्थव्यवस्था को फायदा मिलेगा। 2000 के नोट का गलत चीजों में इस्तेमाल हो रहा था। भ्रष्टाचार पर भी रोक लगेगी। अभी जिसके पास भी नोट है, वह बैंक में जाकर इसे वापस कर सकता है। नितिन गडकरी ने मोदी सरकार की उपलब्धिया गिनाते हुए कहा कि साल 2019 में जनता ने हमें फिर से चुना, इसका मतलब हमने काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का विकास हुआ है। *हम सबका साथ, सबका विकास* के साथ चले। जो काम हम कर रहे हैं, वह धर्म जाति से ऊपर उठकर रहे हैं। नितिन गडकरी ने देश में हर साल 5 लाख हादसे होते हैं और हजारों लोग मरते हैं। अब रोड सेफ्टी को लेकर कानूनों में लगातार सुधार कर रहे हैं। इमरजेंसी जैसी सेवाओं को बढ़ाया है। लोगों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। हम सबकी मदद से ही लोगों को सेफ्टी प्रदान कर सकते हैं। अभी हमें इसमें रिजल्ट मिलना बाकी है। महंगे टोल टैक्स को लेकर गडकरी ने कहा कि अगर आपको अच्छी सुविधाएं चाहिए तो ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ेंगे। दूसरी बात यह है कि अगर आप दिल्ली से देहरादून जा रहे हैं तो आपके समय में और पेट्रोल खर्च में भी बचत मिलेगी। अब देश बदल रहा है। उन्होंने कहा कि परिवहन, इंफ्रास्ट्रक्चर, रेलवे, एविएशन मोदी सरकार की उपलब्धियां हैं।

नए संसद भवन के ...

जनहित याचिका (पीआईएल) दाखिल हुई है, जिसमें यह मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट केंद्र को ये निर्देश दे कि नए संसद भवन का 28 मई को उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा किया जाना चाहिए। जनहित याचिका में कहा गया है कि लोकसभा सचिवालय ने उद्घाटन के लिए राष्ट्रपति को आमंत्रित नहीं करके संविधान का उल्लंघन किया है। अधिवक्ता जया सुकिन द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया है कि 18 मई को लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी बयान और नए संसद भवन के उद्घाटन के बारे में महासचिव, लोकसभा द्वारा जारी किया गया निमंत्रण भारतीय संविधान का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया कि सरकार ने भारतीय संविधान का उल्लंघन किया है और संविधान का सम्मान नहीं किया जा रहा है। संसद भारत की सर्वोच्च विधायी संस्था है। भारत में राष्ट्रपति दोनों सदनों, राज्यसभा और लोकसभा को बुलाने और टालने या लोकसभा को भंग करने की शक्ति रखते हैं, इसलिए ये कार्य भी उन्हें ही करना चाहिए। कांग्रेस, टीएमसी और आप समेत कुल 21 विपक्षी दलों ने नए संसद भवन के उद्घाटन के बहिष्कार की घोषणा कर चुके हैं। उन्होंने कहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के बिना भवन का उद्घाटन करने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निर्णय राष्ट्रपति का अपमान करना है और संविधान का उल्लंघन भी है।

नया संसद भवन हर ...

है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट में कहा कि नया संसद भवन हर भारतीय को गौरवान्वित करेगा। यह वीडियो इस प्रतिष्ठित इमारत की एक झलक पेश करता है। मेरा एक विशेष अनुरोध है- इस वीडियो को अपने वॉयस-ओवर के साथ साझा करें, जो आपके विचारों को व्यक्त करता है। मैं उनमें से कुछ को री-ट्वीट करूंगा माई पार्लियामेंट माई प्राइड का इस्तेमाल करना न भूलें। उल्लेखनीय है कि नए संसद भवन का उद्घाटन समारोह 28 मई को सुबह हवन और सर्व-धर्म प्रार्थना के साथ शुरू होगा।

अफ्रीका दिवस 2023...

और कूटनीति संबंधों पर बातें कीं। समारोह का आयोजन आईसीसीआर और अफ्रीकन कंटिनेंट ने किया था। इसमें असम से एकमात्र महिला डॉ. आशमां बेगम आमंत्रित थीं, जिन्होंने इसमें शिरकत कीं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **द्वादश अध्याय**

(चार प्रकार के भक्त)

(ज्ञानी)

अणु परमाणु में दिशे, किरण कणा कण भास।
सागर गंग तरंग में रेत चमक बन भास॥ 35॥

शब्दार्थ : (अणु) छोटा अंश (परमाणु) अणु का अंतिम स्वरूप (किरण) रश्मि (कणा) छोटा टुकड़ा (कण) अंश, चूर्ण, कणिका (रेत) बालू, धूलि, रेणु (चमक) प्रभा, दीप्ति (चन भास) छोटी चमक।

भाष्य : अणु-परमाणु और सूर्य की किरण एवं छोटे कणों एवं समुद्र और गंगा की तरंगों तथा बालू की छोटी दीप्ति में वह ज्ञानी-भक्त परमप्रभु को देखता है।

शिखर अतुंग अनंग में, विपिन विटप मुल डार।
पर्ण पर्ण सुख राशि है, अनुभव अगम अकार॥ 36॥

शब्दार्थ : (शिखर) पहाड़ की चोटी (उतुंग) ऊंचा (अनंग) शून्य, अकेला (विपिन) वन (विटप) वृक्ष (पर्ण पर्ण) पत्ता-पत्ता (अगम) जहां मन-बुद्धि की गम नहीं।

भाष्य : ज्ञानी-भक्त को शून्य पहाड़ की ऊंची चोटी एंव वन के वृक्ष और उनके मूल, डाल और पत्ते-पत्ते से आनंदमय प्रभु का भास होता है और जगदानंतर अगम आकार का अनुभव होता है।

असम मेडिकल कॉलेज में देश की दूसरी ऑक्सीजन उत्पाद प्रयोगशाला का उद्घाटन संपन्न

डिब्रुगढ़ (हिंस)। राज्य में चिकित्सा क्षेत्र के लिए अच्छी खबर आई है। डिब्रूगढ़ स्थित असम मेडिकल कॉलेज में देश का दूसरा ऑक्सीजन उत्पादन प्रयोगशाला स्थापित किया गया है। शुक्रवार को इस प्रयोगशाला का औपचारिक उद्घाटन जिला उपायुक्त बिश्वजीत पेगू ने किया। अमृतसर के बाद डिब्रूगढ़ स्थित असम मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में देश का दूसरा ऑक्सीजन जेनरेशन लैब स्थापित किया गया है। प्रयोगशाला की स्थापना शुक्रवार को डिब्रूगढ़ असम मेडिकल कॉलेज में संयुक्त राज्य अमेरिका के एक विशेष संगठन यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) की पहल के तहत और दो अन्य विशेष संस्थानों के सहयोग से की गई है। उल्लेखनीय है कि ऑक्सीजन उत्पादन की यह प्रयोगशाला देश में दूसरी प्रयोगशाला है और इस प्रयोगशाला में ऑक्सीजन उत्पादन का विभिन्न सूक्ष्म विश्लेषण और निगरानी किया

जाएगा। देश के विभिन्न हिस्सों के छात्रों को ऑक्सीजन उत्पादन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। विभिन्न चरणों में ऑक्सीजन गठन उत्पादन प्रणाली के बारे में जांच भी की जाएगी।

रंगजुली में हुई सड़क दुर्घटना में एक की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। जिले के रंगजुली में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि रंगजुली में राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर सारापारा-टिपलाई तीनाली में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में ई-रिक्शा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और चालक और एक यात्री दब गए। स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से घायल दोनों को रंगजुली अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें गुवाहाटी रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। मृतक चालक जनक की पहचान रंगजुली पुलिस स्टेशन के सरापारा गांव के शुक्रप्रसाद खाखलारी (50) के रूप में हुई है। घायल व्यक्ति की पहचान सरूवाला गांव के भद्रेश्वर लोहार के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

एसएसबी ने अवैध भूटानी शराब के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। 6वीं वाहिनी की सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने एक अभिलयान चलाकर अवैध भूटानी शराब जब्त किया। मिली जानकारी के अनुसार एसेसबी, रानीघुली के कार्यवाहक कमाडेंट लोकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सीमा चौकी दादगिरी को मिली गुप्त सूचना के आधार अभियान चलाकर अंतराष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तभ संख्या- 169/5 के नजदीक गेट के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक हुंडई सेंट्रो कार में लदे अवैध भूटानी शराब को जब्त किया। इस तलाशी के दौरान एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया। बताया जाता है कि उक्त शराब पड़ोसी राज्य में ले जाने के फिराक योजना बनाी जा रही थी। पकड़े गए तस्कर की पहचान टुपान नार्जारी (27) के रूप में की गई है। वहीं जब्त किए गए अवैध भूटानी शराब व अन्य सामग्रियों के अनुमानित कीमत रु. 1,47,560/- आंकि गई है। जब्त किए गए सामग्री एवं तस्कर को भूमि कस्टम स्टेशन हाथीसार दादागिरी को सौंप दिया गया।

पुलिस की वाहन से सात वर्षीया छात्रा की मौत, लोगों में गुस्सा

कोकराझाड़ (विभास)। फकीराग्राम में पुलिस वाहन की चपेट में आने से सात वर्षीया छात्रा की मौत से इलासे में सनसनी फैली हुई है। मिली जानकारी के अनुसार जिले के फकीराग्राम थानांतर्गत शक्तिआश्रम जेबी स्कूल की छात्रा सेहनस खंडकर स्कूल से घर जाते समय सिंगीमारी में पुलिस वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि उक्त छात्रा साहिदुल खंडकर की पुत्री है। छात्रा को चपेट में लेने वाली वाहन संख्या ओल्टो संख्या (एसएस 19 बी 0998) ऑल्टो गाड़ी है। इस ओल्टो गाड़ी गोसाईगांव कोट में ड्यूटी कर रहे एएसआई नुमल बरुवा चला रहा था। फिलहाल एएसआई नवल बरुवा फकीराग्राम पुलिस के जिम्मे में है। वहीं शव को फकीराग्राम पुलिस ने अपने कब्जे में कर के पोस्टमार्टम के लिए कोकराझाड़ अस्पताल में भेज दिया है। इस हादसे के दौरान वहां मौजूद सैकड़ों लोगों व संगठनों ने आरोप लगाया कि उक्त वाहन शराब पीकर चला रहा था। जबकि पुलिस ने एएसआई को मेडिकल कराने के लिए भेज दिया है।

साध्वी स्वर्णरेखाजी के नगर प्रवेश के उपलक्ष्य पर स्वागत समारोह कल

गुवाहार्टी। आचार्य महाश्रमण की विदुषी सुशिष्या साध्वी स्वर्णरेखा एवं उनकी सहयोगिनी साध्वीवृंद स्वस्तिकाश्री, सुधांशुप्रभा एवं गौतमयशा सुखसातापूर्वक विहार करते हुए अमीनगांव पधार गई हैं, जिससे गुवाहाटीवासियों में खुशी की लहर व्याप्त है। सभी आतुरता से साध्वीवृंद के गुवाहाटी पधारने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। साध्वीवृंद के रास्ते की सेवा के संयोजक निलेश पगारिया ने बताया कि साध्वीश्रीजी के भव्य नगर प्रवेश के उपलक्ष्य पर 28 मई को प्रात: 9:15 बजे से महानगर के शांतिपुर स्थित सुबोध बिनोद बोरड़ के निवास स्थान परिसर में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया है। स्वागत समारोह के पश्चात साध्वीवृंद का उपनगरीय भ्रमण प्रारंभ होगा। इसी क्रम में साध्वीवृंद वरिष्ठ श्रावक सुमेरमल सुराणा के निवास पर पधारेंगी। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के तत्वावधान एवं तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद्, अणुव्रत समिति, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम आदि के सहयोग से आयोजित स्वागत समारोह में स्वागत वक्तव्य, गीतिका, मुक्तक आदि के माध्यम से साध्वीवृंद का स्वागत-अभिनंदन किया जाएगा। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बजरंग कुमार सुराणा एवं मंत्री रायचंद पटावरी ने सभी संघीय संस्थाओं के पदाधिकारी, सदस्यों, श्रावक-श्राविकाओं एवं समाजबंधुओं से स्वागत समारोह में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है। इस आशय की जानकारी रवि बुच्चा ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

रिश्वत लेते रंगे हाथों लाट मंडल गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। राज्य की सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय टीम ने कामरूप (ग्रामीण) जिले के हाजो राजस्व सर्किल कार्यालय के लाट मंडल (लेखपाल) उत्पल केमप्राई को आठ हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार लोक सेवक केमप्राई ने जमीन के हस्तांतरण की प्रक्रिया के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत के रूप में 15 हजार रुपए की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने रिश्वत मांगने की शिकायत राज्य के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय से संपर्क किया। इस पर शुक्रवार को सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी निदेशालय की टीम ने जाल बिछाकर हाजो राजस्व मंडल कार्यालय में रिश्वत लेते लाट मंडल उत्पल केमप्राई को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। टीम ने शिकायतकर्ता से लिए गए रिश्वत के आठ हजार रुपए भी उसके कब्जे से बरामद कर लिया गया। इस संबंध में एसीबी थाने में केस दर्ज किया गया। इस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अवैध नियुक्ति के मुद्दे को राजनीतिक मुद्दा न बनाएं

इटानगर (हिंस)। अखिल अरुणाचल समग्र शिक्षा अभियान शिक्षक संघ (आसाटा) ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे लोंगडिंग जिले के शिक्षकों की अवैध नियुक्ति के मुद्दे को राजनीतिक मुद्दा न बनाएं। मामले पर तीन सदस्यीय जांच कमेटी के तहत जांच की जा रही है। आसाटा के अध्यक्ष तेची बेलो ने मीडिया को संबोधित करते हुए आज बताया कि लोंगडिंग जिला में शिक्षकों की अवैध नियुक्ति के आरोप को देखने के बाद शिक्षा मंत्री ताबा तेदिर ने इस मामले पर उच्च स्तरीय एक बैठक बुलाकर एक

जांच कमेटी का गठन कर जांच करने का आदेश दिया। इस मामले की जांच शिक्षा मंत्री के मार्गदर्शन में तीन सदस्यीय जांच समिति के तहत चल रही है। समिति को 7 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का सलाह दिया गया है। इस मामले पर अरुणाचल प्रदेश यूथ कांग्रेस के बयान पर जवाब देते हुए तेची बेलो ने कहा कि जब संबंधित विभाग इस मामले में पहले ही कदम उठा चुका है, तो राजनीतिक दल को इस मुद्दे राजनीति करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। आटासा ने शिक्षकों को हर वर्ष नियमित प्रक्रिया में नियमित करने की अपनी मांग को जारी रखते हुए बेलो ने कहा कि बीते 2018 में राज्य सरकार ने नियमितीकरण प्रक्रिया का आश्वासन दिया है। हर साल 400 एसएसए शिक्षकों को नियमित किया जाएगा, लेकिन 2018 में पहले चरण में 400 शिक्षकों को नियमित करने के बाद दूसरा और तीसरा चरण आज तक नहीं पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास 2019 से 2023 तक का एक बैकलॉग पोस्ट है जिसमें दूसरे चरण के रूप में वर्षवार 2,000 पद शामिल हैं।

कई परिवारों ने पीएमएवाई से वंचित होने का लगाया आरोप

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के मंडिया विकासखंड के अंतर्गत आलोपति माजर चर ग्राम पंचायत संख्या 71 में कंप्यूटर पर गलत तरीके से क्लिक करने के कारण प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्ती वंचित होने की खबर सामने आई है। मालूम हो कि इस सभी गरीब परिवारों के नाम आवास याजना गायब करने का आरोप लगाया गया है। इस घटना ने लाभार्थियों के बीच कोहराम मचा हुआ है। उल्लेखनीय है कि आलोपति माजर चर की ग्राम पंचायत में 289 गरीब परिवारों के नाम में गलत सूचनाएं शामिल होने के कारण वे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास से वंचित रह गए हैं। वहीं कुछ लोगों ने सर्वे के दौरान गलत जानकारी शामिल होने के कारण ऐसी घटनाओं की आशंका जताई है। एक कंप्यूटर कृति से पता चल है कि कुछ गरीब लोगों के नाम पर पक्के मकान, ज्यादा जमीन, लैंड लाइन फोन, ट्रैक्टर आदि शामिल हैं। पंचायत के कई वास्तविक लाभार्थियों के नाम पर गलत जानकारी डालने के लिए सरकारी आवास मिलने से वंचित हैं, लेकिन यह गलती के कारण पंचायत के दो सौ ज्यादा परिवार सरकारी आवास से वंचित रह गए। नतीजतन पंचायत में दो सौ से अधिक परिवार सरकारी आवास योजना से निराश हैं। वंचितों ने संभागीय अधिकारियों से उक्त मामले के संबंध में उचित सर्वेक्षण के अधीन वास्तविक लाभार्थियों के नाम शामिल करने की मांग की है। इसके अलावा स्थानीय प्रशासन से भी मांग की है।

सरकारी स्कूल में लायंस उमंग ने बनाई लाइब्रेरी व प्रिंसिपल रूम

गुवाहाटी (विभास)। समाज सेवा के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी कार्य करने वाली संस्था लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग ने सरकारी स्कूल में लाइब्रेरी व प्रिंसिपल रूम बनवाया, जिसका विधिवत उद्घाटन आज लायंस जिलापाल बीएस राठौड़ सह पत्नी रेखा राठौड़ व दानदाता परिवार से गोकुल- सीमा सोनी ने सामूहिक रूप से किया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी आरुषि सोनी ने बताया कि अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में आज नारायण नगर स्थित बद्रीदास हिंदी हाई स्कूल में बच्चों के लिए लाइब्रेरी रूम व प्रिंसिपल रूम का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर लायंस जिलापाल बी एस राठौड़, वीडीजी प्रथम श्रीमती सीमा गोयनका, वीडीजी द्वितीय पंकज पोद्दार, जीएसटी को-ऑर्डिनेटर राजेश अग्रवाला सहित विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक आदि मौजूद थे। स्व. लक्ष्मीनारायण स्व. पन्ना देवी सोनी की स्मृति में उनके पुत्र शंकरलाल-ललिता देवी सोनी एवं एल गोपाल ज्वेलर्स (कुबेर एसी मार्केट) के प्रमुख गोकुल-सीमा सोनी के सहयोग से लाइब्रेरी व प्रिंसिपल रूम बनाया गया। वही लाइब्रेरी व

प्रिंसिपल रूम के भीतर अलमारी, कुर्सी, मेज सहित अन्य जरूरत की वस्तु क्लब की सदस्य ऋषि-अनीता गुप्ता के सहयोग से मुहैया कराया गया। श्रीमती सोनी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजिका निभा सराफ व अंजू अग्रवाल, सह संयोजिका पिंकी हवेलियां की देखरेख में इस सरकारी स्कूल में बच्चों के लिए लाइब्रेरी रूम का तैयार किया गया, जहां बच्चों के ज्ञान का संपूर्ण विकास हो सके। इस मौके पर क्लब की ओर से शिक्षकों के बीच छतरी का भी वितरण सोनी परिवार की ओर से किया गया। इस दौरान क्लब की सचिव कंचन पोद्दार, कोषाध्यक्ष कुसुम जैन, निवर्तमान अध्यक्ष रितु बंका, सलाहकार सुनीता पारीक, कीर्ति अग्रवाल, मधुलिका बंका, ममता खंडेलिया, नीलम जालान, अंजू अग्रवाल, लायंस गुवाहाटी के सचिव अजय पोद्दार, रतन गोयनका, सुरेश नाउका सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। मुख्य अतिथि जिलापाल श्री राठौर ने इस कार्य की जहां खुले दिल से सराहना की। वहीं स्कूल के अध्यापक ने लायंस उमंग की सभी सदस्याओ के प्रति आभार व्यक्त किया। मालूम हो कि लायंस उमंग इस विद्यालय में के निर्माण व विकास में पिछले कई वर्षों से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। क्लब की ओर से सभी शिक्षकों एवं अतिथियों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब की सभी सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

लमडिंग : भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब जब्त

होजाई (हिंस)। होजाई जिला के लमडिंग में अवैध देशी-विदेशी शराब के खिलाफ आबकारी विभाग का जोरदार अभियान जारी है। आबकारी सूत्रों ने बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर बीती देर रात को लमडिंग के विभिन्न स्थानों पर अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी के दौरान लगभग 300 लीटर शराब को जब्त कर नष्ट किया गया। साथ ही भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब को जब्त किया गया। जब्त शराब का बाजार मूल लगभग 30 हजार रुपए बताया गया है। अभियान का नेतृत्व होजाई जिला आबकारी उपाधीक्षक और लमडिंग आबकारी निरीक्षक भूपेन बोड़ो ने किया। आबकारी विभाग ने कहा है कि अवैध शराब के खिलाफ लमडिंग में आबकारी विभाग का अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा।

रंगिया में मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मान

रंगिया (विभास)। रंगिया के ऐतिहासिक हरदत्त-बीरदत्त भवन प्रांगण में रंगिया महकमा प्रशासन द्वारा गुरुवार को एक विशेष अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में हाल ही में घोषित हुई 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा (सीबीएसई और सेवा) में 90 प्रतिशत और इससे अधिक अंक लाने वाले महकमे के कुल 132 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिसमें सीबीएससी के 43 और सेवा के 89 छात्र-छात्राएं शामिल है। इसके भीतर कोरारा शिक्षा खण्ड से 29, कमलपुर 30 और रंगिया से 30 छात्र-छात्राएं उपस्थित रही। इसके अलावा कार्यक्रम के अंतर्गत ए एस आर एल एम की ओर से निर्वाचित की गई 7 लखपति महिलाओं को सम्मानित किया गया जोकि चालू वर्ष के जनवरी से मार्च -2023 तक एक लाख रुपए से अधिक का उपार्जन कर स्वावलंबी हुई है तथा विभिन्न आत्म सहायक समूह से जुड़ी हुई है। कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त तथा रंगिया के प्रभारी महकमाधिपति दीपन बर्मन, रंगिया पौरसभा के अध्यक्ष अमरेन्द्र लहकर, उपाध्यक्ष बिद्युत डेका, सहायक आयुक्त सजीव दास, कृतंजलि कश्यप, अनुपम बोड़ो, रंगिया महकमा निर्वाचन अधिकारी तथा रंगिया पौरसभा की कार्यवाहक अधिकारी नील हरित कौशिक, बीईईओ प्रबीन चंद्र राभा (रंगिया), समरेंद्र सहरिया (कोरारा), मुनींद्र गोस्वामी (कमलपुर) सहित सम्मान कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारियों, एएसआरएलएम (रंगिया) के कर्मचारी, महकमा के विभिन्न विद्यालयों के प्रमुख, सीआरसीसी, छात्र, अभिभावकों और अन्य गणमान्य लोगों सहित लगभग 400 से अधिक लोग उपस्थित रहे।

जेसीआई मानवीय सरोकार से कन्यादान होगा साकार, 51 जोड़ों का सामूहिक विवाह

गुवाहाटी (विभास)। मानवीय मूल्यों की प्रतिरक्षा हेतु जेसीआई गुवाहाटी के कई महीनों के अथक प्रयास के बाद जनजाति बंधुओं के उत्थान के लिये, उनके जीवन में खुशियां के रंग भरने के लिए कन्या दान प्रक्लप के माध्यम से 51 जोड़ों का सामुहिक विवाह का कार्यक्रम आगामी दिनांक 4 जून 2023 को सांगानेरीया धर्मशाला में आयोजित आहूत है। इस प्रकल्प के मार्गदर्शक जेसीआई सेनेटर रमेश कुमार चांडक एवं जैसी मनीष गोयनका की देखरेख में कार्य के संयोजन में जेसी प्रियंका जैन, जेसी नितीन अग्रवाल, जेसी ऋषिन खेमका, जेसी नीलम अग्रवाल, जेसी राजेश मितल, जेसी शशि गोयल, जेसी राहुल चमड़ियां, जेसी रेखा सरावगी तथा जेसीआई की बड़ी टीम सिद्त से इस कार्य में जुटी हुई है। प्रेस भेंट वार्ता में जेसीआई गुवाहाटी के अध्यक्ष जेसी अरुण सरावगी ने बताया कि 51 जोड़ों को असम के विभिन्न जनजातीय क्षेत्रों से चिन्हित कर उनके दस्तावेज संग्रहित कर कोर्ट मैरिज रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। इन जोड़ों को गुवाहाटी आमंत्रित कर उनके परिजनों की उपस्थिति में मारवाड़ी विवाह रस्मों से पंडितों की देखरेख में वैदिक पद्धति से हवन, फेरों के बाद कन्यादान होगा। जेसी डॉ. असीम चौधरी ने बताया कि विवाह बंधन में बंधने वाले जोड़े के आने-जाने, रहने, खाने-पीने की सुन्दर व्यवस्था की जा रही है। उनके साथ आने वाले परिजनों को भी सभी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। कन्यादान करने हेतु समाज से तथा जेसीस परिवार से समाजसेवी आगे आए हैं। विवाह के बाद विदाई के साथ नवयुगल जोड़ी को दाम्पत्य जीवन की सुखद शुरुआत हेतु गृहस्थी बसाने के कुछ सामान भी साथ में दिये जायेंगे। इस शुभ अवसर पर जेसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रांतीय पदाधिकारिगण तथा समाज के वरिष्ठ समाजसेवी की गरिमामयी उपस्थिति में मांगलिक अनुष्ठान सम्पादित होगा। जेसीआई मानवीय संवेदना से सरोकार रखने वाले कार्यक्रम निरंतरता से करती आई हैं। ये प्रेस विज्ञप्ति रमेश कुमार चांडक द्वारा कन्यादान प्रक्लप हेतु जारी।

कांग्रेस के 9 सवालों पर भाजपा का पलटवार, सवालों को बताया झूठ का पुलिंदा

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ साल पूरे होने के मौके पर कांग्रेस ने उनसे नौ सवाल पूछे हैं। इन सवालों पर कांग्रेस पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) ने इन्हें झूठ का पुलिंदा बताया है। शक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में सांसद रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के द्वारा नरेन्द्र मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर शायद 9 सवाल पूछे गए हैं, लेकिन वो झूठ का बड़ा पुलिंदा है। ये कांग्रेस की बेशर्मी की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि आप आलोचना कीजिए, लेकिन आलोचना में आप देश के अंदर के संकल्प को कमजोर मत कीजिए, यह बहुत बड़ा अपमान है उन लाखों सेवा कर्मियों का, डॉक्टर, नर्सेस, सफाई कर्मचारी, एम्बुलेंस चलाने वालों का, जिन्होंने कोरोना काल में देश को बचाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि आज भारत, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आज 16 हजार करोड़ रुपये का डिफेंस एक्सपोर्ट हो रहा है। भारत मोबाइल मैन्यूफेक्चरिंग में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मैन्यूफेक्चरर बन गया है। वहीं कांग्रेस करप्शन पर सवाल पूछ

रही है, जिसके शासनकाल में 2जी घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला, आदर्श घोटाला, बोफोर्स, अंतरिक्ष घोटाला, हेलिकॉप्टर घोटाला जैसे... कितने बड़े-बड़े घोटाले हुए। कांग्रेस ने अपने लिए 4सी ग्रेडिंग चुनी है- कट, कमीशन, करप्शन और कांग्रेस, यही है कांग्रेस। उन्होंने कहा कि भारत में डिजिटल पेमेंट का आंकड़ा 10 बिलियन डॉलर का है। चाहे डिजिटल इंडिया हो, डिजिटल पेमेंट हो, जीएसटी, मोबाइल मैन्यूफेक्चरिंग, सड़कें, एयरपोर्ट, बिजली, किसानों की बात हो, नेशनल हाईवे की बात हो, स्टार्टअप इंडिया की बात हो, आज विकास के हर क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। अगर ये सब कांग्रेस को नहीं दिखता है, तो कोई क्या कर सकता है।

अधिकारियों के दफ्तर से फाइल चोरी का दिल्ली भाजपा ने जारी किया वीडियो

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास पर खर्च संबंधी मामले की जांच कर रहे अधिकारी की फाइलें गायब होने को लेकर भाजपा ने नया वीडियो जारी किया है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विरेन्द्र सचदेवा, भाजपा सांसद मनोज तिवारी, नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूरी, दिल्ली प्रवक्ता हरीश खुराना ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता करते हुए एक सीसीटीवी फुटेज जारी की। वार्ता में दिल्ली भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से इस्तीफा मांगा है। उन्होंने कहा कि नैतिकता के आधार पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपना इस्तीफा देना चाहिए और हम लोग इस पूरे घटनाक्रम को लेकर दिल्ली के पुलिस कमिश्नर से मिलेंगे। भाजपा के सभी विधायक और सांसद दिल्ली पुलिस कमिश्नर से इस मामले में शिकायत करेंगे और केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर की मांग करेंगे। अगर फिर भी एफआईआर नहीं होती है तो हम कोर्ट का रुख करेंगे। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह

बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली के एक विजलेंस अधिकारी वाई राज शेखर दिल्ली सरकार द्वारा किए गए अलग-अलग मामलों में 180 करोड़ के घोटाले की जांच कर रहे थे। इस पूरे मामले पर दिल्ली के मुख्यमंत्री चुप हैं, लेकिन इन लोगों ने रात के दो बजे कैसे एक अधिकारी के दफ्तर में घुसे ? सीसीटीवी फुटेज में भी साफ तौर पर तीन लोग दिख रहे हैं। कैसे इन लोगों ने फाइलें चुराई और फिर दूसरे कमरे में यह फाइल है। आधे घंटे तक यह पूरा खेल चलता रहा। इससे साफ जाहिर होता है कि इस पूरे घटनाक्रम में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्री भी शामिल हैं। इसलिए हम मांग करते हैं कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपना इस्तीफा देना चाहिए। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि यह जो वीडियो है, सभी को चौंका देने वाला वीडियो है। यह वीडियो साफ दशार्ता है कि रात के 2:00 बजे एक अधिकारी के कमरे में 3 लोग हैं और उसकी फाइल निकाली जाती है, जो अधिकारी पूरे भ्रष्टाचार की जांच कर रहे थे, वहां से फाइलें चुराई जाती है। एक तरह से यह डकैती है। लूटपाट है। यह घटना 16 मई की है। 11 मई को इनके पक्ष में सुप्रीम कोर्ट से आदेश आता है। ट्रांसफर पोस्टिंग कर सकते है, लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री ने उसी दिन से तानाशाही रवैया अपनाया।

वामपंथी सरकार की मंदिरों पर कब्जे की नई 'द केरल स्टोरी'

मुंबई/कोच्चि, (हि.स.)। केरल के त्रावणकोर देवास्वम बोर्ड (टीडीबी) ने सर्कुलर जारी कर 1248 मंदिर परिसरों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा लगने या उसकी गतिविधि होने पर पदाधिकारियों को आगाह किया है। 18 मई के इस सर्कुलर में कहा गया है कि ऐसा होने पर संबंधित मंदिर के पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उल्लेखनीय है त्रावणकोर देवास्वम बोर्ड राज्य के मंदिरों का संचालन करता है। बोर्ड के इस सर्कुलर से सीपीएम सरकार के मंदिरों पर कब्जे के मंसूबे की नई 'द केरल स्टोरी' सामने आई है। टीडीबी के इस सर्कुलर उसका वर्षों वर्षों पुराना एजेंडा सामने आ गया है। सर्कुलर में कहा गया

है कि मंदिर परिसरों में धार्मिक आयोजनों के अलावा सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियां नहीं होंगी। यह महत्वपूर्ण है कि केरल की सीपीएम सरकार का 2016 में पहली बार इसी तरह का जारी सर्कुलर बेअसर रहा था। इसके बाद राज्य सरकार के नियंत्रण मे काम करने वाले टीडीबी ने 30 मार्च, 2021 को नए सर्कुलर जैसा परिपत्र जारी किया था। बावजूद इसके कुछ मंदिर प्रांगणों में संघ की शाखा लगती रहीं। देवस्वम बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि संघ ही नहीं, अन्य किसी संगठन और राजनीतिक दल को पूजा-अनुष्ठान के अलावा मंदिर परिसर में कोई अन्य आयोजन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टीडीबी ने आम लोगों का आह्वान किया है कि इसके बाद भी मंदिर परिसरों में ऐसे आयोजन होते हैं तो वह बोर्ड के शिकायत करें । टीडीबी के कंधे पर बंदूक रख कर निशाना साधने वाली सीपीएम से मंदिर से जुड़े लोग तथा स्थानीय नागरिकों में खासी नाराजगी है। मंदिर से जुड़े एक पदाधिकारी के मुताबिक सीपीएम नेता के. अनंतगोपन त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड के अध्यक्ष है। नतीजतन बोर्ड पर सीपीएम की मर्जी चलती है। टीडीबी बोर्ड का गठन त्रावणकोर कोचीन हिंदू रिलीजियस इंस्टीट्यूशन एक्ट श 1950 के तहत हुआ था। प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर के सभी अनुष्ठान भी इसी बोर्ड के निर्देशन में होते हैं। इस वजह से मंदिरों से होने वाली आय पर सीपीएम की नजर है। इसलिए वामपंथी सरकार मंदिर परिसरों से संघ के स्वयंसेवकों को दूर रखना चाहती है। केरला क्षेत्र संरक्षण समिति से जुड़े एक पूर्व पदाधिकारी का दावा है कि वामपंथी सरकारें मंदिरों से जुड़ी खेती कि जमीन को वेस्ट ऑफ लैंड घोषित कर हथिया लेती रही हैं। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अगुवाई में मंदिरों के जीर्णोद्धार का काम शुरू हुआ। बाद में मंदिरो के संरक्षण और रखरखाव के लिए केरला क्षेत्र संरक्षण समिति गठित की गई। अब वामपंथी सरकार मंदिरों को मिलने वाले दान और जमीन का लाभ उठाना चाहती है। टीडीबी के एक पूर्व पदाधिकारी ने दावा किया है कि वामपंथी सरकार मंदिरों के पैसे से हिंदू विरोधी एजेंडे को बढ़ावा देती है। सीपीएम सरकार ने 2020 में त्रावणकोर देवास्वम बोर्ड के तहत आने वाले स्कूलों मे अरबी भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति करने का फैसला किया था। इसकी जिम्मेदारी बोर्ड को दी थी। जब कि बोर्ड ने संस्कृत भाषा की शिक्षा के लिए एक भी शिक्षक को नियुक्त नहीं किया। संस्कृत देश की प्राचीन भाषा है और संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित है। अरबी का न तो इस देश से और न ही केरल की ज्यादातर आबादी से कोई सरोकार है।

प्रधानमंत्री ने देश के सबसे लंबे समुद्री पुल मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक पर प्रसन्नता व्यक्त की

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के सबसे लंबे समुद्री पुल मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह अगली पीढ़ी का बुनियादी ढांचा है जो लोगों के लिए 'ईज ऑफ लिविंग' को बढ़ावा देगा। एमटीएचएल की विशेषता के बारे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के ट्वीट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को ट्वीट किया, अगली पीढ़ी का बुनियादी ढांचा जो लोगों के लिए 'ईज ऑफ लिविंग' को बढ़ावा देगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में इसकी नींव रखी थी। सेवरी से न्हावा के बीच 22 किमी लंबा 6-लेन समुद्री पुल है। इस पुल से ईंधन, परिवहन लागत और यात्रा के 1 घंटे के समय की बचत होगी।

महंगाई, बेरोजगारी रोक पाने में विफल रही है मोदी सरकार : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार महंगाई, बेरोजगारी रोक पाने में विफल रही है। राहुल ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि भाजपा सरकार ने बीते 09 वर्ष में कोई काम नहीं किया। इस सरकार ने झूठे वादें कर जनता को परेशान किया है। उन्होंने कहा कि महंगाई,नफरत और बेरोजगारी के लिए प्रधानमंत्री मोदी को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। राहुल ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था की बुरी हाल है। किसान परेशान हैं। मोदी सरकार किसानों की आय दोगुना करने में विफल रही है। देश में भ्रष्टाचार चरम पर है और सरकार सिर्फ चंद व्यापारियों के हित के लिए काम कर रही है। मोदी सरकार चीन और राष्ट्रीय

सुरक्षा के मामले में विफल है। विपक्षी दलों और नेताओं के खिलाफ बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। कोरोनाकाल में यह सरकार पूरी तरह असहाय दिखी। करोड़ो लोगों को मिसमैनेजमेंट के कारण पलायन करना पड़ा था। राहुल ने कहा कि मोदी सरकार के पास 09 वर्ष के शासनकाल में कुछ भी दिखाने को नहीं है। इस सरकार ने चुनावी फायदे के लिए देश में डर का माहौल बनाने का काम किया है।

तिहाड़ जेल में बड़े स्तर पर फेरबदल, 80 अधिकारी इधर से उधर

अजय कुमार

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में एक बार फिर से बड़े स्तर पर अधिकारियों का तबादला हुआ है। इस बार तिहाड़ में 80 अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला किया गया है। जेल प्रशासन ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह रूटीन ट्रांसफर है। जेल प्रशासन के अनुसार, ट्रांसफर में सबसे ज्यादा 58 वार्डर, 8 हेड वार्डर, 9 सहायक अधीक्षक और 5 उप अधीक्षक शामिल हैं। ये ट्रांसफर सभी जेलों में किये गए हैं। इन जेलों के जिन कर्मचारियों का तबादला किया गया है, उसमें जेल नंबर दो, चार, पांच, सात, आठ, नौ, सहित अन्य जेल के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। जेल सूत्रों की माने तो पिछले दिनों जेल नंबर 8/9 में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या के बाद, जेल में

जिस बड़े बदलाव की बात की जा रही थी, उसी के दूसरे चरण में इतने बड़े स्तर पर जेल के अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला किया गया है। इससे पहले भी टिल्लू ताजपुरिया की हत्या के बाद तिहाड़ की अलग-अलग जेलों में तैनात 99 जेल अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला दूसरी जगह किया गया था। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से जेल के भीतर क्विक रिस्पांस टीम की भी तैनाती की गई थी। इसके अलावा सुरक्षा में कई बदलाव भी किए गए थे।

हिमाचल प्रदेश में आंधी-तूफान और लैंडस्लाइड से 2 लोगों की मौत

कई जगहों पर मूसलाधार बारिश का दौर जारी, पारा लुढ़का, गर्मी से मिली राहत

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में मूसलाधार बारिश, लैंडस्लाइड और आंधी-तूफान का दौर गुरुवार को भी जारी रहा, जिससे कई जगहों पर ब्लैकआउट रहा। वहीं आंधी-तूफान और लैंडस्लाइड से 2 लोगों की मौत हो गई। प्रदेश में पारा 10 डिग्री लुढ़क गया, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। ऊना में पेड़ गिरने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि कुल्लू में शेड पर पत्थर गिरने से एक शख्स की जान चली गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ऑरेंज अलर्ट के बीच बुधवार देर रात और गुरुवार तड़के आंधी चलने से ऊना के टाहलीवाल में एक बाइक पर पेड़ गिर गया, जिससे युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक चंडीगढ़ रेफर किया गया है।

कुल्लू के मणिकर्ण में पत्थर गिरने से एक शख्स की मौत हुई है। वहीं रोहतांग, बारलाचा सहित ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी भी हुई। कई इलाकों में ओले गिरने से सेब और दूसरे फलों को नुकसान पहुंचा है, वहीं, सिरमौर, हमीरपुर और

बिलासरपुर में घर की छतें उड़ गई हैं। गाड़ियों पर पेड़ और पोल गिरने से नुकसान हुआ है।

दारचा-शिंकुला मार्ग सभी प्रकार के वाहनों के लिए बंद - लाहौल स्पीति पुलिस के मुताबिक मनाली लेह राष्ट्रीय राजमार्ग में वाहनों को सुबह 8 बजे से 10.30 बजे तथा दो पहिया वाहन सुबह 8 से 10.30 के बीच दारचा से सरचू जाने की अनुमति है। दारचा-शिंकुला मार्ग सभी प्रकार के वाहनों के लिए बन्द है और पांगी किलाड़ राजमार्ग कुरचेहड में भुस्खलन हुआ है और पांगी की ओर बन्द है। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में आगामी 5 दिन में बारिश का अंदेशा जताया गया है। मौसम विभाग ने 26 से 30 मई तक येलो अलर्ट जारी किया है। यानी इस पूरे सप्ताह में हिमाचल प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहेगा। वहीं बारिश के चलते तापमान में भी काफी गिरावट देखी गई है। 2 दिन के मुकाबले पारा 8 डिग्री गिरा है। सिरमौर में गुरुवार को सबसे अधिक 32 डिग्री तापमान दर्ज हुआ है, जबकि इससे पहले, ऊना में पारा 42 डिग्री पार कर गया था।

नए संसद भवन का विरोध देशवासियों के स्वाभिमान का अपमान : धर्मेन्द्र प्रधान

भुवनेश्वर, हि.स.) नये संसद भवन के लोकार्पण कार्यक्रम का कांग्रेस व अन्य राजनीतिक पार्टियों के बहिष्कार करने की घोषणा करने पर केन्द्रीय शिक्षा व कौशल विकास मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इन पार्टियों पर जम कर निशाना साधा । उन्होंने कहा कि यह देश के 140 करोड़ देशवासियों के स्वाभिमान और जनादेश का अपमान है। गुरुवार को केन्द्रीय मंत्री प्रधान ने एक ट्विट कर कहा कि नए संसद भवन के लोकार्पण कार्यक्रम का बहिष्कार करना कांग्रेस और उनकी जैसी विचारधारा का समर्थन करने वाली अन्य पार्टियों की वैचारिक दरिद्रता और राजनीतिक दिवालिएपन का परिचय है। लोकतंत्र का मंदिर देशवासियों के स्वाभिमान, संकल्प, सामर्थ्य और आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का प्रतीक है। इसका बहिष्कार कर कांग्रेस 140 करोड़ देशवासियों के स्वाभिमान और जनादेश का अपमान कर रही है। मंत्री प्रधान ने सवाल किया कि, क्या कांग्रेस पर देश और मोदी विरोध इतना

हावी हो गया है कि ऐसे ऐतिहासिक अवसर पर भी खोखली राजनीति कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अतीत में कांग्रेस सरकारों की गयी ऐतिहासिक गलतियों को एक-एक कर के सुधार रहे हैं। क्या कांग्रेस की कुंठा इस बात से है। वर्ष 2014 और वर्ष 2019 में जनता ने परिवारवादी पंजे से देश की बागडोर छीन कर मोदी को सौंप दिया। क्या इसलिए कांग्रेस लगातार नए संसद भवन का विरोध और बहिष्कार कर रही है। उन्होंने कहा कि अमृत काल के महत्वपूर्ण कालखंड में जब भारत लोकतंत्र का एक गौरवशाली अध्याय लिखने जा रहा है, कांग्रेस व अन्य कई राजनीतिक पार्टियां नकारात्मक राजनीति के अवसर ढूंढ रही हैं। देश की जनता सब समझती है। कांग्रेस अपने इस अनुचित कदम पर गंभीरता से विचार करे। लोकतंत्र के ऐसे अपमान के लिए देश कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों को कभी माफ नहीं करेगा।

सिद्धारमैया ने की सोनिया गांधी से मुलाकात

नई दिल्ली, (हि.स.)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को दिल्ली पहुंचकर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। सूत्रों का कहना है कि कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार के मद्देनजर सिद्धारमैया पार्टी आलाकमान से चर्चा के लिए दिल्ली आए हैं। जब वे सोनिया गांधी से मिलने उनके आवास 10 जनपथ पहुंचे तो वहां राहुल गांधी भी मौजूद थे। सिद्धारमैया ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मुलाकात के पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की।

इस दौरान उनके साथ राज्य के मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान और विधायक बैराथी सुरेश भी थे। यह माना जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान कर्नाटक कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक कर जल्द ही कैबिनेट विस्तार कर सकती है।

खराब मौसम के चलते रोकी गई हेमकुंड साहिब यात्रा

देहरादून, (हि.स.)। पहाड़ों पर मौसम अभी भी पूरी तरह यात्रियों के लिए सही नहीं है। बारिश और बर्फबारी ने तीर्थ यात्रियों के लिए समस्याएं खड़ी कर दी हैं। बर्फबारी के कारण शुक्रवार को हेमकुंड साहिब यात्रा रोक दी गई है। मौसम विभाग ने 26 और 29 मई के लिए आंधी, ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि यह चेतावनी सभी जिला प्रशासन तक पहुंचा दी गई है। सिंह ने पहाड़ यात्रा करने वाले तीर्थ यात्रियों से सावधानी और सतर्कता बरतने का आग्रह किया है। हेमकुंड साहिब यात्रा को लेकर उत्तराखंड पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यात्रा मार्ग में भारी बर्फबारी के कारण हेमकुंड साहिब की यात्रा रोक दी गई है। मुख्यालय आपदा नियंत्रण विभाग के अनुसार अटलाकोटी से दो सौ यात्रियों को वापस घांघरिया भेज दिया गया है। इसी तरह 1430 यात्रियों को घांघरिया

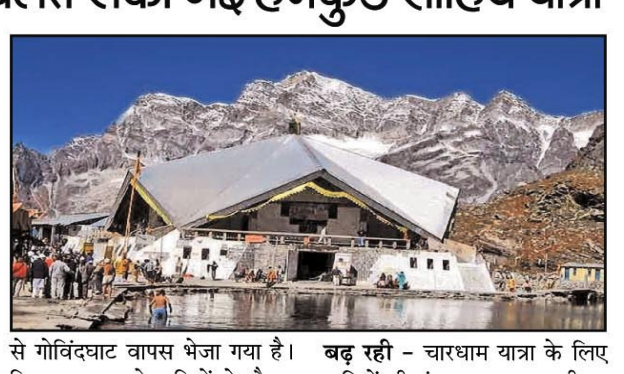

से गोविंदघाट वापस भेजा गया है। जिला प्रशासन ने यात्रियों से मौसम साफ होने तक सुरक्षित स्थानों पर रुकने की अपील की है। चमोली पुलिस ने मौसम खुलने के बाद यात्रा को लेकर फैसला करने की बात कही है। मौसम विभाग ने पांच दिनी पूवार्नुमान में 30 मई तक गरज चमक के साथ अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना जताई गई है जबकि मैदानी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है।

चारधाम यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही - चारधाम यात्रा के लिए यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। 25 मई तक चारधाम आने वाले यात्रियों की संख्या 15 लाख को पार कर गई थी। पुलिस महानिदेशक की ओर से दी जानकारी में कहा गया है कि गंगोत्री धाम में तीन लाख छह सौ नौ, यमुनोत्री में दो लाख 72 हजार 853, बद्रीनाथ में चार लाख 20 हजार 486, केदारनाथ में पांच लाख 16 हजार 54 तथा हेमकुंड साहिब में 60 सात हजार से अधिक यात्री पहुंच चुके हैं।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात के लिए मांगा समय

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पलटने के लिए केंद्र की ओर से लाए गए अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी इन दिनों कांग्रेस का समर्थन पाने के लिये एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए है। इसी कड़ी में शक्रवार को आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलने का समय मांगा है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने सबसे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से समर्थन मांगा था। उसके बाद केजरीवाल

अपने साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, सांसद संजय सिंह, राघव चड्ढा, मंत्री आतिशी के साथ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात करने कोलकाता गए थे। फिर उन्होंने महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर उद्धव ठाकरे और अगले दिन शरद पवार से मुलाकात कर समर्थन मांगा था। शरद पवार, ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे से मिलने के बाद अब मल्लिकार्जुन खड़गे राहुल गांधी से समय मांगा है।

नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हो सकेंगे तृणमूल के प्रतिनिधि, केंद्र ने नहीं दी अनुमति

कोलकाता, (हि.स.)। शनिवार को दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तो उपस्थित नहीं होंगी। इसके बाद पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधि के तौर पर भी किसी को उपस्थित होने की अनुमति केंद्र की ओर से नहीं मिली है। ममता बनर्जी ने 15 मई को राज्य सचिवालय नवान्न में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि वह नीति आयोग की बैठक में जाएंगी। इसके बाद राज्य सरकार की ओर से यह फैसला लिया गया था कि राज्य के मुख्य सचिव हरिकृष्ण द्विवेदी और राज्य की वित्त राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य राज्य के प्रतिनिधि के तौर पर इस बैठक में शामिल होंगे। इस बाबत केंद्र को पत्र लिखा गया था लेकिन इसके जवाब में स्पष्ट बता दिया गया है कि बैठक में मुख्यमंत्री को शामिल होना है तो अच्छी बात है

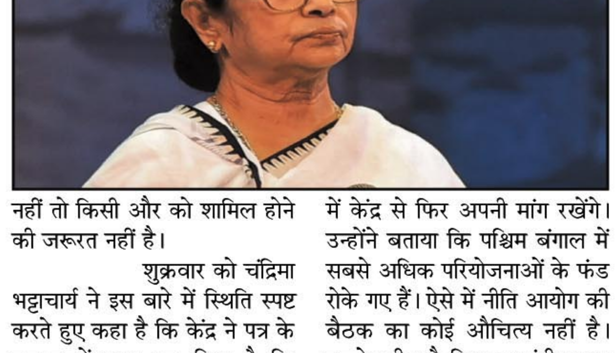

नहीं तो किसी और को शामिल होने की जरूरत नहीं है।

शुक्रवार को चंद्रिमा भट्टाचार्य ने इस बारे में स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि केंद्र ने पत्र के जवाब में स्पष्ट कर दिया है कि मुख्यमंत्री के अलावा किसी और को बैठक में शामिल होने की अनुमति नहीं है। बावजूद इसके हम किसी दूसरे जरिए से राज्य के बकाए के बारे में केंद्र से फिर अपनी मांग रखेंगे। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक परियोजनाओं के फंड रोके गए हैं। ऐसे में नीति आयोग की बैठक का कोई औचित्य नहीं है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि नीति आयोग की बैठक में वह सुबह से शामिल हो जाती हैं लेकिन सूर्यास्त से पहले उन्हें बोलने नहीं दिया जाता।

सिंधिया परिवार का मैनपुरी से ढाई सौ साल पुराना नाता : ज्योतिरादित्य सिंधिया

– सिंधिया परिवार के पूर्वजों ने मैनपुरी से रोहिला अफगानों को उखाड़ने का किया था काम

मैनपुरी, (हि.स.)। मैनपुरी की धरती पर आकर आज मैं बहुत भाव विभोर हूं। जहां एक तरफ भावुकता का वातावरण है वहीं आज का दिन गौरवशाली महसूस कर रहा हूं। यह बातें सिंधिया तिराहा पर स्व. माधवराव सिंधिया की मूर्ति का अनावरण के अवसर पर आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय नागर विमानन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कही। उन्होंने आगे कहा कि मैनपुरी में उपस्थित होकर मेरा दिल और मेरा मन इतिहास के पन्नों पर रेखांकित होता है। इस मैनपुरी से मेरा 10 या 20 साल का सम्बंध नहीं है। यहां से सिंधिया परिवार का ढाई सौ वर्ष पुराना सम्बंध रहा है। एक समय रहा है इतिहास के कालखंड में जब इस भारत माता की धरती पर विदेशी ताकतें पैर पसार रही थीं, उस जमाने में जब रोहिला अफगान इस क्षेत्र पर अत्याचार करने की मुहिम के साथ निकले थे। मेरे पूर्वज दत्ताजी महाराज सिंधिया ने इस पूरे क्षेत्र में भारत माता की एकता और अखण्ड बनाए रखने के लिए उन रोहिला अफगानों को उखाड़कर फेंकने का काम किया था। ये 1770 की बात कर रहा हूं। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि केवल इस मैनपुरी इलाके से ही नहीं एटा, इटावा, बदायूं, नजीमाबाद तक उन रोहिला अफगानों को उखाड़ने के लिए सिंधिया परिवार ने इस माटी से किया था। इसलिए इस माटी के साथ सम्बंध सिंधिया परिवार के दो महालोगों के साथ रहा है। एक माधव महादजी सिंधिया के रुप में और दूसरा मेरे पूज्य पिता माधवराज सिंधिया का है। उन्होंने कहा कि आज दिल की गहराईयों से मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस कार्यक्रम (माधवराज सिंधिया की प्रतिमा अनावरण) के लिए समय निकाला। केन्द्रीय मंत्री ने सपा के गढ़ कहे जाने वाले मैनपुरी में समाजवादी पार्टी पर बिना नाम लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और योगी के नेतृत्व में उप्र को विकास और प्रगति के रास्ते पर लाने का कार्य किया गया। आज उप्र भारत का वह चमकता हुआ सितारा है जो विश्व पटल पर पैठ और अपनी बुलंद आवाज स्थापित कर रहा है। उप्र में जो गुंडाराज और माफियाराज था उसकी समाप्ति योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुई है। मंच से ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने योगी, उनके परिवार और धार्मिक घर जो सिंधिया परिवार के साथ सम्बंध का भी उल्लेख किया। नाथ घराना और सिंधिया परिवार के सहयोग और सम्बंध के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी और राजनाथ सिंह से परिवार के सहयोग व योगदान का वर्णन किया। राजनीति सोच अलग हो सकती है, विचारधारा अलग हो सकती है, लेकिन आपसी सम्मान और सम्बंध और कोई दूसरा नहीं हो सकता है। उड्डयन मंत्री ने अपने पिता माधवराज सिंधिया को याद करते हुए उनके जीवन के चार लक्ष्यों के संस्मरण मंच से साझा किए। उन्होंने कहा कि पिता से मुझे एक सीख मिली है कि राजनीति कभी भी हमारा मकसद नहीं होना चाहिए, एक लक्ष्य की दूसरों की पूर्ति के लिए राजनीति करनी चाहिए। उनके लक्ष्यों में पहला था कि जो जिम्मेदारी मिले उसे दो सौ प्रतिशत के साथ निभाए, दूसरा बेदाग छवि रखें, तीसरा मनुष्य को हमेशा सम्बंध निभाने चाहिए बिना किसी का नुकसान किए और चौथा जिंदगी जियो तो लोगों के विकास, प्रगति और खुशी के लिए।

कानपुर में निवेश की ढेरों संभानाएं, एयर कनेक्टिविटी से विकास को लगेंगे पंख : योगी

– कोरोना काल में कानपुर के 78 हजार पटरी दुकानदारों को बनाया गया आत्मनिर्भर

कानपुर, (हि.स.)। औद्योगिक नगरी कानपुर में निवेश की ढेरों संभावनाएं हैं और हर क्षेत्र में निवेशक निवेश कर रहे हैं। यहां के निवेशकों से अपील है कि उत्तर प्रदेश में कहीं भी किसी प्रकार उद्यम खड़ा करके निवेश करें। निवेश से आपका रुपया भी सुरक्षित रहेगा और लाभ भी मिलेगा। अब वह दिन नहीं है कि कोई आपको परेशान करेगा और पूरे मन से निवेश कर लोगों को रोजगार उपलब्ध कराएं। अब तो कानपुर एयर कनेक्टिविटी से भी पूरी तरह से जुड़ गया है जिससे विकास को पंख लग सकेंगे। यह बातें शुक्रवार को कानपुर एयरपोर्ट के नये टर्मिनल का शुभारंभ करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानपुर में हवाई सेवा तो शुरू की गई थी लेकिन यहां की आबादी या लोगों की आवाजाही को लेकर कोई स्पष्ट योजना नहीं थी। इससे यहां के लोगों को एयर कनेक्टिविटी का लाभ नहीं मिल पाता था जो विकास में बाधा बन रहा था। आज कानपुरवासियों को चार सौ करोड़ की परियोजनाओं का लाभ मिलने जा रहा है और अब कानपुर पूरी तरह से एयर कनेक्टिविटी से जुड़ गया। इससे निवेश के जरिये उत्तर प्रदेश के विकास में गति देने वालों को बहुत अधिक लाभ मिलेगा। कानपुरवासियों को अब विकास को लेकर घबराने की जरुरत नहीं है आपने शहर में भी भाजपा की सरकार बना दी। प्रदेश और देश में भी भाजपा की सरकार है। इस ट्रिपल इंजन की सरकार में विकास भी तीन गुना की वृद्धि दर से होगी। निवेश को लेकर फरवरी 2023 में लखनऊ से शुरू हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का दायरा लगातार बढ़ रहा है। विदेशों से निवेशक उत्तर प्रदेश आ रहे हैं और हमारे मंत्रिमण्डल के सदस्य विदेशों का दौरा कर विकास को गति दे रहे हैं। आज ही जर्मनी में उत्तर प्रदेश के दो मंत्री रोड शो कर रहे हैं और आस्ट्रेलिया में भी मंत्री दौरे पर हैं। हालांकि आस्ट्रेलिया का एक प्रतिनिधिमण्डल भी लखनऊ में निवेश को लेकर मुलाकात की। मुख्यमंत्री अपने संबोधन में कानपुरवासियों को उनकी क्षमताओं को याद दिलाते हुए अपील किया कि औद्योगिक नगरी कानपुर में निवेश की ढेरों संभावनाएं हैं। यहां निवेशक भी हैं जो प्रदेश में कहीं भी और किसी भी क्षेत्र में निवेश करने के लिए स्वतंत्र है।

टीम वर्क से कोरोना से मिली निजात – मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना काल में हमने देखा है कि जिन विकसित देशों में संसाधनों की कोई कमी नहीं रही उनके यहां के लोग हताश और परेशान दिखे। वहीं भारत और उत्तर प्रदेश में लोगों को हर संभव मदद मिली, क्योंकि यहां पर टीम वर्क से इस महामारी से लड़ा गया। अगर कानपुर की बात करें तो यहां के 78 हजार पटरी व रेहड़ी दुकानदारों को ब्याज मुक्त लोन दिया गया जिससे वह आत्मनिर्भर बन सके।

यूपी में है कानून का राज – मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी नौकरियों में बिना भेदभाव के योग्यता के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन हो रहा है। पारदर्शी परीक्षाओं से मेधावी उत्तर प्रदेश के विकास में सहायक बन रहे हैं। पहले की सरकारों में निर्णय लेने की क्षमता नहीं थी और अब उत्तर प्रदेश में कानून का राज कायम है।

उत्तराखंड सरकार का रवैया लोगों को बसाने में कम उजाड़ने में ज्यादा है : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती लगातार पार्टी की गतिविधियों को लेकर समीक्षा बैठक करती हुई नजर आ रही हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को उन्होंने उत्तराखंड राज्य में पार्टी संगठन की मजबूती और जनाधार को बढ़ाने की गहन समीक्षा की। उन्होंने इस अवसर पर कहा है कि उत्तराखंड राज्य की वर्तमान सरकार लोगों को बसाने के लिए कम बल्कि उजाड़ने का जनविरोधी कार्य ज्यादा किया है। साथ ही, पर्यटन के विकास को लेकर व्यवसायिक दृष्टिकोण अधिक होने के कारण पहाड़ी राज्य के लोग आपदाओं आदि से दुखी एवं परेशान है। इन मामलों में उनकी बुनियादी जरूरतों की अनदेखी करने को अनुचित बताते हुए सरकार से विकास को जनहित के साथ बैलेंस करके चलने की मांग की गई, ताकि क्षेत्र का स्थानीय सौंदर्य व स्थायित्व दोनों बरकार रहे और लोग संतुष्ट हों। इसके अलावा बसपा प्रमुख ने उत्तराखंड से संबंधित सीनियर पदाधिकारी और पार्टी की अन्य जिम्मेदारी संभाल रहे लोगों के साथ बैठक में पार्टी गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट के अलावा वहां के राजनैतिक हालात का फीड बैक लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में बसपा को आगे बढ़ाने की भरपूर संभावनाएं विद्यमान हैं। उत्तर प्रदेश से अलग होने से पहले उस पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की जरूरतों के हिसाब से विकास का जो आधारभूत काम बसपा की सरकार में हुआ है। उसे कभी भुलाया जाना असंभव है।

डॉ. आनंद कुमार सिंह सीएसए के बनाए गए नए कुलपति

कानपुर (कान्हापुर), (हि.स.)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक बागवानी डॉ.आनंद कुमार सिंह चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति बनाए गये हैं। उप्र की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने उन्हें कुलपति नियुक्त किया। यह जानकारी शुक्रवार को सीएसए के मीडिया प्रभारी डॉ.खलील खान ने दी। उन्होंने बताया कि पूर्व कुलपति डीआर सिंह का कार्यकाल जनवरी में ही समाप्त हो गया। जिसके बाद आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद के कुलपति डॉ. विजेंद्र सिंह को सीएसए को कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया था। डॉ. आनंद कुमार सिंह की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष के लिए की गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि वह शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करेंगे।

हापुड़-पिलखुआ यार्ड में मरम्मत कार्य के चलते 28 मई को छह ट्रेनें रहेंगी निरस्त

– एक ट्रेन दिल्ली मंडल में रेग्युलेशन होगी, छह ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा और छह ट्रेनें रीशेड्यूलिंग होंगी

मुरादाबाद, (हि.स.)। उत्तर रेलवे मुरादाबाद रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि 28 मई को हापुड़ गाजियाबाद रेल खंड में हापुड़-पिलखुआ यार्ड में मरम्मत कार्य के चलते मुरादाबाद रेल मंडल से गुजरने वाली छह ट्रेनें निरस्त रहेंगी। जबकि एक ट्रेन दिल्ली मंडल में रेग्युलेशन होगी। वहीं छह ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा और छह ट्रेनें रीशेड्यूलिंग अनुसार चलेंगी। सीनियर डीसीएम सुधीर सिंह ने आगे बताया कि हापुड़ यार्ड पिलखुआ में मरम्मत कार्य के चलते 28 मई को रेलगाड़ी संख्या 12583, 12584, 15036, 15035, 25036, 25035 निरस्त रहेंगी। रेलगाड़ी संख्या 14322 27 मई को 90 मिनट दिल्ली मंडल में रेग्युलेशन होगी। सीनियर डीसीएम ने आगे बताया कि रेल गाड़ी संख्या 20506, 12392, 13258, 20505 28 मई को परिवर्तित मार्ग से संचालित होंगी। ट्रेन संख्या 12565 व 14003 27 मई को परिवर्तित मार्ग से चलेंगी। रीशेड्यूलिंग के तहत 28 मई को ट्रेन संख्या 12204 अमृतसर से 320 मिनट देरी से चलेगी, ट्रेन संख्या 15128 नई दिल्ली से 270 मिनट देरी से, ट्रेन संख्या 15116 दिल्ली से 140 मिनट देरी से, ट्रेन संख्या 12501 आनंद विहार टर्मिनल से 140 मिनट देरी से, ट्रेन संख्या 12506 आनंद विहार टर्मिनल से 120 मिनट देरी से चलेंगी। वहीं ट्रेन संख्या 15909 डिब्रूगढ़ से 240 मिनट देरी से चलेगी।

गिरिडीह में हार्ट अटैक से एएसआई की मौत

गिरिडीह, (हि. स.)। हार्ट अटैक आने के बाद इलाज के क्रम में शुक्रवार को एक एएसआई की मौत हो गयी। मृतक एएसआई वर्ष 2016-17 में गिरिडीह में पोस्टेड थे। वह जिले के गावां थाना इलाके के ही रहने वाले थे। मृतक एएसआई दरोगी सिंह फिलहाल देवघर में पोस्टेड थे और ट्रेंनिग कर रहे थे। शुक्रवार की सुबह ड्यूटी के दौरान ही अचानक दरोगी सिंह की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल देवघर लाया गया। चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया। इसी दौरान देवघर से रांची जाने के क्रम में गिरडीह बेंगाबाद टोल टैक्स के समीप उनकी तबीयत और बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें तुरंत गिरिडीह सदर अस्पताल लाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर थाना प्रभारी आरएन चौधरी समेत तमाम पुलिस पदाधिकारी और जवान सदर अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाया ओर कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया। घटना के बाद पुलिस पदाधिकारियों में शोक की लहर है।

राष्ट्रपति ने राजभवन के विजिटर बुक में लिखा, यहां जीवंत हो गई मधुर स्मृतियां

रांची, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि राजभवन रांची के सुंदर परिसर में आकर मुझे बहुत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। राष्ट्रपति दिल्ली रवाना होने से पहले राजभवन रांची के विजिटर बुक में लिखा की यहां पर प्रवेश करते ही इस भवन में बिताए छह वर्षों की मधुर स्मृतियां फिर से जीवंत हो गईं। राष्ट्रपति ने लिखा कि मैं झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और यहां के लोगों को मेरे स्नेहपूर्ण आतिथ्य के लिए हृदय से धन्यवाद देती हूं।

यहां की टीम के सभी सदस्यों और कर्मचारियों को सराहना करती हूं। इनसे मिलकर मुझे ऐसा लगा मैं अपने घर वापस आयी हूं। उन सभी के उज्जवल भविष्य के लिए मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

लातेहार में नक्सलियों ने पुल निर्माण में लगे एक पोकलेन और चार ट्रैक्टरों को जलाया

लातेहार (झारखंड), (हि. स.)। लातेहार जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सरनाडीह गांव के पास पुल निर्माण कार्य के साइडिंग पर गुरुवार रात नक्सलियों ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान नक्सलियों ने पुल निर्माण कार्य में लगे एक पोकलेन तथा चार ट्रैक्टरों को जला दिया। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस बल घटनास्थल स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार रात लगभग 10:30 बजे लगभग 15 की संख्या में हथियारबंद नक्सली पुल निर्माण स्थल पर पहुंचे थे।

इस दौरान नक्सलियों ने वहां उपस्थित मजदूरों को एक तरफ बुला लिया । नक्सलियों ने निर्माण स्थल के पास खड़े मुंशी की हल्की पिटाई भी की। इसके बाद नक्सली निर्माण स्थल पर खड़े एक पोकलेन तथा चार ट्रैक्टरों को जला दिया। नक्सलियों ने इस दौरान मजदूरों को धमकी दिया कि निर्माण कार्य बंद रहेगा। यदि काम आरंभ किया गया तो इसका परिणाम भुगतना होगा। इसके बाद नक्सली घटना को अंजाम देने के बाद वहां से जंगल की ओर चले गए। निर्माण कार्य स्थल पर घटना के समय मौजूद मजदूर मोहम्मद इरफान ने बताया कि देर रात अत्याधुनिक हथियार से लैस नक्सली पुल निर्माण के पास पहुंचे और इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद शुक्रवार सुबह पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है।

सूत्रों की माने तो इस घटना को अंजाम माओवादी नक्सलियों ने दिया है। घटना लेवी को लेकर हुई है। इधर घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया है।

आत्म निर्भर हॉकी प्रशिक्षण केंद्र की तीन युवकों ने की शुरूआत

सिमडेगा/ रांची, (हि. स.)। हॉकी सिमडेगा की ओर से पंचायत स्तर पर चलाए जा रहे खेल प्रतियोगिताओं से प्रेरित होकर कुरकुरा के युवाओं ने अपने गांव में आत्म निर्भर हॉकी प्रशिक्षण केंद्र की शुरूआत की है। शुक्रवार को हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोनबेगी इस प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर प्रशिक्षको और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कभी इसी तरह करगागुडी में भी स्थानीय स्तर से हॉकी ट्रेनिंग की शुरूआत की गई थी, जहां से अब आधा दर्जन से अधिक खिलाड़ियों ने देश का प्रतिनिधित्व किया है और कोरोमिया में भी आप लोगों की तरह स्थानीय स्तर पर हॉकी कि शुरूआत की गई थी। आज झारखंड पुरुष टीम में ज्यादातर खिलाड़ी इसी गांव से रहते हैं, बस 365 दिन हॉकी का आप लोग अभ्यास करते रहें,आपका भविष्य उज्वल है, हॉकी सिमडेगा आपके साथ है। उन्होंने बताया कि सिमडेगा जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर बांसजोर प्रखंड और ठेठईटांगर प्रखंड सिमाना के सुदूरवर्ती इलाके में बसे कुरकुरा पहान टोली में स्थानीय युवकों ने अपने इलाके के हॉकी खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए आत्मनिर्भर हॉकी प्रशिक्षण केंद्र की शुरूआत की है। इसके तहत गांव में खाली पड़ी जमीन को खुद से समतल कर मैदान का रूप दिया गया है और वहां 105 बालक बालिका हॉकी खिलाड़ियों को प्रत्येक दिन सुबह शाम गांव के ही तीन युवक पौलूस कीड़ों, सुरेश बा और अनमोल टोपनो निशुल्क रूप से हॉकी का प्रशिक्षण दे रहे है।

बिहार राज्य अंडर-11 शतरंज प्रतियोगिता में किशनगंज के चार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

किशनगंज, (हि.स.)। बिहार के सीवान जिले के खुरमाबाद में शनिवार से आयोजित बिहार राज्य अंडर-11 शतरंज प्रतियोगिता शुरू हो रही है। लिटिल फेयरी पब्लिकल स्कूल में आयोजित इस प्रतियोगिता में 11 वर्ष से कम आयु के शतरंज खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होगा। इस राज्य-स्तरीय प्रतियोगिता में अपने प्रदेश के 38 जिलों से 100 से अधिक चयनित बाल खिलाड़ी गण आपस में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इनमें से सिर्फ 4 खिलाड़ियों को ही आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इन खिलाड़ियों में अपने जिले से भी 4 खिलाड़ी सम्मिलित हो चुके हैं। अपने जिले के इस चार सदस्यीय टीम को शुक्रवार को अपने गंतव्य की ओर रवाना करते हुए उपरोक्त जानकारी जिला शतरंज संघ के मानद महासचिव शंकर नारायण दत्ता एवं वरीय संयुक्त सचिव तथा इन खिलाड़ियों के कोच कमल कर्मकार ने दी। उन्होंने बताया कि अपने जिले की टीम में धान्वी कर्मकार, पलचीन जैन, दिव्यांशा रंजन एवं हिमांश जैन शामिल हैं। धान्वी कमल कर्मकार व श्रीमती दिव्या कर्मकार की पुत्री होने के साथ-साथ स्थानीय बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के वर्ग 3 की छात्रा हैं। जबकि पलचीन जैन विशाल जैन व श्रीमती संध्या जैन की पुत्री हैं तथा सेंट लुइस इंग्लिश मीडियम स्कूल के वर्ग 6 की छात्रा हैं। हिमांश जैन पलचीन के भाई हैं तथा माउंट लिट्रा जी स्कूल के वर्ग 3 के छात्र हैं। वहीं दिव्यांशा रंजन राकेश कुमार रंजन व दीपमाला कुमारी की पुत्री हैं तथा वे सेंट जेवियर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल के वर्ग 4 की छात्रा हैं। इन चारों खिलाड़ियों ने इस वर्ष जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। इस प्रतियोगिता में सफलता अर्जित करने हेतु जिला शतरंज संघ परिवार के धनंजय जायसवाल, मो० कलीमुद्दीन, कमल मित्तल, डॉ अशोक प्रसाद साह, सहित अन्य दर्जनों पदाधिकारियों ने इन खिलाड़ियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं प्रदान की हैं।

प्रशिक्षण के साथ चार प्रखंडों में खुशहाल बचपन अभियान का शुभारंभ

बेगूसराय, (हि.स.)। जिला प्रशासन, बाल विकास परियोजना, स्वास्थ्य विभाग, ग्राम पंचायत, स्वयं सहायता समूह, आध्यात्म गुरु के सामूहिक सहयोग से बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं देखभाल के अलावा सामाजिक वातावरण की गुणवत्ता में सुधार के लिए खुशहाल बचपन अभियान की शुरूआत आज की गई। खुशहाल बचपन अभियान का शुभारंभ सदर अस्पताल के सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण से किया गया। शुभारंभ स्वास्थ्य विभाग के डीआईओ डॉ. गोपाल मिश्रा, डीपीएम नईम हुसैन, आईसीडीएस के संबंधित सीडीपीओ, पोषण अभियान के जिला समन्वयक सागर कुमार, पिरामल फाउंडेशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक गोपाल कृष्ण चौधरी एवं कार्यक्रम लीड दीपक मिश्रा आदि ने संयुक्त रूप से किया। पिरामल के गोपाल कृष्ण ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य होते हैं। बच्चों के शुरूआती दौर के छह वर्षों को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना गया है। क्योंकि इन वर्षों में विकास की दर विकास के किसी भी अन्य चरणों की तुलना में अधिक तीव्र होती है। ऐसा देखा गया है कि अधिकतम छह वर्ष तक के बच्चों के मस्तिष्क का विकास कम से कम 90 प्रतिशत तक हो गया रहता है।

इन प्रारंभिक वर्षों में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, देखभाल की गुणवत्ता के साथ ही सामाजिक वातावरण की गुणवत्ता में आंगनबाड़ी सेवाएं काफी महत्वपूर्ण भूमिका में रहती है। पिरामल के दीपक मिश्रा ने कहा कि खुशहाल बचपन अभियान समेकित बाल विकास परियोजना एवं पिरामल फाउंडेशन की ओर से एक साझा और सार्थक पहल है। जो प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा के सिद्धांतों पर आधारित है। इसमें सुरक्षात्मक, सक्षम एवं स्वच्छ वातावरण में सुरक्षित देखभाल, स्वास्थ्य, पोषण, खेल और प्रारंभिक शिक्षा के तत्वों को गुणात्मक सुधार के लिए शामिल किया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चों के समग्र विकास के लिए एक मजबूत नींव तैयार करना है। बच्चों को पूरी क्षमता तक पहुंचने में सक्षम बनाने के लिए एक उत्तरदायी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

भाजपा के विधायक-एमएलसी ने मुख्यमंत्री के उद्घाटन शिलापट्ट के साथ किया प्रदर्शन

पटना, (हि.स.)। नवनिर्मित संसद भवन का उद्घाटन 28 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इसको लेकर बिहार में राजनीति शुरू हो गई है। भाजपा विधायक और एमएलसी ने शुक्रवार को नीतीश के उद्घाटन किए शिलापट्टों को दिखाकर बिहार विधानमंडल के परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। भाजपा नेता विधान मंडल में घूम-घूमकर उन जगहों के शिलापट्ट दिखा रहे हैं, जहां राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री का नाम है। भाजपा ने पूछा कि बिहार विधानसभा के एक्सटेंशन भवन का उद्घाटन नीतीश कुमार ने क्यों किया, राज्यपाल से क्यों नहीं करवाया। बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। नीतीश सरकार दोहरी नीति से चल रही है। हमने आज दिखाया है कि कई शिलापट्टों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम है, राज्यपाल का नहीं। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जब विधानमंडल में नवनिर्मित भवन का उद्घाटन हुआ था तो तत्कालीन राज्यपाल अनुसूचित जाति के रामनाथ कोविंद थे, जो बाद में देश के राष्ट्रपति बने। उन्हें नीतीश सरकार ने सम्मान नहीं दिया। विधानसभा के एक्सटेंशन भवन का खुद उद्घाटन किया, उनसे क्यों नहीं करवाया। उल्लेखनीय है कि देश में कांग्रेस समेत 20 विपक्षी पार्टियों ने नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार का ऐलान किया है। विपक्ष का कहना है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दरकिनार कर प्रधानमंत्री से इसका इनॉगरेशन कराने का निर्णय न केवल गंभीर अपमान है, बल्कि यह लोकतंत्र पर भी सीधा हमला है। भाजपा समेत 25 पार्टियां उद्घाटन समारोह में शामिल होंगी।

संपादकीय

बेटियों के मील-पत्थर

संघ लोक सेवा आयोग की अखिल भारतीय सेवाओं में देश की बेटियों ने परचम लहराए हैं। नए क्षितिज छुए हैं और नए आयाम खोले हैं। यह स्वप्न-सा लगता है कि जो बेटियां सामान्य पढ़ाई करते या नौकरी पर जाते दिखती थीं, अब कुछ अंतराल के बाद वे आईएएस अधिकारी होंगी। आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस आदि सेवाओं में भी जाएंगी। जिला मजिस्ट्रेट, एसडीएम या सरकार में प्रथम श्रेणी के समकक्ष पदों पर आसीन होंगी। देश की व्यवस्था संचालित करेंगी, समाज-देश की सेवा भी करेंगी और निजी सम्मान, प्रतिष्ठा, सामाजिक उत्थान भी हासिल करेंगी। इस बार अखिल भारतीय सेवाओं में करीब 34 फीसदी सफलता बेटियों ने अर्जित की है। एक-तिहाई से अधिक सफल चेहरों में वे शुमार हैं। अखिल भारतीय स्तर पर पहले चार सर्वश्रेष्ठ स्थान भी बेटियों ने ही प्राप्त किए हैं। शीर्ष 20 सफल युवाओं में 12 बेटियां ही हैं। कुल 933 सफल चेहरों में 320 महिला-चेहरे हैं। यह आंकड़ा साल-दर-साल बढ़ता ही जा रहा है। बेटियों ने न केवल नए मील-पत्थर स्थापित किए हैं, बल्कि लैंगिक प्रतिनिधित्व को भी विस्तार दिया है, लेकिन घर और कार्यस्थल पर समानता और लैंगिक फासले आज भी गंभीर चुनौती हैं। बेटियों की यह मेहनतकश और बौद्धिक सफलता तात्कालिक नहीं होनी चाहिए। गर्व और गौरव का एहसास भी क्षणिक नहीं होना चाहिए। बेटियों ने नए रास्ते बनाए हैं। नई मंजिलें तय की हैं। वे औरत सिर्फ घर की चारदीवारी के लिए नहीं हैं। हमने भारत सरकार में सचिव के सर्वोच्च स्तर पर महिला अधिकारियों को देखा है। वे विदेशों में भारत की राजदूत या उच्चायुक्त जैसे संवेदनशील, कूटनीतिक पदों पर भी कार्यरत रही हैं। परमाणु और अंतरिक्ष विभागों में वैज्ञानिक भी हैं, लेकिन सरकार के ही भीतर मध्य से शीर्ष स्तर तक लैंगिक फासले कम किए गए हों, ऐसे सकारात्मक प्रयास बहुत कम किए गए हैं। ये सफल बेटियां, जो आईएएस चुनी गई हैं, भी कई वर्जनाओं से संघर्ष कर यहां तक पहुंची हैं। यदि देश के समूचे कार्य-बल को देखें, तो कामकाजी उम्र की बेटियों और महिलाओं की भागीदारी घट रही है। विश्व बैंक के आंकड़े हैं कि भारत में 2005 में यह औसत भागीदारी करीब 32 फीसदी थी, जो 2021 में घटकर 25 फीसदी तक लुढक़ आई है। यह अनौपचारिक क्षेत्र के आंकड़े ज्यादा हैं, जिनकी गिनती कम होती है या वे नियमित नौकरी पर नहीं रखी जातीं। आईएएस अधिकारी के नाते सभी को तय वेतनमान मिलेगा, लेकिन कॉरपोरेट आज भी वरिष्ठ स्तर पर, लैंगिक विविधता और समान वेतनमान के लिए संघर्ष कर रहा है। पितृसत्तात्मक व्यवस्था और कार्य-संस्कृति में महिलाओं की उपस्थिति और भागीदारी, बिना किसी भेदभाव के, होनी चाहिए। यह सरकार ही तय कर सकती है। यदि नई आईएएस बेटियां लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण, साक्षरता और पुरुष वर्चस्व के माहौल के बावजूद महिलाओं की राष्ट्रीय कामकाजी भागीदारी के लिए कुछ भूमिका निभा पाईं, तो उनका चयन सार्थक होगा। आज हम 21वीं सदी में हैं, लिहाजा बेटी को लेकर संकीर्ण मानसिकता अब कारगर नहीं होगी। अखिल भारतीय स्तर की यह परीक्षा विश्व की शेष परीक्षाओं की तुलना में कठिन है। यदि उसे पास कर बेटियां सफल हो रही हैं, तो उन्हें घर तक समेट कर मत रखिए। उन्हें बाहर आने दीजिए।

अखिल भारतीय स्तर पर पहले चार सर्वश्रेष्ठ स्थान भी बेटियों ने ही प्राप्त किए हैं। शीर्ष 20 सफल युवाओं में 12 बेटियां ही हैं। कुल 933 सफल चेहरों में 320 महिला-चेहरे हैं। यह आंकड़ा साल-दर-साल बढ़ता ही जा रहा है। बेटियों ने न केवल नए मील-पत्थर स्थापित किए हैं, बल्कि लैंगिक प्रतिनिधित्व को भी विस्तार दिया है, लेकिन घर और कार्यस्थल पर समानता और लैंगिक फासले आज भी गंभीर चुनौती हैं। बेटियों की यह मेहनतकश और बौद्धिक सफलता तात्कालिक नहीं होनी चाहिए। गर्व और गौरव का एहसास भी क्षणिक नहीं होना चाहिए। बेटियों ने नए रास्ते बनाए हैं। नई मंजिलें तय की हैं। वे औरत सिर्फ घर की चारदीवारी के लिए नहीं हैं। हमने भारत सरकार में सचिव के सर्वोच्च स्तर पर महिला अधिकारियों को देखा है। वे विदेशों में भारत की राजदूत या उच्चायुक्त जैसे संवेदनशील, कूटनीतिक पदों पर भी कार्यरत रही हैं। परमाणु और अंतरिक्ष विभागों में वैज्ञानिक भी हैं, लेकिन सरकार के ही भीतर मध्य से शीर्ष स्तर तक लैंगिक फासले कम किए गए हों, ऐसे सकारात्मक प्रयास बहुत कम किए गए हैं। ये सफल बेटियां, जो आईएएस चुनी गई हैं, भी कई वर्जनाओं से संघर्ष कर यहां तक पहुंची हैं। यदि देश के समूचे कार्य-बल को देखें, तो कामकाजी उम्र की बेटियों और महिलाओं की भागीदारी घट रही है। विश्व बैंक के आंकड़े हैं कि भारत में 2005 में यह औसत भागीदारी करीब 32 फीसदी थी, जो 2021 में घटकर 25 फीसदी तक लुढक़ आई है।

अमृत कलश

क्षमा करें और भूल जाएं

जीवन में हमें कई बार चुनौतियों और निराशाओं का सामना करना पड़ता है। जीवन में हमारा किसी न किसी ऐसी घटना से साक्षात्कार होता है, जो हमें पसंद नहीं होती या जिसके कारण हमें दुख होता है। जैसे किसी व्यक्ति ने हमारा किसी तरह अनुचित किया हो, शब्दों से हमें भावनात्मक रूप से दुख पहुंचाया हो या शारीरिक कष्ट पहुंचाया हो। परिणाम यह होता है कि हम निराश, दुखी और क्रोधित हो जाते हैं। जब तक हम किसी को क्षमा नहीं करते, तब तक हमारे साथ क्या होता है? हम हमेशा उसी घटना के बारे में सोचते रहते हैं या किसी और से भी उन बातों को दोहराते रहते हैं। कुछ लोग जिनका स्वयं पर नियंत्रण नहीं होता, वे शारीरिक रूप से उस व्यक्ति को हानि पहुंचाते हैं या अपना क्रोध किसी और पर निकालते हैं। ऐसा होने पर हम अपने चारों ओर नकारात्मक वातावरण पैदा कर लेते हैं। अपने मन की शांति खो देते हैं। कुछ क्षणों में घटित हुई घटना के लिए हम अपने जीवन के तमाम घंटे इस बात में लगा देते हैं कि उसका बदला कैसे लें। यदि हम इसके बजाय क्षमा कर दें तो हम इस समय का शांतिपूर्वक सदुपयोग कर सकते हैं। हम अपना ध्यान उस ओर लगाएं, जो आध्यात्मिक रूप से मददगार हो। जैसे कि पिता-परमेश्वर को याद करना, ध्यान-अभ्यास करना, निष्काम सेवा करना और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करना। आध्यात्मिक मार्ग पर ध्यान-अभ्यास में सफलता अपने मन को स्थिर करके अंतर में ध्यान टिकाने पर निर्भर है। हमारे ध्यान-अभ्यास में जो सबसे बड़ी बाधा है, वह है ऐसा कुछ होना जो हम नहीं चाहते और जिसे हम भुला नहीं पाते। हम मात्र एक ऐसी वीडियो रिकार्डिंग की तरह बन जाते हैं जो बार-बार वही दृश्य दिखाता है।

बोध कथा

धैर्य रखें

अन्धकार जब गहराता चला जाये, तो इसकी सघनतम स्थिति के अतिसमीप ही प्रभातकाल की ब्रम्हवेला भी जुड़ी रहती हैं। श्रवण के माता पिता का श्राप राजा दशरथ को पुत्रप्राप्ति का आगाज था। गर्मी की अतिशय तपन बढ़ चलने पर वर्षा की सम्भावना का अनुमान लगाया जा सकता हैं और सार्थक भी होता है। चारों ओर झुलस गयी धरती हरियाली के कवच से भर जाती हैं, मानो एक अप्रत्याशित चमत्कार-सा हुआ हो। दीपक जब बुझने को होता हैं, तो उसकी लौ जोर-जोर से चमकती हैं, लपलपाने लगती हैं। मरण की वेला अतिनिकट होने पर भी रोगी में हलकी-सी चेतना अवश्य लौट आती हैं और वह असामान्य रुप से लम्बी-लम्बी साँसे लेने लगता हैं। सभी जानते हैं कि मृत्यु की वेला समीप आ गयी। मरण के पूर्व कुछ ही पहले चींटी के पर निकलने लगते हैं। इसी तरह जीवन में सुख और दुःख आते हैं। दुःख हमेशा सुख का आगाज देता है। इसलिए बुद्धिमान मनुष्य को दुःख से घबड़ाना नहीं चाहिए, बल्कि उनका मुकाबला करना चाहिए।

घाटी का हिस्सा दस प्रतिशत के लगभग है और शेष 90 फीसदी पहाड़ी क्षेत्र है

मणिपुर में फसाद पर विवाद

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

मणिपुर में कूकी समुदाय और मैतेयी समुदाय के बीच का फसाद समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा। दंगे के पीछे का कारण जानने के लिए जरूरी है कि मणिपुर में दोनों के बीच के संबंध जान लिए जाएं। मणिपुर का क्षेत्रफल 22327 वर्ग किलोमीटर है। इनमें से घाटी का हिस्सा दस प्रतिशत के लगभग है और शेष 90 फीसदी पहाड़ी क्षेत्र है। लेकिन राज्य की 60 प्रतिशत जनता घाटी में रहती है और शेष चालीस प्रतिशत जनता पहाड़ में रहती है। घाटी में रहने वाले लोग मैतेयी कहे जाते हैं और वे आस्था से वैष्णव सम्प्रदाय को मानने वाले हैं। पहाड़ में कूकी और नागा दो समुदायों के लोग रहते हैं। इन दोनों समुदायों के लोगों को भारत सरकार ने जनजाति का दर्जा दिया हुआ है। जनजाति के समुदायों के लोगों की संस्कृति और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए कानून है कि कोई भी मैतेयी पहाड़ में जमीन नहीं खरीद सकता। लेकिन कूकी व नागा समुदाय के लोग घाटी में जमीन खरीद सकते हैं। खाते-पीते परिवारों के कूकी और नागा इम्फाल में आकर बसते रहते हैं। वैसे भी पहाड़ का जीवन थोड़ा कठिन तो होता ही है। इसलिए यदि किसी के पास साधन हो जाएं तो वह नीचे मैदान की ओर भागता है। इसी के चलते कूकी व नागा मैदान में आकर मकान बना लेते हैं। मणिपुर में मैदान का अर्थ इम्फाल है। जहां तक मजहब का ताल्लुक है, जैसा कि पहले लिखा गया है कि मैतेयी वैष्णव सम्प्रदाय के लोग हैं और इम्फाल में गोविन्द जी महाराज का मंदिर उनकी आस्था का सबसे बड़ा केन्द्र है। वैसे हर मैतेयी की इच्छा होती है कि जीवन में एक बार वृन्दावन के दर्शन अवश्य कर लिए जाएं। जहां तक पहाड़ में रहने वाले कूकी और नागा समुदायों का मामला है, उनको ब्रिटिश काल में ही ईसाई मिशनरियों ने ईसाई मजहब में शामिल कर लिया था। अलबत्ता स्वतंत्रता काल में कूकी समुदाय ने अंग्रेजों से सख्त टक्कर ली थी। यह अलग बात है कि कांग्रेस काल में आजादी का इतिहास लिखने वालों ने इसका नोटिस नहीं लिया। केवल रिकार्ड के लिए बता दिया जाए कि प्रदेश में मैतेयी 53 फीसदी, नागा 24 फीसदी और कूकी 16 प्रतिशत हैं। पहाड़ में रहने वाले कूकी और नागा समुदाय के लोगों का आपस में भीषण संघर्ष होता रहता है। उस संघर्ष में अनेक निर्दोष अपनी जान गंवाते हैं। लेकिन उसका एक दूसरा नुकसान भी होता है। जैसा कि ऊपर बताया गया है घाटी चारों ओर से पहाड़ों से घिरी हुई है। कूकी-नागा

झगड़ों में वे घाटी की ओर आने वाली सडक़ों को रोक देते हैं जिसके कारण घाटी का दम घुटने लगता है। यहां घाटी का अर्थ मैतेयी से भी लिया जा सकता है। कूकी समुदाय में अनेक हथियारबन्द समूह सक्रिय रहते हैं जिनकी मांग रहती है कि उनके पहाड़ों को मणिपुर से हटा कर अलग प्रदेश बना दिया जाए। इनमें से कुछ समूह अलग प्रदेश की मांग करते हैं और कुछ अलग देश की मांग करते हैं। इसी प्रकार नागा समुदाय में भी ऐसे हथियारबन्द समूह सक्रिय हैं जिनका मानना है कि पहाड़ों का वह हिस्सा, जो नागा बहुल है, उसे मणिपुर से निकाल कर नागालैंड में शामिल किया जाए। इसकी मांग की पूर्ति के लिए भी हिंसक संघर्ष करते रहते हैं। स्वाभाविक है इन दोनों ही मांगों का विरोध मैतेयी करते हैं। पिछले कुछ समय से मैतेयी समुदाय ने एक दूसरी मांग जोर-शोर से उठाना शुरू कर दी है। वह मांग है कि मैतेयी को भी कूकी और नागा की तरह जनजाति समुदाय का दर्जा दिया जाए। इस मांग का विरोध कूकी और नागा दोनों ही करते हैं। इस पूरे विवरण में एक मुद्दा और जोडऩा जरूरी है। मणिपुर की सीमा म्यांमार यानी बर्मा से लगती है। म्यांमार का चिन प्रान्त या जिला मणिपुर के मोरेह इलाके से जुड़ता है। यह चिन जिला कूकी बहुल जिला है। यह भी कहा जा सकता है कि यह जिला ही कूकी समुदाय का है। दरअसल म्यांमार में जिस समुदाय को चिन कहा जाता है, भारत में उसी समुदाय को कूकी कहा जाता है। इसलिए कई बार इस समुदाय को चिन कूकी भी कहा जाता है। अब चाहे चिन कहिए या कूकी कहिए, लेकिन समस्या यह है कि बर्मा के ये चिन या कूकी भारत में आते रहते हैं। वे मणिपुर के चुडाचांदपुर जिला में आकर बसते हैं। राशन कार्ड और आधार कार्ड बन जाने के बाद मतदाता सूची में शामिल होने में भला कितनी देर लगती है? जंगल में पहले घर बनाते हैं, फिर चर्च का निर्माण होता है, कहने की जरूरत नहीं कि चर्च के लिए विदेशी मिशनरियां पैसा देती हैं। इस प्रकार मणिपुर के जंगलों में, जहां मणिपुर का मैतेयी पैर नहीं रख सकता, वहां म्यांमार का कूकी आकर घरबार बसा लेता है। शुद्ध बंगलादेशी मामला है। लेकिन यह सब समस्याएं तो मणिपुर की पुरानी हैं। यह ठीक है कि सरकारें बर्मा से नाजायज तौर पर आने वाले कूकी समुदाय को मणिपुर के पहाड़ों पर कब्जा करते देखती रही और सोई रही। चर्च चुपचाप जंगलों में चर्च व भवन बनाता रहा। लेकिन हाल ही में जो तूफान मणिपुर में उठा, उसका कारण क्या है? दरअसल मणिपुर उच्च न्यायालय ने मार्च 2023 में एक निर्णय दिया जिसमें मणिपुर सरकार को यह आदेश दिया गया कि वह केन्द्र सरकार को मैतेयी समुदाय को जनजाति का दर्जा देने की सिफारिश करे। इस सिफारिश का विरोध कूकी समुदाय ने किया। मणिपुर सरकार ने शायद पहली बार यह निर्णय किया था कि चुडाचांदपुर जिला के जंगलों में जो अवैध कब्जा बर्मा के कूकियों ने किया हुआ है, उसको मुक्त करवाया जाए। मुख्यमंत्री को चुडाचान्दपुर जिला में किसी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जाना था। कूकी समुदाय के लोगों ने पांडाल को आग के हवाले कर दिया। दूसरे दिन उसकी प्रतिक्रिया घाटी में हुई। मैतेयी लोगों ने इम्फाल में कूकी समुदाय के लोगों के घरों को आग के हवाले कर दिया। देखते-देखते स्थिति यह हो गई कि घाटी से कूकी समुदाय के लोग भगा दिए गए और पहाड़ में यदि कोई इक्का-दुक्का मैतेयी परिवार रहता था (कहीं-कहीं सरकारी कर्मचारी थे), तो यकीनन उस पर कहर टूटा। 70 से ज्यादा लोग मारे गए। हजारों लोग राहत शिविरों में पड़े हैं। कूकी समुदाय के लोग राजनीतिक मतभेद भुला कर अलग प्रशासन की मांग करने लगे। ईसाई मिशनरियां एक बार फिर सक्रिय हो गई हैं। दरअसल इतने लम्बे अरसे से ईसाई मिशनरियों ने पश्चिमी तथाकथित नृविज्ञानियों ने मणिपुर के विभिन्न समुदायों में भेदभाव पैदा किए हैं। भारतीय समाजशास्त्री इस बीच या तो सोए रहे या फिर पश्चिमी राजनीतिक नृविज्ञानियों का ही अनुसरण करते रहे। आज जरूरत है कि ईसाई मिशनरियों के इस षड्यन्त्र को परास्त किया जाए।

यह ठीक है कि सरकारें बर्मा से नाजायज तौर पर आने वाले कूकी समुदाय को मणिपुर के पहाड़ों पर कब्जा करते देखती रही और सोई रही। चर्च चुपचाप जंगलों में चर्च व भवन बनाता रहा। लेकिन हाल ही में जो तूफान मणिपुर में उठा, उसका कारण क्या है? दरअसल मणिपुर उच्च न्यायालय ने मार्च 2023 में एक निर्णय दिया जिसमें मणिपुर सरकार को यह आदेश दिया गया कि वह केन्द्र सरकार को मैतेयी समुदाय को जनजाति का दर्जा देने की सिफारिश करे। इस सिफारिश का विरोध कूकी समुदाय ने किया।

सिंथेटिक ट्रैकों को यूं बर्बाद मत करो

हिमाचल प्रदेश में बहुत संघर्ष से कई खेलों के लिए विश्वस्तरीय प्ले फील्ड उपलब्ध है, मगर प्रशासन की खेल के प्रति बेरुखी व अज्ञानता के कारण सब बरबाद होता जा रहा है। राज्य में तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं, मगर उन पर कहीं तो पार्क की तरह लोग सैर कर रहे हैं और कहीं पर जिला खेल अधिकारी व उपायुक्त ने फौज के हवाले कर कई दिनों के लिए भर्ती की स्वीकृति दे दी है। सोचो राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले हिमाचल के एथलीट पंद्रह दिन कहां ट्रेनिंग करेंगे। हिमाचल प्रदेश में खेल के साथ इस तरह की बदतमीजी आम बात हो गई है।

करोड़ों रुपयों से बने सिंथेटिक ट्रैकों को हिमाचल प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी बरबाद करने पर क्यों आमादा हैं? क्या हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व खेल मंत्री इस बात का संज्ञान लेंगे ताकि इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं को बचाया जा सके। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाये गये चंद मगर बेहतरीन मैदान चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, रामपुर, सोलन, चैल, नाहन आदि जगहों पर थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों-उत्सवों व राजनीतिक रैलियों से बचे समय में चलती रही हैं। इन पुराने व ऐतिहासिक मैदानों का हाल कुछ ठीक नहीं है।

कहीं अतिक्रमण व कहीं पर अव्यवस्था का बोलबाला साफ नजर आता है। वैसे तो हिमाचल प्रदेश की तरक्की में विभिन्न सरकारों का योगदान रहा है, मगर हिमाचल प्रदेश में पहली बार नई सदी के शुरुआती वर्षों में प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल ढांचे को खड़ा करने की शुरुआत की और आज हिमाचल प्रदेश में जो कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड एथलेटिक्स, क्रिकेट, हाकी, तैराकी व इंडोर खेलों के लिए उपलब्ध है। क्रिकेट में अनुराग ठाकुर के प्रयासों ने हिमाचल प्रदेश को क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर लाकर खड़ा कर दिया है जो काबिले तारीफ है। बिलासपुर के लुहणू का खेल परिसर पूर्व मंत्री ठाकुर रामलाल के प्रयत्नों से सामने आया है। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है। इसी से सब खेल निकले हैं और इसके प्रशिक्षण के बिना किसी खेल में दक्षता नहीं मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज हमीरपुर, बिलासपुर व धर्मशाला में तीन सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं। शिलारू के साई सैंटर में दो सौ मीटर का प्रैक्टिस ट्रैक बन कर तैयार है। सरस्वतीनगर में काम हो रहा है। किसी किसी राज्य के पास अभी तक एक भी ट्रैक नहीं है।

हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर व धर्मशाला सिंथेटिक ट्रैकों पर लोग टहलते नजर आते हैं। भर्ती के लिए बाहर कच्चे पर केवल ट्रायल के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। शेष ट्रेनिंग बाहर के अन्य मैदानों व सडक़ों पर हो सकती है। सिंथेटिक ट्रैक पार्क बन चुके हैं। वहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित कर देना चाहिए, केवल एथलीट के लिए ही प्रवेश रखना चाहिए। तभी इन प्ले फील्ड को लंबे समय तक खिलाडियों के लिए उपलब्ध करवाया जा सकता है। कल जब हिमाचल प्रदेश के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट होंगे और प्रशिक्षण के लिए उखड़ा हुआ ट्रैक होगा तो फिर पहाड़ की संतान को पिछडऩे का दंश झेलना पड़ेगा। इसलिए इस बरबादी को अभी से रोकना होगा, तभी हम अपनी आने वाली पीढियों से न्याय कर सकेंगे। इस कॉलम के माध्यम से इस विषय पर बार -बार लिखने के बाद भी हिमाचल सरकार इन विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रही है।

प्रदेश को भी हिमाचल में ट्रेनिंग कर पहाड़ की संतानें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कुछ लोगों के जुनून ने बिना सुविधाओं के मिट्टी पर ट्रेनिंग कर राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दी थी, तभी यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा आने वालों को मिल पाई है। हिमाचल प्रदेश में इस समय हर जिला स्तर सहित कई जगह उपमंडल स्तर पर भी इंडोर स्टेडियम बन कर तैयार हैं, मगर उन स्टेडियमों में बनी प्ले फील्ड का उपयोग प्रशिक्षण के लिए खिलाडियों को ठीक से करना नहीं मिल रहा है। वहां पर अधिकतर शहर के लाला व अधिकारी अपनी फिटनेस करते हैं। ऊना व मंडी में तरणताल बने हैं, मगर वहां पर भी कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आज तक शुरू नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में तैराक ही नहीं हैं।

यहां पर भी प्रशिक्षण न होकर गर्मियों में मस्ती जरूर हो जाती है। ऊना में हाकी के लिए एस्ट्रोटर्फ बिछी हुई है, मगर उसकी तो पहले ही दुर्गति हो गई है। हिमाचल प्रदेश सरकार का युवा सेवाएं एवं खेल विभाग अभी तक करोड़ों रुपए से बने इस खेल ढांचे के रखरखाव में नाकामयाब रहा है। उसके पास न तो चौकीदार हैं और न ही मैदान कर्मचारी, पर्याप्त प्रशिक्षकों की बात तो बहुत दूर की बात है। नयी खेल नीति में लिखा है कि सरकार विभिन्न खेल संघों, पूर्व खिलाडियों व प्रशिक्षकों से इन सुविधाओं का उपयोग कराने के लिए खेल अकादमियों का गठन कराएगी।

अच्छे प्रशिक्षकों को खेल विभाग में कम से कम पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करेगा या अन्य विभागों में नौकरी लगे पूर्व खिलाडियों व प्रशिक्षकों को प्रतिनियुक्ति पर लाकर या उन्हीं के विभाग में उन्हें खेल प्रबंधन व प्रशिक्षण देने का अधिकार देकर हिमाचल प्रदेश की इस करोड़ों रुपए से बनी खेल सुविधाओं का सदुपयोग कर राज्य में खेलों को गति नहीं दे सकती है। अभी भी समय है सरकार को चाहिए कि इन खेल मैदानों का रखरखाव ठीक ढंग से करवाये ताकि देर तक हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी इन सुविधा का लंबे समय तक लाभ उठा सकें। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग के लिए सिंथेटिक ट्रैक जरूरी हैं, मगर भर्ती व सैर के लिए और बहुत जगह हैं। इस बात को हमारे जिलाधीशों को समझना होगा। प्रदेश में खेल संस्कृति पैदा करने की जरूरत है।

करोड़ों रुपयों से बने सिंथेटिक ट्रैकों को हिमाचल प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी बरबाद करने पर क्यों आमादा हैं? क्या हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व खेल मंत्री इस बात का संज्ञान लेंगे ताकि इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं को बचाया जा सके। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाये गये चंद मगर बेहतरीन मैदान चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, रामपुर, सोलन, चैल, नाहन आदि जगहों पर थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों-उत्सवों व राजनीतिक रैलियों से बचे समय में चलती रही हैं। इन पुराने व ऐतिहासिक मैदानों का हाल कुछ ठीक नहीं है। कहीं अतिक्रमण व कहीं पर अव्यवस्था का बोलबाला साफ नजर आता है।

देश दुनीया से

ट्रांसफर में दूरी और देरी

ट्रांसफर में दूरी और देरी का एक बना बनाया इतिहास हम हिमाचल में देख सकते हैं, फिर भी वर्तमान सरकार ने नियम बदलने की शुरुआत तो की। आइंदा ट्रांसफर अगर तीस किलोमीटर के दायरे में हुई तो अगले दिन की मोहलत में ज्वाइनिंग देनी होगी और दूरी इससे अधिक हुई भी तो दस के बजाय पांच दिन ही मिलेंगे। ट्रांसफर के कई ताने बाने अब तक बन चुके हैं, जिन्हें एक-एक करके हटाकर वर्तमान सरकार व्यवस्था परिवर्तन के संदेश को कार्य संस्कृति के हर आम और खास तक पहुंचाना चाहती है। इसी तरह के एक अन्य प्रारूप में जिला व राज्य कॉडर के बीच व्यावहारिक व प्रशासनिक अंतर को दूर करने की मंत्रणा भी चल रही है और अगर ऐसा होता है, तो ऐसे साहसिक फैसले के नतीजे पूरा परिदृश्य बदलेंगे। हिमाचल में सरकारी मशीनरी की कमोबेश हर सरकार ने अपनी तरह से आयलिंग करने की कोशिश की, लेकिन इससे केवल सियासी कॉडर ही मजबूत होता गया या कर्मचारी राजनीति ने अपने हित साधने शुरू कर दिए। ट्रांसफर अब ऐसी चिडिय़ा नहीं जो फुर्र से उड़ कर मुकाम बना ले, बल्कि वर्षों की ऐसी परिपाटी है जहां 'मैं को तू और तू को मैं' एडजस्ट करता है। इसी परिपाटी के नियंत्रण राज्य सचिवालय में नाचते हैं और सत्ता को जादू दिखाते हैं। भ्रम की स्थिति या आक्रोश की राजनीति ने इस मसले को अपनी ताकत बनाने के चक्र में, ट्रांसफर नीति की संभावना के आगे भी हथियार डाल दिए। ट्रांसफर का दौर हमेशा से कार्यसंस्कृति से टकराता रहा, लेकिन तमाम सत्ताएं इसे अपने गरूर या हेकड़ी से संबोधित करती रहीं। नतीजतन सरकारें बदलती रहीं, लेकिन कार्य संस्कृति की दीवारें लड़ती रहीं। ट्रांसफर अपने भीतर मोहजाल, पाखंड, जी हुजूरी, भाई भतीजावाद, क्षेत्रवाद और सियासी कॉडर को विकसित करते-करते आज जिस स्थिति में है, वहां दिशा परिवर्तन की जरूरत बढ़ जाती है। हम मानते हैं कि सुक्खू सरकार ने अभी दूरी मापी है और जिस दिन देरी भी माप लेगी, सरकारी कार्यसंस्कृति के नए अर्थ सामने आएंगे। पाठकों को याद होगा कि हमने ट्रांसफर के विमर्श में ऐसे नियमों की दुहाई दी है जहां कर्मचारियों की सुविधा, क्षमता व आर्थिक हितों का प्रसार हो। मसलन गृह स्टेशन से पचास किलोमीटर दूर सेवा करने के वित्तीय लाभ सौ किलोमीटर दूर नौकरी करने वाले से भिन्न होंगे और जो दस किलोमीटर के भीतर सेवा दे रहे हैं, उनके भत्तों में कटौती कर देनी चाहिए। स्थानांतरण के साथ आवासीय सुविधा अगर प्रशासनिक अधिकारी का हक है, तो समस्त कर्मचारियों को भी यह सुविधा हर सूरत मिले। ट्राइबल या भौगोलिक दृष्टि से दुरुह क्षेत्रों में कलस्टर के आधार पर कार्यालय, स्कूल व चिकित्सा संस्थान खोल कर इन्हें कर्मचारी अधिकारियों के लिए ट्रांसफर का तोहफा बनाया जाए। डे बोर्डिंग स्कूल की परिकल्पना को जोरदार ढंग की प्रस्तुति में उस वक्त और निखार आएगा जब तमाम अध्यापकों को परिसर में ही आवासीय सुविधा के तहत चौबीस घंटे रहना पड़े। ऐसे स्कूलों में भेजे जाने वाले अध्यापकों को ट्रांसफर के बजाय उन्हें उनकी कार्यक्षमता की वजह से चुना जाए। जिस तरह मुख्यमंत्री ने प्रमुख पदों पर पिछली सरकार के दौर से बैठे अधिकारियों को बदलने में संयम बरता है, उससे कार्य संस्कृति के प्रति जिम्मेदारी बढ़ती है। अगर तीस साल पहले की व्यवस्था को पलट कर देखें तो सरकारी क्षेत्र का दायरा बहुत बड़ा था यानी सारा सेवा क्षेत्र सार्वजनिक था, लेकिन उसकी गुणवत्ता, समर्पण, दायित्व बोध तथा अनुशासन अनुकरणीय रहा है। लोग आज भी उस दौर के डाक्टरों, अध्यापकों, कर्मचारियों, अधिकारियों व नौकरशाहों को याद करते हैं तो इसलिए कि तब सियासी दखल या दबाव न के बराबर था। आज भी उसी सुबह की जरूरत है और कहना न होगा कि जब सुक्खू सरकार उच्च पदस्थ अधिकारियों को पोस्टिंग के लिए राजनीतिक पहुंच न बनाने की हिदायत देती है, तो यह भी कार्यसंस्कृति के उन्ननयन की सीढ़ी ही मानी जाएगी। आज भले ही कई सेवाओं का राज्यीय कॉडर है, लेकिन चंद कस्बों तक की परिधि में अधिकांश कर्मचारी घूम रहे हैं या काफी समय से कुछ लोग एक ही शहर के विभिन्न सरकारी स्कूलों का भ्रमण कर रहे हैं।

हिमाचल में सरकारी मशीनरी की कमोबेश हर सरकार ने अपनी तरह से आयलिंग करने की कोशिश की, लेकिन इससे केवल सियासी कॉडर ही मजबूत होता गया या कर्मचारी राजनीति ने अपने हित साधने शुरू कर दिए। ट्रांसफर अब ऐसी चिडिय़ा नहीं जो फुर्र से उड़ कर मुकाम बना ले, बल्कि वर्षों की ऐसी परिपाटी है जहां 'मैं को तू और तू को मैं' एडजस्ट करता है। इसी परिपाटी के नियंत्रण राज्य सचिवालय में नाचते हैं और सत्ता को जादू दिखाते हैं। भ्रम की स्थिति या आक्रोश की राजनीति ने इस मसले को अपनी ताकत बनाने के चक्र में, ट्रांसफर नीति की संभावना के आगे भी हथियार डाल दिए।

नागरिक बोध

पुरस्कार का जुगाड़

आजकल पुरस्कार मूली-गाजर के भाव मिल रहे हैं। देने वाले फेरी लगाकर आवाज लगाते हैं-पुरस्कार ले लो पुरस्कार। हर चीज के खरीददार मिलेंगे। फिर पुरस्कारों को कौन छोड़ता है-जब वे बिना योगदान के मात्र मोलभाव के मोल मिलने लगें तो। पुरस्कार साहित्य का है तो और भी सुविधा है। अपना आदमी होना चाहिए। अपना खेमा और अपनी विचारधारा। फिर पुरस्कार चाहे पंद्रह पृष्ठ की बुलेटिन पर देना पड़े, दे दिया जाता है। पुरस्कार के लिए मौलिक साहित्य लेखन भी अब आवश्यक नहीं रह गया। पुस्तक ऐतिहासिक हो-साहित्य का पुरस्कार आराम से मिल जाएगा। आजकल तो एक और नया चलन चला है कि पुरस्कार पाठ्य पुस्तकों पर भी दिया जाने लगा है। इधर पुस्तक पाठ्यक्रम में छात्रों की दृष्टि से लिखी गई है। प्रश्न दिये गये हैं। हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखा हुआ है और पुरस्कार दिया जा रहा है। किसी विधा में किसी लेखक को ज्यादा मेहनत-मशक्कत अथवा जमने जमाने की जरूरत नहीं है। आप यदि संस्था प्रधान को जानते हैं तो वह पुरस्कार देने में जरा भी देर नहीं करेगा। लेकिन शर्त इतनी-सी है कि आप उनके चिलमगीरों में हो या नहीं, यह देखना आपके हाथ में है। पुरस्कार के लिए किताब मैंने भी भेजी थी, लेकिन मुझे नहीं मिला। मैंने कारणों का पता लगाया तो मालूम हुआ कि मैं अपने आपको लेखक समझता हूं। अब बताइये कि मैं लेखक हूं और अपने आपको लेखक समझता हूं तो इसमें गलत क्या है? फिर लेखक हूं, तभी तो पुरस्कार मांग रहा हूं। साहित्य का पुरस्कार लेखक ही तो पा सकता है। लेकिन उनका तर्क है कि जिनको उन्होंने पुरस्कार दिया है-सीधे सादे हैं तथा उनमें लेखकीय अस्मिता तनिक भी नहीं है। मैं सोचता ही रह गया कि हद होती है। एक विधा में काम किया, पहचान बनायी और जब पुरस्कार की बारी आयी तो साफ इंकार कर दिया गया है। जिनको पुरस्कार मिला था, वे फूल कर कुप्पा हो गये थे। मैंने कहा-'अमां यार, सुना है तुम अपने आपको लेखक ही नहीं समझते बताये।' वे महिमामंडित हो चुके थे, सो बोले-'अजी लेखक नहीं होते तो पुस्कार कैसे मिलता? आपको पता नहीं है क्या, मुझे अभी साहित्य का पुरस्कार मिला है?' 'अरे हां भाई, उसी संदर्भ में तो पूछ रहा था। संस्था प्रधान आपको लेखक नहीं मानते। एक हानिरहित जीव मानकर आपको इस पुरस्कार से नवाजा गया है और फिर आपने तो कमाल ही कर दिया भाई, पाठ्य पुस्तक पर ही पुरस्कार मार लिया, यह सब कैसे हुआ? कुछ तो बताओ।' मैंने कहा! वे बोले-'शर्मा साहब, हमारे कौन-सी पुरस्कार की खाज थी? वे ही बोले-यार, इस वर्ष पुरस्कार ले लो, तो बताओ मना करता क्या? मुंह में आया बताशा कौन छोड़ता है।' 'इसका मतलब आपने चिलम भी नहीं भरी उनकी। उधर यह भी अफवाह है कि आपने उनकी चमचागिरी की थी।' 'देखिये शर्मा जी, अब थोड़ा बहुत तो करना ही पड़ता है।

प्रधानमंत्री दहल की भारत यात्रा से नेपाल में गरमाई एक धूल चाटती रिपोर्ट पर बहस

काठमांडो। जिस समय नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल अपनी भारत यात्रा की तैयारियों में जुटे हुए हैं, एक पुरानी रिपोर्ट अचानक बहुचर्चित हो गई है। भारत और नेपाल ने 2016 में गणमान्य व्यक्तियों की एक समिति (इमिनेंट पर्संस ग्रुप-ईपीजी) का गठन किया था। उसे दोनों देशों के रिश्तों की पूरी समीक्षा कर आगे का रास्ता सुझाने का जिम्मा दिया गया था। समिति को 1950 में हुई भारत-नेपाल संधि की भी समीक्षा करने को कहा गया था। नेपाल में जनमत के एक बड़े हिस्से की राय रही है कि वह संधि असमान शर्तों पर हुई थी और उससे नेपाल को नुकसान हुआ है।

ईपीजी ने 2018 में अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली। लेकिन समिति आज तक अपनी रिपोर्ट सौंप नहीं पाई है। नेपाल में चल रही कुछ चर्चाओं में आरोप लगाया गया है कि रिपोर्ट को ग्रहण में भारत की अनिच्छा के कारण समिति की रिपोर्ट ठंडे बस्ते में चली गई। अब नेपाल में यह मांग उठी है कि प्रधानमंत्री दहल अगले हफ्ते होने वाली अपनी भारत यात्रा के दौरान इस समिति की रिपोर्ट से जुड़े मुद्दे को मजबूती से उठाएं। ईपीजी में नेपाल की तरफ से समन्वयक रहे भेख बहादुर थापा ने कहा है- 'हम हमेशा ही मांग करते रहे हैं कि ईपीजी की रिपोर्ट को स्वीकार किया जाए, लेकिन वे (भारतीय अधिकारी) इसकी उपेक्षा करते रहे हैं।' थापा के मुताबिक सहमति यह बनी थी कि दोनों देशों के प्रधानमंत्री एक साथ रिपोर्ट को ग्रहण करेंगे, लेकिन अब यह सहमति टूट चुकी है। एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत और नेपाल सबसे निकट पड़ोसी होने का दावा करते हैं, लेकिन उनके रिश्तों में उतार-चढ़ाव के दौर आते-जाते रहे हैं। इसीलिए ईपीजी के गठन का सुझाव आया। यह सुझाव सबसे पहले 2011 से 2013 तक नेपाल के प्रधानमंत्री रहे प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई ने दिया था। तब भारत में डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और उनहोंने यह सुझाव मान लिया था। लेकिन असल में ईपीजी का गठन 2016 में हुआ, जब भारत में नरेंद्र मोदी और नेपाल में केपी शर्मा ओली की सरकारें बन चुकी थीं। भारत की तरफ से इसमें भाजपा नेता भगत सिंह कोशियारी के नेतृत्व में कई विशेषज्ञ शामिल हुए। बीते हफ्ते नेपाल की संसद में दहल की प्रस्तावित भारत यात्रा पर बहस हुई। उस दौरान विपक्षी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के सांसद रघुजी पंत ने ईपीजी रिपोर्ट का मुद्दा उठाया। उन्होंने दहल से कहा कि वे अपनी नई दिल्ली यात्रा के दौरान भारत से इस रिपोर्ट को स्वीकार करने को कहें।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी में मची भगदड़, तीन और नेताओं ने छोड़ा साथ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ

(पीटीआई) से इस्तीफा देने वालों की कतार लगी हुई है। पीटीआई के तीन नेताओं ने पार्टी छोड़ने की घोषणा की। पाकिस्तान मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलीका बुखारी ने इस्लामाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने नौ मई को हुई घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि हर पाकिस्तानी के लिए यह घटना बहुत दर्दनाक हैं। पार्टी से अलग होने की घोषणा करते हुए बुखारी ने कहा कि वह किसी दबाव में नहीं थीं और किसी ने यह निर्णय लेने के लिए बाध्य नहीं किया। बुखारी ने अदियाला जेल से रिहा होने के कुछ ही घंटों बाद पार्टी छोड़ दी। उन्हें लोक व्यवस्था बनाए रखने की धारा 4 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। वहीं, चीमा ने एक अलग संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पीटीआई प्रमुख की गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा के कारण वह और उनकी पत्नी इमरान खान के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ नहीं रह सकते। पाकिस्तान के पूर्व वित्त मंत्री असद उमर ने पीटीआई के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। उमर ने अदियाला जेल से रिहा होने के तुरंत बाद यह घोषणा की। उमर ने इस्लामाबाद में नेशनल प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने फैसले की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में पार्टी का नेतृत्व करना संभव नहीं है। इससे पहले, पीटीआई के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने इस्तीफा दे दिया था। पाकिस्तान सरकार के आदेश पर नौ मई को खान को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पीटीआई कार्यकर्ताओं ने जिन्ना हाउस, मियांवाली एयरबेस, आईएसआई भवन सहित एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की थी। रावलपिंडी के सैन्य मुख्यालय पर भी भीड़ ने हमला किया था।

अफगानिस्तान के बघलान प्रांत की कोयला खदानों में विस्फोट, दम घुटने से चार श्रमिकों की मौत

काबुल (अफगानिस्तान)। अफगानिस्तान के बघलान प्रांत की कोयला खदानों में विस्फोट के बाद दम घुटने से चार खदान श्रमिकों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। मीडिया के अनुसार, बघलान में तालिबान खानों के प्रमुख अब्दुल्ला हामिद ने दो घटनाओं की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि 23 मई को अफगानिस्तान के बघलान प्रांत के ताले बरफक और जलगाह जिलों में दो अलग-अलग गैस विस्फोटों में चार कोयला खदान श्रमिकों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पहली घटना में नाजमीर और अब्दुलसिर नाम के दो भाइयों की ताले बरफक जिले के पेशते मार्क गांव में एक कोयला खदान में काम करने के दौरान गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। दूसरी घटना में, जलगाह जिले के शाहकुल चेनार्क क्षेत्र में काम करते समय शिर और दोस्त मोहम्मद नाम के पिता और पुत्र की मृत्यु हो गई। इससे पहले 17 मई को बघलान प्रांत के ताले बरफक जिले में एक कोयला खनिक की दम घुटने के कारण मृत्यु हो गई थी, जबकि छह अन्य लोगों को जहर दिया गया था। इस मामले के सामने आने के बाद देश की खान सुरक्षा नियमों को लेकर सवाल उठे थे।

पाकिस्तान में कानून का शासन गंभीर खतरे में, हिंसा और नेताओं की गिरफ्तारियां चिंता का विषय

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा कि पाकिस्तान में हिंसा और गिरफ्तारियों में वृद्धि गंभीर चिंता का विषय है। तुर्क ने जिनेवा में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मनमाने कानूनों के तहत की गई गिरफ्तारियां मनमानी हिरासत के बराबर हैं। सैन्य अदालतों में नागरिक मामले अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का उल्लंघन हैं और 9 मई की घटनाओं की तत्काल, पारदर्शी और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त ने कहा कि पाकिस्तान में कानून का शासन गंभीर खतरे में है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित और समृद्ध पाकिस्तान का एकमात्र रास्ता मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और कानून के शासन की सुरक्षा में निहित है। वोल्कर तुर्क ने कहा कि विशेष रूप से परेशान करने वाली रिपोर्टें हैं कि पाकिस्तान नागरिकों पर मुकदमा चलाने के लिए सैन्य अदालतों के उपयोग को फिर से शुरू करने का इरादा रखता है, जो उसके अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के दायित्वों का उल्लंघन करेगा। उन्होंने पाकिस्तान के अधिकारियों से 9 मई के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई मौतों और चोटिल हुए लोगों की त्वरित, निष्पक्ष, पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा, सुरक्षित और समृद्ध पाकिस्तान का एकमात्र मार्ग वह है जो समाज के सभी क्षेत्रों की सार्थक एवं मुक्त भागीदारी के साथ मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और कानून के शासन के लिए प्रशस्त हो।

ट्रम्प को चुनौती देंगे फ्लोरिडा के गवर्नर डी-सेंटिस

चीन से मुकाबले के लिए भारत को बताया था अहम, एलजीबीजीक्यू समुदाय के कट्टर विरोधी

वॉशिंगटन। अमेरिका में अगले साल राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इसके लिए डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी से अब तक कई लोग उम्मीदवारी की दौड़ में शामिल होने की घोषणा कर चुके हैं। अब इस कड़ी में एक और नाम जुड़ गया है। ट्रम्प के सबसे बड़े प्रतिद्वंदी और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डी-सेंटिस ने ट्विटर पर रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार की रेस में शामिल होने की घोषणा की। हालांकि, उनकी इस घोषणा के वक्त ट्विटर कई बार क्रैश हुआ।

रिपब्लिकन पार्टी के चुनाव में डी-सेंटिस के शामिल होने की चर्चा महीनों से हो रही है। 44 साल के डी-सेंटिस एलजीबीजीक्यू , गर्भपात, नस्लीय भेदभाव जैसे कई मुद्दों पर अपनी राय रखकर विवादों में रह चुके हैं। उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार बाइडेन के सबसे बड़े प्रतद्विंदियों में से एक माना जाता है। वो कई बार चीन का सामना करने के लिए भारत के साथ को जरूरी बता चुके हैं।

इंडियन-अमेरिकन लोगों के साथ दिवाली मनाते हैं डी-सेंटिस

फ्लोरिडा में डीसेंटिस इंडियन-अमेरिकन लोगों को खास तवज्जो देते रहे हैं। 2019 में उन्होंने गवर्नर हाउस में भारतीय लोगों के साथ दिवाली मनाने की परंपरा की भी शुरुआत की थी। ये कोरोना के दौर में भी जारी रही। इसके अलावा डी-सेंटिस फ्लोरिडा और भारत के बीच व्यापार को और बढ़ाने की बात भी कह चुके हैं।

कोरोना के बाद इंडियन-अमेरिकन समुदाय के लोगों को लुभाने के लिए उन्होंने घोषणा की थी कि वो इन लोगों को बिजनेस चलाने में आ रही दिक्कतों को खत्म करेंगे। इसके लिए नई पॉलिसी भी बनाई जाएंगी। इसके अलावा उन्होंने समुदाय के लोगों को सस्ते में हायर एजुकेशन मिले, इसके लिए भी कई कदम उठाए थे।

उम्मीदवारी की घोषणा के वक्त क्रैश हुआ ट्विटर

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर हाल ही में हुए एक पोल में ट्रम्प डी-सेंटिस की तुलना में ज्यादा पॉपुलर उम्मीदवार बनकर उभरे। ट्विटर पर एलन मस्क के साथ बातचीत और उम्मीदवारी की घोषणा के वक्त करीब 6.78 लाख लोग इससे जुड़े। हालांकि, साइट के लगातार क्रैश होने के चलते ये आंकड़ा 3 लाख पर आ गया था।

डोनाल्ड ट्रम्प डी-सेंटिस को डी-सेंक्टिमोनियस यानी दोगुला कहते हैं। उनकी उम्मीदवारी की घोषणा के वक्त ट्रम्प ने कहा था- डी-सेंटिस का ट्विटर लॉन्च बेकार हो गया। उनका पूरा कैंपेन भी इसी तरह बर्बाद हो जाएगा।

6 हफ्ते बाद गर्भपात पर लगाया बैन

डी-सेंटिस अपने कई फैसलों को लेकर चर्चा में रह चुके हैं। हाल ही में उन्होंने फ्लोरिडा में 6 हफ्तों के बाद गर्भपात कराने पर बैन लगा दिया था। इस बिल को लेकर पूरे अमेरिका में भारी विरोध हो चुका है। इसके अलावा डी-सेंटिस एलजीबीजीक्यू समुदाय को लेकर भी सख्त रवैया अपनाते रहे हैं। उन्होंने कई बार ऐसे लोगों की आइडेंटिटी पर सवाल उठाए हैं। डी-सेंटिस ने फ्लोरिडा में स्कूल के सिलेबस से सेक्शुअल या जेंडर की पहचान से जुड़े टॉपिक को हटाने का आदेश दिया था।

एलजीबीजीक्यू समुदाय के खिलाफ लाए 'डोन्ट से गे' कानून

साथ ही फ्लोरिडा में एक विधेयक भी पारित किया गया, जिसके तहत लोग जन्म के समय सौंपे गए जेंडर के अलावा दूसरे जेंडर के बाथरूम में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। डी-सेंटिस जेंडर बदलवाने संबंधी ट्रीटमेंट के खिलाफ भी बिल ला चुके हैं। डी-सेंटिस के विरोधी इन कानूनों को 'डोन्ट से गे' कहते हैं। डी-सेंटिस के इन फैसलों पर राष्ट्रपति ने उन्हें नफरत फैलाने वाला नेता कहा था। इससे पहले भी बाइडेन उन्हें ट्रम्प का दूसरा अवतार बता चुके हैं।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के पास 7 उम्मीदवार

अमेरिका में अगले साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इसके लिए डेमोक्रेटिक पार्टी से जो बाइडेन अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर चुके हैं। वहीं रिपब्लिकन पार्टी से डोनाल्ड ट्रम्प के अलावा ह एम्बेसडर रह चुकीं निक्की हेली, कैरोलिना के सीनेटर टिम स्कॉट, बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी, अर्कान्सास के पूर्व गवर्नर आसा हचिसन, लैरी एल्डर और अब फ्लोरिडा गवर्नर रॉन डी-सेंटिस पार्टी की उम्मीदवारी की रेस में शामिल होने की घोषणा कर चुके हैं। हालांकि, इनमें से ट्रम्प को ही पार्टी का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

क्वीन एलिजाबेथ को मारने की कई बार रची गई साजिश

40 साल बाद एफबीआई ने किया खुलासा, बेटी की मौत का बदला लेना चाहता था आरोपी

वॉशिंगटन। ब्रिटेन की पूर्व महारानी एलिजाबेथ को 1983 में मारने की धमकी दी गई थी। तब वो अपने पति प्रिंस फिलिप के साथ कैलिफोर्निया के दौरे पर आई थीं। जांच एजेंसी एफबीआई की फाइल्स में इस बात का खुलासा हुआ है। एफबीआईके मुताबिक, एलिजाबेथ के दौरे से करीब एक महीने पहले 4 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को के एक पुलिस ऑफिसर को ये धमकी मिली थी। बाद में ऑफिसर ने एफबीआईको इसकी सूचना दी। फाइल्स में धमकी देने वाले शख्स की गिरफ्तारी से जुड़ी कोई जानकारी नहीं है। उसने पुलिस ऑफिसर को कहा था कि वो अपनी बेटी की मौत का बदला लेना चाहता है। उसकी बेटी को रबर की गोली से नॉर्थ आयरलैंड में मार दिया गया। वो महारानी को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश करेगा। इसके लिए वो गोल्डन गेट ब्रिज से उनकी बोट पर कुछ फेंक देगा या जब वो योसेमिती नेशनल पार्क जाएंगी तब उनकी हत्या की कोशिश करेगा। एफबीआईने 102 पेज की ये रिपोर्ट अपनी वेबसाइट वॉल्ट पर पोस्ट की है। इसके मुताबिक, धमकी की खबर मिलने के बाद सीक्रेट सर्विस ने निर्देश दिए थे कि जब क्वीन की बोट गोल्डन गेट ब्रिज के नीचे से निकले तब वहां के रास्ते को बंद कर दिया जाए। हालांकि, इसके बाद सुरक्षा के और क्या इंतजाम किए गए इसकी जानकारी रिपोर्ट में नहीं है। क्वीन का दौरा अपने तय शेड्यूल के हिसाब से ही पूरा हुआ था। दरअसल, 30 सालों तक आयरलैंड में संघर्ष का दौर था। 1960 के दशक में ये संघर्ष अपने चरम था। उस वक्त आयरिश रिपब्लिकन आर्मी आजादी की मांग कर रही थी। एफबीआईकी रिपोर्ट में बताया गया है कि ब्रिटेन की राजशाही को आईआरए से खतरा था। वो 1989 में एलिजाबेथ के केनटकी दौरे के वक्त भी उन्हें मारने की साजिश रच रहे थे। आईआरए ने ही 1979 में स्लिगो काउंटी में बम विस्फोट कर एलिजाबेथ के कजन भाई लॉर्ड माउंटबैटन की हत्या की थी। इससे पहले 1976 में क्वीन न्यूयॉर्क सिटी के दौरे पर आई थीं।

ऐसे हालात में आईएमएफ तो नहीं देगा कर्ज, अब पाकिस्तान क्या करेगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के खिलाफ चल रहे दमन चक्र में सेना और शहबाज शरीफ सरकार को लगातार कामयाबी मिल रही है, लेकिन इससे देश में बढ़ रही अस्थिरता की भारी मार आर्थिक संभावनाओं पर पड़ रही है। अब यह लगभग साफ हो गया कि मौजूदा हालात में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) पाकिस्तान के लिए मंजूर हुए कर्ज की किस्तें जारी नहीं करेगा। इस बात का संकेत खुद वित्त मंत्री इशहाक डार ने दिया है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक इन हालात में पाकिस्तान के सामने चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों के सामने हाथ फैलाने के अलावा अब और कोई रास्ता नहीं बचा है। रावलपिंडी के व्यापारियों के एक दल से बातचीत में इशहाक डार ने संकेत दिया कि कर्ज की नई किस्तें जारी किए बिना आईएमएफ का सहायता प्रोग्राम अगले 30 जून को एक्सपायर कर जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम को 'पुनर्जीवित' करने के लिए अब बहुत कम समय बचा है। डार ने व्यापारियों को हो रही दिक्कतों के लिए उनसे माफी मांगी। डार ने कहा- 'हम आईएमएफ के प्रोग्राम को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब इसकी 30 जून को तय समयसीमा पार करने में बहुत कम समय बचा है। अर्थशास्त्रियों के मुताबिक पाकिस्तान में मौजूद राजनीतिक अस्थिरता के साथ-साथ अतीत में ऋण प्रोग्रामों पर अमल करने का खराब रिकॉर्ड पाकिस्तान को महंगा पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 1958 के बाद से पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ 22 प्रोग्रामों पर दस्तखत किए। उनमें से 2013-14 में तय हुए प्रोग्राम के अलावा बाकी सभी समझौतों की शर्तों पर पूरा अमल करने में वह नाकाम रहा। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बिना नया कर्ज मिले मौजूदा प्रोग्राम के एक्सपायर होने का मतलब पाकिस्तान के व्यापार घाटे में और बढ़ोतरी होना होगा।

रूस पर पाबंदियों का असर: मिसाइल बनाने में इस्तेमाल कर रहा फ्रिज-वॉशिंग मशीन्स के पार्ट्स, सेमीकंडक्टर्स का भी यूज हुआ

लंदन। यूक्रेन पर हमला करने के बाद रूस के खिलाफ लगी पाबंदियों का असर दिखने लगा है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस के पास अब मिसाइल तैयार करने के लिए जरूरी मटैरियल नहीं है। यही वजह है कि वो फ्रिज और वॉशिंग मशीन्स के पार्ट्स मिसाइलों में इस्तेमाल कर रहा है।

कुछ दिन पहले एक अमेरिकी सांसद ने भी कहा था कि रूस के पास मिसाइलों की कमी होती जा रही है और वो इससे निपटने के लिए डोमेस्टिक एप्लाइंस में इस्तेमाल होने वाले सेमीकंडक्टर्स का इस्तेमाल कर रहा है। एक लिहाज से रूक के खिलाफ यह दावे सही नजर आते हैं। इसकी वजह है कि यूक्रेन के पास अब अमेरिका में बना पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। इसक वजह से रूस की ज्यादातर मिसाइलें यूक्रेन की सीमा पर ही मार गिरा दी जाती हैं।

बढ़ती जा रही रूस की परेशानी - यूक्रेन पर हमले के बाद वेस्टर्न कंट्रीज ने रूस पर ट्रेड से जुड़ी सख्त पाबंदियां लगाई थीं। शुरुआत में तो नहीं, लेकिन अब इन पाबंदियों का असर नजर आने लगा है। ब्राइटन यूनिवर्सिटी में बिजनेस और लॉ के प्रोफेसर डॉक्टर लॉरेंस हेर ने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और रिसर्च के हवाले से दावा किया है कि रूस अब डोमेस्टिक अप्लायसेंज में इस्तेमाल होने वाले पार्ट्स का इस्तेमाल मिसाइलों में कर रहा है। डॉक्टर लॉरेंस ने कहा- मेरे पास जानकारी है कि रूस अब क्या कर रहा है। वो दूसरे देशों से गैरकानूनी कारोबार कर रहा है। मैंने इस तरह की कई रिपोर्ट्स देखी हैं। मिसाइलें तैयार करने के लिए कम्प्यूटर्स, वॉशिंग मशीन और फ्रिज के पार्ट्स इस्तेमाल किए जा रहे हैं। कुछ दिन पहले अमेरिकी कॉमर्स सेक्रेटरी गिना रेमांडो ने सीनेट में एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था- मुझे यूक्रेन सरकार की कुछ रिपोर्ट्स मिली हैं। ये रूस के मिलिट्री इक्युपमेंट्स से जुड़ी हैं।

लाखों भारतीय मूल के युवाओं को देश से निकाल सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिका में ढाई लाख डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स का भविष्य खतरे में है और उन पर अमेरिका से निकाले जाने का खतरा मंडरा रहा है। इन डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स में अधिकतर भारतीय मूल के बच्चे शामिल हैं। ये लोग अमेरिकी संसद से चिल्ड्रेन एक्ट को जल्द पास करने की मांग कर रहे हैं। बता दें कि अमेरिका की संसद में साल 2021 से ही चिल्ड्रेन एक्ट लंबित है, अगर यह कानून पास हो जाता है तो इन ढाई लाख युवाओं को मौजूदा नियम के तहत अमेरिका नहीं छोड़ना पड़ेगा और वह अमेरिका में ही रहकर नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे।

कौन हैं डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स

बड़ी संख्या में हर साल दुनियाभर से लोग अपने सपनों को पूरा करने के लिए अमेरिका का रुख करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोग गैर-प्रवासी वीजा या लॉन्ग टर्म वीजा पर अमेरिका में काम करते हैं। इन लोगों के बच्चों को अमेरिका में डॉक्टूमेंटिड ड्रीमर्स कहा जाता है। दरअसल ये बच्चे 21 साल की उम्र तक पूरे कानूनी अधिकार से अमेरिका में रह सकते हैं और शिक्षा हासिल कर सकते हैं। अगर इन बच्चों को या उनके माता-पिता को उनके 21 साल के होने से पहले अमेरिका की नागरिकता मिल जाती है तो ठीक नहीं तो इन बच्चों को अमेरिका छोड़ना पड़ता है।

यही वजह है कि ये युवा अमेरिका की सरकार से मांग कर रहे हैं कि वह जल्द से जल्द अमेरिका का चिल्ड्रेन एक्ट पास करे ताकि उन्हें राहत मिल सके। इंप्रूव द ड्रीम संगठन के संस्थापक और भारतीय मूल के दीप पटेल ने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिका के चिल्ड्रेन एक्ट को पास किया जाए और हमेशा के लिए इस समस्या का अंत किया दीप ने बताया कि इन ढाई लाख डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स में से 90 प्रतिशत (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमेटिक्स) की पढ़ाई कर रहे हैं।

युवाओं को अपना घर छूटने का डर

दीप पटेल के माता पिता करीब दो दशक पहले अमेरिका आए थे और लॉन्ग टर्म वीजा पर यहां काम कर रहे हैं। दीप को डर है कि उनके 21 साल का होने तक अगर चिल्ड्रेन एक्ट पास नहीं हुआ या उनके माता-पिता को अमेरिका की नागरिकता नहीं मिली तो उन्हें जबरन अमेरिका से निकाल दिया जाएगा। दीप की तरह ही मुहिल रविचंद्रन भी डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स हैं और उन्हें भी अपने भविष्य की चिंता है। मुहिल ने बताया उनके माता-पिता ने अमेरिका की नागरिकता के लिए आवेदन कर दिया है लेकिन ग्रीन कार्ड के लिए मौजूदा बैकलॉग को देखते हुए उन्हें डर है कि वह 21 साल की समय सीमा को पार कर जाएंगी। मुहिल ने कहा कि वो हर दिन इस डर के साथ जीती हैं कि उन्हें अपना परिवार दोस्त अपना घर छोड़ना पड़ सकता है।

दीप पटेल ने बताया कि चार साल पहले एक डेयरी किसान के बेटे को भी 21 साल का होने की वजह से अमेरिका से डिपोर्ट कर दिया गया था, जबकि उसने 19 साल इस देश में बिताए थे। इसी तरह दो साल पहले एक नर्सिंग स्नातक को भी इसी लिए अमेरिका छोड़ना पड़ा था। दीप ने बताया कि अगर इस साल भी चिल्ड्रेन एक्ट पास नहीं हुआ तो 10 हजार युवाओं को अमेरिका से निकाला जा सकता है।

क्या है अमेरिका का चिल्ड्रेन एक्ट

साल 2021 में अमेरिका की सांसद देबोरा रॉस, मेरिनेट मिलर, राजा कृष्णमूर्ति और यंग किम ने चिल्ड्रेन एक्ट अमेरिका की संसद में पेश किया था। इस एक्ट के तहत प्रावधान हैं कि जिन बच्चों के माता-पिता लॉन्ग टर्म वीजा पर अमेरिका में काम कर रहे हैं और वह बच्चे बीते 10 सालों से अमेरिका में कानूनी तौर पर रह रहे हैं। साथ ही वह किसी उच्च शिक्षण संस्थान से स्नातक हैं तो वह अमेरिका की नागरिकता पाने के अधिकारी होंगे।

साथ ही इस चिल्ड्रेन एक्ट में ये भी प्रावधान है कि जब ये डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स अमेरिका की नागरिकता के लिए आवेदन करें तो उनकी आयु की गणना उस तारीख से की जाए, जिससे उन्होंने आवेदन किया है ना कि उस तारीख से जब उन्हें नागरिकता मिली। इस तरह ये युवा 21 साल का होने से पहले नागरिकता के लिए आवेदन कर देंगे तो उन्हें 21 साल का होने पर डिपॉर्ट होने का खतरा नहीं होगा।

जो युवा 16 साल की उम्र पार कर चुके हैं और उन्होंने ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर दिया है तो उन्हें रोजगार ऑथराइजेशन मिलना चाहिए।

पंजाब : दसवीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित

फरीदकोट की छात्रा गगनदीप प्रदेश में अव्वल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शुक्रवार को दसवीं कक्षा के नतीजों का एलान कर दिया है। नतीजों के अनुसार पहले तीन स्थान लड़कियों ने हासिल किए हैं। इस बार कुल परीक्षा परिणाम 97.54 फीसदी रहा। फरीदकोट जिले के संत मोहन दास मेमोरियल सीनियर सेकंडरी स्कूल कोट सुखिया की छात्रा गगनदीप कौर पुत्री गुरसेवक सिंह ने 650 में से 650 अंक हासिल कर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। संत मोहन दास मेमोरियल सीनियर सेकंडरी स्कूल कोट सुखिया की छात्रा नवजोत पुत्री विजय कुमार ने 650 में से 648 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान और सरकारी हाई स्कूल मंडाली जिला मानसा की हरमनदीप कौर पुत्री सुखविन्दर सिंह ने 650 में से 646 अंक हासिल करके राज्य में तीसरा स्थान हासिल किया है। इस संबंध में प्रवक्ता ने बताया कि इस वर्ष लड़कियों का पास फीसद 98.46 प्रतिशत रही और लड़कों की पास फीसद 96.73 रहा है। शहरी क्षेत्रों में पास फीसद 96.77, ग्रामीण क्षेत्रों में 97.94 और सरकारी स्कूलों में 97.76 फीसद और गैर-सरकारी स्कूलों की पास प्रतिशत 97.00 फीसद रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार 2,90,796 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 2,81,905 विद्यार्थी पास हुए हैं। परीक्षा में 653 विद्यार्थी फेल हुए हैं और 6,171 विद्यार्थियों की कम्पार्टमैंट आई है। बोर्ड ने 103 विद्यार्थियों का नतीजा रोका गया है।

आम आदमी पार्टी का शक्ति-प्रदर्शन आज : जुटेंगे हजारों कार्यकर्ता

जयपुर (हिंस)। आम आदमी पार्टी ने राजस्थान में प्रदेश से लेकर ग्रामीण स्तर तक मजबूत ढांचा खड़ा कर लिया है। प्रदेश में मजबूत तीसरे विकल्प के रूप में आदमी पार्टी ने प्रदेश में गरीब साढ़े छह हजार जिम्मेदार कार्यकर्ताओं की मजबूत टीम तैयार कर ली है। पार्टी ने प्रदेश में तीन चरणों में 6 हजार 323 पदाधिकारियों का संगठनात्मक ढांचा खड़ा किया है। प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने बताया कि तीसरे चरण में नव नियुक्त पदाधिकारियों को शनिवार को राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक शपथ दिलाएंगे। पालीवाल ने बताया कि जयपुर के मानसरोवर स्थित वीटी रोड ग्राउंड पर भव्य शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें प्रदेश भर के 10 हजार से ज्यादा कार्यकर्ता जुटेंगे। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने बताया कि इस आयोजन के जरिए पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को पूरे तन मन और धन से जुटने का आह्वान किया जायेगा। प्रदेश में जिस तरह कांग्रेस- भाजपा की मिलीभगत की सरकारें रही उससे जनता निजात पाना चाह रही है। इसलिए तीसरे विकल्प के रूप में आम आदमी पार्टी का कुनबा बढ़ता जा रहा है। और आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचेगा और बीजेपी-कांग्रेस के इतने सालों के कारनामों को उजागर करेगा। पालीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी की ताकत बढ़ने से प्रदेश के मुखिया और मुख्य विपक्षी दल के नेताओं की चिंता बढ़ गई है। इसलिए दोनों दलों में भयंकर निराशा का माहौल है। पालीवाल ने कहा कि प्रदेश में भाजपा मुख्य विपक्षी दल है लेकिन कभी भाजपा नेताओं ने मुख्य विपक्षी दल होने की भूमिका पूरी जिम्मेदारी से नहीं निभाई। बल्कि भ्रष्टाचार के मामले में एक दूसरे की मदद करने में लग जाते हैं। जबसे प्रदेश में आम आदमी पार्टी ने सक्रियता दिखाते हुए भाजपा और कांग्रेस के चेहरे से एक-दूसरे का विरोधी होने का मुखोया उतारा है, तब से जनता की आम आदमी पार्टी से उम्मीदें बढ़ गई हैं।

पंजाब मुख्यमंत्री ने किया नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 27 मई को दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार किया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री मान ने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब की कई जनकल्याणकारी योजनाओं में बाधा डालती रही है। आरडीएफ मात्रा हो या फसलों की कीमतों में कमी, इनसे पंजाब को लगातार नुकसान हो रहा है। पंजाब से जुड़े मामलों को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है। भगवंत मान ने इस संबंध में नाराजगी जताते हुए लिखा कि केंद्र सरकार पंजाब के हितों का ख्याल नहीं कर रही है। किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मान के अतिरिक्त दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी नीति आयोग की इस बैठक का हिस्सा नहीं बनेंगे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया कि मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में नीति आयोग की इस बैठक में राज्य सरकार की ओर से कोई और शामिल होगा या नहीं।

विकास-कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा : भव्य बिश्नोई

हिसार (हिंस)। आदमपुर के विधायक भव्य बिश्नोई ने कहा है कि हल्के की जनता की समस्याओं का समाधान करवाना उनकी प्राथमिकता है। समस्याओं के समाधान के लिए वे निरंतर प्रयासरत है। वे शुक्रवार को आदमपुर के लोक निर्माण विश्राम गृह में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने अमृत सरोवर योजना के तहत आदमपुर गांव में एक करोड़ 80 लाख, सीसवाल में एक करोड़ 49 लाख तथा सदलपुर में 68 लाख रुपए की लागत से तालाबों के सौंदर्यकरण तथा आदमपुर चौक के निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। विधायक ने कहा कि आदमपुर जो पिछले लंबे समय से विकास के मामले में पिछड़ा हुआ था, अब मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आशीर्वाद से विकास के पथ पर आ गया है। पूरे आदमपुर हल्के में विकास कार्य जोरों से चल रहे हैं। भव्य बिश्नोई ने कहा कि हम सभी को मिलकर आदमपुर के विकास के लिए काम करना है। विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आदमपुर की जनता उनका अपना परिवार है और अपने परिवार के सदस्यों की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। वो हलका की प्रमुख समस्याओं के बारे में भी अपने स्तर पर जानकारी हासिल कर उनके समाधान को लेकर कार्य कर रहे हैं। हम सभी के प्रयासों से आदमपुर में बदलाव जल्द नजर आएगा।

खून-पसीने की कमाई वापस दिए जाने की मांग को ले फूटा निवेशकों का गुस्सा

भिवानी (हिंस)। पीएसीएल सहित अन्य चीट फंड निवेशकों की बैठक शुक्रवार को स्थानीय हुडा पार्क में आयोजित की गई। इसके उपरांत पीड़ित निवेशकों ने उपायुक्त कार्यालय तक प्रदर्शन करते हुए उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। धरने-प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामजस ने की। इस दौरान पीड़ित निवेशकों ने न्यायालय के आदेशानुसार उनकी जमा पूंजी वापस दिलवाए जाने सहित बर्ड्स एक्ट-2019 के तहत अन्य प्रदेशों की तर्ज पर भिवानी में भी कार्यालय खोले जाने की मांग की, ताकि पीड़ित निवेशक अपनी खून-पसीने की कमाई वापस लेने के लिए दस्तावेज जमा करवा सकें। उनके प्रदर्शन को आम आदमी पार्टी की नव नियुक्त प्रदेश संयुक्त सचिव इंदु शर्मा ने समर्थन देते हुए कहा कि सरकार को पीड़ित निवेशकों की मांग को जल्द से जल्द पूरा करना चाहिए।

राजस्थान में जननायक जनता पार्टी ने किया चुनाव लड़ने का एलान

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में काफी समय से सक्रियता के साथ काम कर रही जननायक जनता पार्टी ने प्रदेश में चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। पार्टी ने राजस्थान में कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्तियां करते हुए चुनावी शंखनाद किया। जयपुर में जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने पार्टी पदाधिकारियों की घोषणा की है। जेजेपी ने प्रदेश अध्यक्ष, युवा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रधान महासचिव, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्तियों की सूची जारी की। सुरेश चौधरी ओएसडी, डिप्टि सीएम दुस्यंत चौटाला एवं पार्टी के राष्ट्रीय सचिव संजय चौपड़ा भी उपस्थित थे। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने बताया कि जेजेपी ने राजस्थान के प्रतिष्ठित मील परिवार से संबंध रखने वाले गंगानगर के पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वी मील को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी हैं। वह सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के रहने वाले हैं। पार्टी ने फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक नंदकिशोर के बेटे प्रतीक मेहरिया को युवा प्रदेश अध्यक्ष बनाया हैं। कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र से संबंध रखने वाले जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके और कोटपूतली से विधानसभा का चुनाव लड चुके रामनिवास यादव जेजेपी प्रदेश प्रधान महासचिव की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके अलावा जेजेपी में लंबे समय से काम कर रहे जयपुर निवासी मोहम्मद फारुख शेख पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष होंगे। अजय चौटाला ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब राजस्थान में यह मेहनती, ऊर्जावान पदाधिकारी संगठन को और मजबूत करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि जेजेपी निरंतर राजस्थान में काम कर रही है। अजय चौटाला ने कहा कि पार्टी के साथ निरंतर नए साथी जुड़ रहे है और मजबूत साथियों को जिम्मेदारी देकर संगठन को और प्रभावी बनाया जाएगा। डॉ. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि राजस्थान उनकी और उनके दादा एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री चौ देवीलाल की कर्मभूमि है और प्रदेश के लोगों का सदैव स्नेह, प्यार और आशीर्वाद मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा उनकी पुरानी सहयोगी पार्टी है और राजस्थान में दोनों पार्टियां आपसी तालमेल के साथ चुनाव लड़ेगी। अभी चुनाव में समय है और बीजेपी-जेजेपी बातचीत करके इस विषय पर निर्णय लेगी। यह भी कहा कि राजस्थान की मौजूदा प्रदेश कांग्रेस सरकार से लोग परेशान है। राजस्थान की जनता का कांग्रेस से विश्वास उठ चुका है क्योंकि लगातार कांग्रेस की आपसी गुटबाजी का जनता को नुकसान पहुंच रहा है।

निर्माण-मजदूरों ने प्रदर्शन कर फूंका सीएम व डिप्टी सीएम का पुतला

हिसार (हिंस)। निर्माण मजदूरों की समस्याओं को हल करने व अन्य मांगों पर संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा के बैनर तले निर्माण मजदूरों ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष शुक्रवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शन उपरांत मजदूरों ने मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री का पुतला फूंक कर रोष जताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीटू से राकेश गंगवा, इंटक से जोरा सिंह, बलजीत पनिहारी, आईसीटीयू आजाद सिंह ने की जबकि संचालन सीटू के जिला सचिव मनोज सोनी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भवन निर्माण कामगार यूनियन के जिला सचिव मनोज सोनी, सीटू जिला प्रधान का. सुरेश कुमार, राकेश गंगवा, इंटक से लोहान व कृष्ण नैन ने बताया कि सरकार द्वारा प्लान करके जिस प्रकार जिस प्रकार श्रम विभाग की महिला कर्मचारी पर खुद को मंत्री के बहन बता कर रिश्वत मांगने का आरोप लगा है, वह सरकार व प्रशासन के लिए बहुत ही शर्मनाक बात है। अगर इसी प्रकार मजदूरों को रिश्वत के बदले सुविधाएं दी जाएगी तो सरकार जो रोजाना ढिंढोरा पीट रही है कि हम राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त करेंगे यह सिर्फ दिखावा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने भी आगामी चुनाव में राजनीतिक लाभ लेने के लिए व लोगों में वाहवाही लूटने के लिए एक प्लान के तहत कुछ मजदूरों की लिस्ट बनाकर पैसे डाले हैं और फिर अधिकारियों द्वारा अगले ही दिन मजदूरों से संपर्क किया जा रहा है कि आपसे शनिवार को हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर फोन पर बात करेंगे, आप यह कहना कि हमारे पैसे आ गए हैं। सच्चाई है कि जिन लोगों के पैसे डाले हैं उनके तीन-तीन वर्ष के छात्रवृत्ति के फार्म पेंडिंग है, जिनके पैसे डाले हैं उनमें से एक वर्ष के ही पैसे डाले हैं, एक बच्चे के या दो फर्मों के पैसे डाले हैं परंतु किसी भी वर्क के सभी के प्रकार के सभी बेनिफिट नहीं डालें गए और सिर्फ दिखावा किया गया है ताकि मजदूरों से बात करके उनके रिकॉर्डिंग करके वाहवाही लूटी जा सके।

जन-मानस को मूलभूत सेवाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता : मनोहर लाल

नारनौल (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जनमानस को बिजली, पानी, सड़क, चिकित्सा व स्वास्थ्य आदि मूलभूत सेवाएं उपलब्ध करवाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। सड़कों के नवनिर्माण के लिए प्रदेश की सभी विधानसभाओं में 25.25 करोड़ रुपए की राशि दी गई है। सड़कों के जीर्णोद्वार का कार्य और तेज गति से किया जाएगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को महेंद्रगढ़ के गांव बवानिया में जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से संवाद कर रहे थे। इस दौरान ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने लोगों से बातचीत करते हुए कहा कि सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, बीपीएल कार्ड, आयुष्मान योजना, वोटर कार्ड आदि लगभग सभी योजनाएं पीपीपी के साथ में जोड़ दी गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य कर रही है। अधिकतर सेवाएं ऑनलाईन होने से लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आयुष्मान और चिरायु हरियाणा योजना के बारे फीडबैक लिया तो उपस्थित लोगों ने कहा कि ये योजनाएं अंत्योदय परिवारों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही हैं। एक लाभार्थी राजबीर ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्होंने चिरायु योजना के माध्यम से अपना ईलाज करवाया है, यदि उनके पास चिरायु कार्ड नहीं होता तो यह आप्रेशन करवाना उसके लिए असंभव था। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। इस पर मुख्यमंत्री ने बताया कि गांव बवानिया के 55 लोगों ने अब तक चिरायु कार्ड के तहत विभिन्न बिमारियों का उपचार करवाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार मैरिट व पारदर्शिता के साथ सरकारी नौकरियां दे रही है। गांव बवानिया में 120 युवाओं को नौकरी मिल चुकी हैं। इसी प्रकार से परिवार पहचान पत्र के आधार पर 446 लोगों को पेंशन मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान मौजूद महिलाओं से भी संवाद किया और आह्वान किया कि वे स्वयं सहायता समूह बनाकर स्वरोजगार अपनाएं। उन्होंने कहा कि गांव खुडाना में करीब एक हजार 86 एकड़ में बनने वाले आईएमटी के आस-पास सिलाई केंद्र, मोटे अनाज के उत्पाद आचार व अन्य लघु उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। महिलाएं स्वयं सहायता समूह बनाकर इसका लाभ उठा सकती हैं।

हिरासत में मौत के मामले में थानाधिकारी सहित तीन निलंबित

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर जिले के गोगुन्दा थाने में गुरुवार रात हिरासत में युवक की मौत के मामले में थानाधिकारी सहित तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। शेष पूरे थाने को लाइन हाजिर कर दिया गया है। मृतक का पोस्टमार्टम न्यायिक अधिकारी की देखरेख में किया जा रहा है। साथ ही, मृतक के आश्रितों को 50 लाख रुपए मुआवजा व सरकारी नौकरी के लिए सरकार को पत्र लिखा गया है। उल्लेखनीय है कि गोगुन्दा कस्बे के पास एक गांव से युवती को भगाकर ले जाने के मामले में युवक सुरेंद्र राजपूत निवासी देवरों का खेड़ा को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। पूछताछ के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि युवक की मौत हार्टअटैक से हुई है। इसकी जानकारी परिजनों, स्थानीय समाजजनों को मिलते ही आक्रोश व्याप्त हो गया। रात से ही थाने पर भीड़ जमा थी। समाजजन और करणी सेना सहित विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर लिया था। करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी भी गोगुन्दा पहुंचे थे। समाजजनों का आरोप है कि मृतक के साथ हिरासत में मारपीट की गई जिससे उसकी मौत हो गई। समाजजनों व परिजनों ने विभिन्न मांगों के साथ यह भी मांग रखी कि संबंधित पुलिसकर्मियों पर हत्या की धारा में मामला दर्ज किया जाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा व जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा मौके पर मौजूद रहे।

राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल चार लोग गिरफ्तार, मामला दर्ज

बारामूला (हिंस)। बारामूला जिले के चार स्थानीय लोगों पर उनकी कथित राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के लिए कड़े जन सुरक्षा कानून (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन सभी को पीएसए के तहत जम्मू की कोट भलवाल जेल में रखा गया है। पीएसए एक साल तक बिना मुकदमे के हिरासत में रखने की अनुमति देता है। पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि बारामूला के पट्टन के विभिन्न इलाकों के रहने वाले चार लोगों पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन सभी को हिरासत में लेकर जम्मू की कोट-भलवाल जेल में रखा गया है। चारों की पहचान गोशबुग पट्टन के जावेद हुसैन यातू, चंदरहामा पट्टन के जन निसार खालिक गनाई, अंदर्गम पट्टन के आबिद परवेज हजाम और सुल्तानपोरा पट्टन के निसार अहमद वानी के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि इन लोगों के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं और ये देश विरोधी गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस ने कहा कि कई प्राथमिकी में शामिल होने के बावजूद उन्होंने अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को कम नहीं किया, जिसके बाद इन चारों पर पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया है।

योगासन से कई रोगों से छुटकारा पा सकती हैं महिलाएं : डॉ. सुराणा

उदयपुर (हिंस)। नियमित योग करने की प्रवृत्ति को मनुष्य अपने जीवन में अपनाकर अपनी मानसिक, भौतिक, आध्यात्मिक सेहत में सुधार ला सकते है। यह बात अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 के पूर्व प्रचार के अंतर्गत केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, उदयपुर द्वारा शुक्रवार को राजकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, प्रतापनगर, उदयपुर के परिसर में आयोजित योग पर जागरूकता एवं योगाभ्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपप्राचार्य अनिल खंडेलवाल ने कही। उन्होंने कहा कि योग अभ्यास शरीर एवं मन, विचार एवं कर्म, आत्मसंयम एवं पूर्णता की एकात्मकता तथा मानव प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं एवं छात्राओं कहा कि योग शरीर को स्वस्थ रखने उपयोगी है। प्रारंभ में केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विभाग की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए योग दिवस के महत्व एवं उसके इतिहास के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 के बारे में आमजन में जागरूकता फैलाने एवं उन्हें योग को जीवन का आधार बनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा उदयपुर में 24 मई से 21 जून तक विशेष प्रचार अभियान चलाया जा रहा है, इसी कड़ी में यह दूसरा कार्यक्रम का महिला आईटीआई में आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए सन कॉलेज उदयपुर की योग विशेषज्ञ सहायक प्रोफेसर डॉ. शुभा सुराणा ने कहा कि महिला मंडूकासन, भुजंगआसन, धनुरासन एवं पादहस्तासन करके कई रोगों को अपने शरीर से दूर कर सकती हैं। उन्होंने योग क्या है, योग के लाभ, योग के नियम तथा योग के प्रकार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने इस अवसर पर श्वसन तंत्र, प्रजनन तंत्र, तंत्रिका तंत्र, पाचन तंत्र, आसन और प्राणायाम, अनुलाम-विलोम और क्रियाओं में कपालभांति के लाभ के बारे में भी विस्तृत जानकरी दी।

लुवास में सेवानिवृत्तों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन

हिसार (हिंस)। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में पिछले माह सेवानिवृत हुए प्रो ?ेसर (डॉ.) जगतबीर फोगाट, (लैब टेक्नीशियन) धर्मबीर सिंह, चंदन सिंह, कमला प्रसाद व (सहायक) सूरजभान के सम्मान में शुक्रवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की विश्वविद्यालय के प्रति सेवा एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने सेवानिवृत टीचिंग एवं नॉन टीचिंग कर्मचारियों के स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की कामना की। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने उनको विश्वविद्यालय की तरफ से स्मृति चिन्ह दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के लेखा नियंत्रक सुरेंद्र कुमार ने सेवानिवृत हुए कर्मचारियों का स्वागत किया व उनकी उपलब्धियों के बारे में बताया। इस मौके पर उपस्थित विभागाध्यक्षों, लुवास्ता तथा लुवास्नितया की ओर से इन कर्मचारियों की कार्यशैली पर प्रकाश डाला तथा उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर टीचिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अमित पूनिया व लुवास के नॉन टीचिंग एसोसिएशन के प्रधान तरुण ने ने सेवानिवृत्त हुए टीचिंग व नॉन टीचिंग कर्मचारियों को समस्त लुवास कर्मचारियों की तरफ से सेवानिवृत्त की बधाई दी तथा उनके स्वस्थ व सुखी जीवन की कामना की।

ग्रासलैंड एंड वेटलैंड विकास के लिए 50 करोड़ की स्वीकृति

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में ग्रासलैंड एवं वेटलैंड विकास के विभिन्न कार्यों के लिए 50 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रावधान को स्वीकृति दी है। उक्त स्वीकृत राशि में से प्रदेश के 22 वन मंडलों में 7800 हेक्टेयर क्षेत्रफल में चारागाह विकास एवं पौधरोपण कार्यों के लिए 40 करोड़ रुपए, सांभर झील के विकास एवं प्रबंधन के लिए 9 करोड़ रुपए तथा कोटा (कनवास रेंज) के लिए 1 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह राशि पर्यावरण प्रबंधन कोष से उपलब्ध करवाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2023-24 के बजट में इस संबंध में घोषणा की गई थी।

जैसलमेर के सीमावर्ती घंटियाली मंदिर से *वंदे सरहद* कार्यक्रम का आगाज

जैसलमेर (हिंस)। भारतीय जनता युवा मोर्चा राजस्थान द्वारा गुरुवार देर सायं को प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में राष्ट्रगीत गायन और प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा देशवासियों को दिए अमृतकाल के पंच प्रण का संकल्प कार्यक्रम जैसलमेर के सीमावर्ती क्षेत्र घंटियाली में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने किया। राजस्थान से लगने वाली अंतर्राष्ट्रीय सीमा के समीप 75 स्थानों पर ये कार्यक्रम आयोजित करेंगे। देश के सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की प्राथमिकता है। सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासी प्रहरी के रूप में हमारी सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए पूर्व में भी मोर्चा कार्यकर्ताओं ने सीमावर्ती क्षेत्रों में *बॉर्डर विलेज कार्यक्रम* आयोजित किया था। जिसमें कार्यकर्ताओं ने सीमावर्ती क्षेत्रों में रात्रि प्रवास कर केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार किया था। राजस्थान में 1 हजार 70 कि.मी. की अंतर्राष्ट्रीय सीमा है, जो प्रदेश के 4 जिलों से लगी हुई है। प्रदेश की 10 विधानसभाएं अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित है। युवा मोर्चा इन 4 जिलों के कुल 75 स्थानों पर वंदे मातरम गायन और प्रधानमंत्री के पंच प्रण का संकल्प कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस कार्यक्रम को *वंदे सरहद* नाम दिया गया है। जैसलमेर के सीमावर्ती तनोट क्षेत्र के घंटियाली मंदिर गुरुवार देर सायं को इस कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि, मण्डल पदाधिकारी, व सैंकड़ों कार्यकर्ताओं भाग लिया।

केरल में पूर्व मुख्य सचिव की जमानत याचिका खारिज, ईडी की विशेष कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली ।
एक विशेष प्रवर्तन निदेशालय की अदालत ने लाइफ मिशन घोटाला मामले में केरल के मुख्यमंत्री कार्यालय के पूर्व प्रमुख सचिव एम शिवशंकर की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने उन्हें 14 फरवरी को गिरफ्तार किया था। इस साल अप्रैल में केरल उच्च न्यायालय ने भी जीवन मिशन घोटाला मामले में शिवशंकर की जमानत याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि शिवशंकर का केरल की सत्तारूढ़ पार्टी में बहुत प्रभाव है। वह विशेष रूप से मुख्यमंत्री के करीबी हैं। इसी मामले में शिवशंकर की जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित है।

हाईकोर्ट में दायर जमानत याचिका में शिवशंकर ने कहा कि गिरफ्तारी एक राजनीतिक स्टंट है। याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई सीधा आरोप नहीं है। पूरा मामला प्रवर्तन निदेशालय द्वारा याचिकाकर्ता को टारगेट करने का है, क्योंकि याचिकाकर्ता केरल के मुख्यमंत्री का करीबी है। बता दें कि ईडी ने केरल सीएमओ के पूर्व प्रमुख सचिव एम शिवशंकर को गिरफ्तार किया था। ईडी के मुताबिक, एम शिवशंकर ने 2019 के लाइफ मिशन घोटाले में कथित रूप से रिश्वत के रूप में कमीशन जुटाने में सक्रिय सहयोग दिया। लाइफ मिशन से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सीबीआई की प्राथमिकी और केरल सरकार के सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) की शिकायत से जुड़ा है, जो यूनिटेक बिल्डर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और साने वेंचर्स एलएलपी के खिलाफ है। मामला लाइफ मिशन परियोजना से कुछ व्यक्तियों द्वारा प्राप्त संदिग्ध आर्थिक लाभ और कुछ लोक सेवकों सहित विभिन्न व्यक्तियों द्वारा प्राप्त अवैध रिश्वत से जुड़ा है।

क्या है मामला – लाइफ मिशन योजना के माध्यम से त्रिशूर जिले के वडक्कनचेरी में 140 परिवारों के लिए घर बनाने करार किया गया था। इस योजना कि लिए 18.50 करोड़ रुपये में से 14.50 करोड़ रुपये रेड क्रीसेंट द्वारा संयुक्त अरब अमीरात वाणिज्य दूतावास के माध्यम से दिए गए हैं। अनुबंध में शेष राशि का उपयोग करके एक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र के निर्माण का उल्लेख किया गया है। यूनिटेक बिल्डर्स के प्रबंध निदेशक संतोष एपन ने बताया था कि स्वप्ना सुरेश सहित आरोपियों ने प्रोजेक्ट के लिए 4.48 करोड़ रुपये की रिश्वत ली थी।

न्यूज ब्रीफ

डिजिटल दौर में भी एटीएम से निकले 33 लाख करोड़, एक साल में टूटे नकदी निकासी के रिकॉर्ड

लखनऊ। डिजिटल लेनदेन के दौर में भी लोगों का नकदी से मोहभंग नहीं हुआहै ।एक साल में एटीएम से नकदी निकासी की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। बृहस्पतिवार को जारी कैश मैनेजमेंट कंपनी सीएमएस की कैश वाइब्रेंसी रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआहै। रिपोर्ट के मुताबिक, पूरे देश के एटीएम से एक अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 के बीच 33 लाख करोड़ रुपये एटीएम से निकाले गए। 2021-22 में यह आंकड़ा 32 लाख करोड़ था। सीएमएस इन्फो सिस्टम्स के अध्यक्ष (कैश मैनेजमेंट सर्विसेज) अनुश राघवन ने कहा, रिपोर्ट से साफ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में नकदी का महत्व बढ़ रहा है। कोविड के बाद अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने के बाद रिटेल कैश मैनेजमेंट का खर्च भी डेढ़ गुना बढ़ गया है। यह 2021-22 के 1.49 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 2.06 करोड़ रुपये पहुंच गया ।करीब 15 लाख करोड़ रुपये अकेले यूपी, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक के एटीएम से निकल गए। यह रकम 69.5 करोड़ बार में डेबिट कार्ड से निकाली गई। 2021-22 में अक्तूबर-दिसंबर और 2022-23 अक्तूबर, दिसंबर और मार्च के दौरान एटीएम में रिकॉर्ड बार नकदी डाली गई ।उत्तर प्रदेश में एक एटीएम को हर महीने औसतन 9.8 बार भरा गया। कोरोना में एटीएम से दूरी कोरोना काल में एटीएम का सबसे कम इस्तेमाल हुआ। मार्च, 2020 में सिर्फ 2.84 लाख करोड़ निकाले गए। अप्रैल, 2020 में रकम घटकर सिर्फ 1.28 लाख करोड़ रह गई। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022-23 में देश में एक एटीएम से औसतन 1.35 करोड़ रुपये निकाले गए। 2021-22 में यह आंकड़ा औसतन 1.23 करोड़ रुपये था। पिछले वित्त वर्ष के दौरान कर्नाटक के एक एटीएम से सालभर में औसतन 1.73 करोड़ रुपये निकाले गए।

भारतीय ई-कॉमर्स बाजार पर होगा सिर्फ तीन कंपनियों का कब्जा, अमेजन-वॉलमार्ट से आगे निकल सकती है रिलायंस

नई दिल्ली। भारतीय ई-कॉमर्स क्षेत्र बड़ी तेजी से तीन कंपनियों वाले बाजार की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में करीब 150 अरब डॉलर के भारत के ई-कॉमर्स बाजार पर सिर्फ तीन कंपनियों अमेजन, वॉलमार्ट और रिलायंस का कब्जा होगा। बर्नस्टीन रिसर्च ने एक रिपोर्ट में कहा, रिलायंस समूह अपने खुदरा स्टोर नेटवर्क, डिजिटल मीडिया व दूरसंचार सेवाओं के दम पर ई-कॉमर्स क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वियों अमेजन और वॉलमार्ट से आगे निकल सकता है। अधिकांश प्रौद्योगिकियों में वितरण चुनौतियों और एक पीढ़ी छोड़कर आगे बढ़ जाने की भारत की प्रवृत्ति को देखते हुए माना जा रहा है कि भारतीय ई-कॉमर्स बाजार अलग होगा। एक एकीकृत मॉडल (ऑफलाइन, ऑनलाइन, प्राइम), मजबूत वितरण क्षमता और ऑनलाइन कंपनियों के मुकाबले बेहतर लागत की शुरू से ही जरूरत है।

भारत की वृद्धि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक रहने की उम्मीद

नई दिल्ली । विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अध्यक्ष बोरगे ब्रेंडे का कहना है कि इस साल दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की वृद्धि दर सबसे अधिक रहने की उम्मीद है। भारत की अर्थव्यवस्था में प्रसिद्ध स्नोबॉल इफेक्ट देखने को मिल रहा है जिससे अधिक निवेश और अधिक नौकरियां पैदा होंगी। ब्रेंडे ने कहा, भारत में ऐसे सुधार हुए हैं जिनकी वजह से लालफीताशाही कम हुई है, निवेश के लिए बेहतर माहौल बना है और भारत में डिजिटल क्रांति भी वास्तव में हो रही है ।उन्होंने जोर देकर कहा कि वह भारत के विकास को को लेकर बहुत उत्साही और आशावादी हैं, लेकिन वैश्विक वृद्धि पर वह इतने आशावादी नहीं हैं। भारत जो वर्तमान में जी 20 की अध्यक्षता कर रहा है, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और डब्ल्यूईएफ का पिछले कई वर्षों से देश के साथ घनिष्ठ सहयोग रहा है।

गांधी परिवार की ओर से दाखिल टैक्स निर्धारण को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली ।
दिल्ली उच्च न्यायालय ने राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, आम आदमी पार्टी सहित कई अन्य की ओर से दायर टैक्स निर्धारण से संबंधित याचिकाओं को खारिज कर दिया है। इन याचिकाओं में आयकर अधिकारियों के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत कर निर्धारण को फेसलेस मूल्यांकन से केंद्रीय सर्कल में स्थानांतरित किया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की खंडपीठ ने याचिकाओं को खारिज कर दिया और कहा कि स्थानांतरण कानून के अनुसार था।

याचकर्ताओं में इन चेरिटेबल ट्रस्टों का नाम – हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि उसने गुण-दोष के आधार पर मामले की जांच नहीं की। जिन चैरिटेबल ट्रस्टों की याचिकाएं खारिज की गई हैं, उनमें संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, जवाहर भवन ट्रस्ट, राजीव गांधी फाउंडेशन, राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट और यंग इंडियन शामिल हैं। पीठ ने कहा, पक्षकार उचित वैधानिक प्राधिकरण के समक्ष अपनी दलीलें रखने के लिए स्वतंत्र हैं। अदालत ने यह भी कहा कि याचिकार्ताओं के टैक्स निर्धारण आकलन को समन्वित जांच के लिए सेंट्रल सर्कल में स्थानांतरित किया गया था और इसलिए आईटी अधिकारियों की ओर से पारित आदेशों को बरकरार रखा गया है।

कर निर्धारण वर्ष 2018-19 से संबंधित है मामला – अदालत ने कहा, पूर्वगामी टिप्पणियों के मद्देनजर, लंबित आवेदनों के साथ रिट याचिकाओं को बिना किसी आदेश के खारिज किया जाता है। गांधी परिवार और चैरिटेबल ट्रस्टों ने प्रधान आयकर आयुक्त की ओर से जारी उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें कर निर्धारण वर्ष 2018-19 के लिए उनके मामलों को सेंट्रल सर्किल में स्थानांतरित करने को कहा गया था।

गांधी परिवार ने अपना पक्ष रखते हुए ये कहा – गांधी परिवार ने अपनी याचिकाओं में प्रधान आयकर आयुक्त के फैसले को चुनौती देते हुए कहा कि हथियार डीलर संजय भदारी के मामले में तलाशी और जब्ती के आधार पर उनका कर आकलन स्थानांतरित किया गया था, लेकिन उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। यह उनका तर्क था कि केवल दुर्लभतम मामले फेसलेस मूल्यांकन से बाहर किए जाते हैं। अगर अगर किसी संस्था को फेसलेस मूल्यांकन से बाहर किया भी जाता है तब भी उन्हें संबंधित मूल्यांकन अधिकारी को चिह्नित किया जाता है, न कि केंद्रीय सर्कल को। वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने गांधी परिवार की ओर से दलील दी कि फेसलेस मूल्यांकन मानव संपर्क और अस्वास्थ्यकर अभ्यास की गुंजाइश से बचाता है। आप की ओर से अदालत में कहा गया- आयकर विभाग का फैसला मनमाना और तर्कहीन इस बीच, आप ने कहा कि आयकर विभाग का फैसला मनमाना और तर्कहीन है और यह आदेश वैधानिक प्रावधानों का पूरी तरह उल्लंघन करते हुए पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ कोई जांच लंबित नहीं है और इसलिए, उनके आकलन को स्थानांतरित करने का कोई कारण नहीं है। वहीं, आयकर विभाग ने कहा कि इन सभी मामलों में स्थानांतरण शहर के भीतर हुआ और जब स्थानांतरण एक शहर से दूसरे शहर में होता है, तभी आईटी अधिकारी को करदाता की बात सुननी होती है। उन्होंने आगे कहा कि भले ही फेसलेस आकलन अस्तित्व में आ गया है, लेकिन यह आयकर अधिनियम की धारा 127 के तहत उपलब्ध हस्तांतरण की शक्तियों को शिथिल नहीं करता है।

इन अधिवक्ताओं ने अदालत के सामने रखा अपना-अपना पक्ष – गांधी परिवार और पांच चैरिटेबल ट्रस्टों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार, अधिवक्ता कविता झा, वैभव कुलकर्णी और अनंत मान पेश हुए। आप का प्रतिनिधित्व अधिवक्ता अमर दवे, विवेक जैन और अभिनव जैन ने किया। आयकर विभाग की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) बलबीर सिंह और वरिष्ठ स्थायी वकील जोहेब हुसैन के साथ वकील विपुल अग्रवाल, संजीव मेनन, प्रसन्नजीत महापात्रा, श्याम गोपाल, विवेक गुरनानी और मोनिका बेंजिमिन पेश हुए।

वित्तीय वर्ष 2023 में भारत की वृद्धि दर 7 प्रतिशत पर पहुंच सकती है, एसबीआई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023 में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर को पार करने की राह पर है। भारतीय स्टेट बैंक की शुक्रवार को जारी शोध रिपोर्ट इकोरैप में कहा गया है कि वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही में भारत की वृद्धि दर 5.5 प्रतिशत रहने की संभावना है, जिससे वित्त वर्ष 23 के लिए देश की वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत हो जाएगी। यह जनवरी में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की जारी अग्रिम अनुमानों के अनुरूप है, जिसमें 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए विकास दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था ।इकोरैप के अनुसार, दुनिया भर में उभरने वाले विकास के विविध पैटर्न नीति निर्माताओं, नियामकों और अर्थशास्त्रियों के सामने न केवल चालू वर्ष 2023 के दौरान अनुमानित विकास की वास्तविक दरों का आकलन करने में अभूतपूर्व चुनौतियां ला रहे हैं। इन चुनौतियों के 2024 और 2025 में भी जारी रहने की आशंका है। इसका कारण महंगाई को नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय बैंकों की ओर से की जा रही कवायद का लंबा खिंचना है। इस वैश्विक उथल-पुथल के बीच एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत से उम्मीद की जा रही है कि जीडीपी के मामले में अपना प्रदर्शन जारी रखेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में घरेलू खपत और निवेश को कृषि व संबद्ध गतिविधियों की मजबूत संभावनाओं, व्यापार और कंज्यूमर कॉन्फिडेंस में मजबूती और मजबूत ऋण वृद्धि से लाभ होगा।

वॉट्सऐप में जल्द सेट कर सकेंगे यूनिक यूजर नेम

नंबर शेयर किए बिना चैट करने का ऑप्शन मिलेगा, अभी डेवलपमेंट फेज में ये फीचर

नई दिल्ली।
पॉपुलर मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप में जल्द यूजर नेम सेट करने का ऑप्शन मिलेगा, जिसके जरिए यूजर्स अपने अकाउंट के लिए यूनीक यूजर नेम सेट कर सकेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यूजर एक्पीरियंस और लोगों की प्राइवेसी को और बेहतर बनाने के लिए वॉट्सऐप नया फीचर लाने के लिए काम कर रहा है, जो बीटा वर्जन 2.23.11.15 के डेवलपमेंट फेज में है। यूजर्स को वॉट्सऐप का ये नया फीचर ऐप के सेटिंग के प्रोफाइल सेक्शन में मिलेगा। इसके बाद वॉट्सऐप अकाउंट की पहचान के लिए मोबाइल नंबर पर निर्भर रहने के बजाय एक यूनीक यूजर नेम ऑप्शन भी चूज कर सकेंगे।

नंबर शेयर किए बिना चैट कर सकेंगे यूजर्स – रिपोर्ट के अनुसार, ये फीचर रोल आउट होने के बाद सभी वॉट्सऐप यूजर्स एक दूसरे को नंबर शेयर किए बिना चैट कर सकेंगे। हालांकि, ये फीचर कैसे काम करेगा और एक बार यूजर नेम सेट करने के बाद यूजर्स कितनी बार उसे बदल सकेंगे इसके बारे में अभी तक कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है। माना जा रहा है कि जल्द ही ये फीचर बीटा टेस्टर्स को अपडेट के जरिए मिलेगा, जिसके बाद इस फीचर के बारे में कई जानकारी सामने आ सकती है।

हाल ही में वॉट्सऐप ने रोल आउट किए हैं मैसेज एडिट और चैट लॉकिंग फीचर – वॉट्सऐप ने हाल ही में मैसेज एडिट और चैट लॉकिंग फीचर रोल आउट किया है। मैसेज एडिट फीचर में यूजर्स भेजे गए मैसेज को 15 मिनट तक एडिट कर सकते हैं। इसके साथ ही चैट लॉक फीचर के जरिए यूजर्स किसी ग्रुप या इंडिविजुअल चैट को लॉक कर सकते हैं। ये फीचर इनेबल करने के बाद यूजर्स डिवाइस पिन या बायोमैट्रिक्स लॉक का यूज करके सिर्फ खुद ही अपनी चैट एक्सेस कर पाएंगे। वॉट्सएप पर मैसेज एडिट करने के लिए मैसेज पर लॉन्ग प्रेस करना पड़ेगा। मैन्यू में आए एडिट ऑप्शन पर क्लिक कर मैसेज में चेंज किया जा सकेगा।

इंसानों में ब्रेन चिप का टेस्ट करेंगे एलन मस्क, न्यूरालिंक को एफडीए से मिली मंजूरी

वॉशिंगटन ।
न्यूरालिंक ने कहा कि उसे लोगों में अपने में अपने मस्तिष्क प्रत्यारोपण का परीक्षण (ट्रायल) करने के लिए अमेरिकी नियामकों की मंजूरी मिल गई है। न्यूरालिंक दुनिया सबसे अमीर शख्सों में से एक एलन मस्क का स्टार्ट-अप है।

स्टार्ट-अप ने कहा कि अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) से पहले इन-ह्यूमन क्लिनिकल स्टडी के लिए मंजूरी मिला इसकी तकनीक के लिए एक पहला अहम कदम है, जिसका मकसद दिमाग को सीधे कंप्यूटर के साथ इंटरफेस करने देना है। इसने अपने ट्विटर हैंडल से एक पोस्ट में कहा, हम यह जानकारी साझा करते हुए उत्साहित हैं कि हमें अपने पहले इन-ह्यूम क्लिनिकल स्टडी को लॉन्च करने के लिए एफडीए की मंजूरी मिल गई है। वीडियो प्लेयर लोड हो रहा है। यह एफडीए के साथ निकट सहयोग में न्यूरालिंक टीम द्वारा अविश्वसनीय काम का परिणाम है। न्यूरालिंक के अनुसार, क्लिनिकल ट्रायल के लिए भर्ती अभी तक खुली नहीं है। मस्क ने दिसंबर में स्टार्ट-अप के एक प्रेजेंटेशन के दौरान कहा था कि न्यूरालिंक का उद्देश्य इंसान के दिमाग को कंप्यूटर के साथ सीधे संवाद करने में सक्षम बनाना है। तब उन्होंने कहा था, हम अपने पहले ह्यूमन इंप्लांट के लिए तैयार होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और हमे भरोसा है कि इंसान में डिवाइस लगाने से पहले यह अच्छी तरह से काम करेगा।

मस्क ट्विटर, स्पेसएक्स, टेस्ला और कई अन्य कंपनियों के मालिक भी हैं। वह अपनी कंपनियों के बारे में महत्वकांक्षी भविष्यवाणियां करने के लिए जाने जाते हैं। जुलाई 2019 में उन्होंने संकल्प लिया था कि न्यूरालिंक 2020 में ह्यूमल पर अपना पहला ट्रायल करने में सक्षम होगा। हालांकि, तब वह इसमें विफल रहे।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में टॉप-50 कंपनियों की आय 21प्रतिशत बढ़ी: अनुमान से 6 प्रतिशत ज्यादा ग्रोथ, आय-मुनाफा बढ़ने की रफ्तार में अडाणी एंटरप्राइजेज टॉप पर

नई दिल्ली।
देश की टॉप लिस्टेड कंपनियों की आय एक्सपर्ट्स के अनुमान से ज्यादा बढ़ी है। मार्च में खत्म हुए फाइनेंशियल ईयर के लिए अब तक निफ्टी 50 की 43 कंपनियों ने नतीजे आए हैं।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के मुताबिक, 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के बीच इनकी आय 21प्रतिशत बढ़ी, जबकि अनुमान 15प्रतिशत बढ़ोतरी का था। इस दौरान टॉप-40 कंपनियों की आय बढ़ी, जबकि सिर्फ 3 कंपनियों की आमदनी में कमी आई है।

टॉप 43 कंपनियों की कुल आय 57.6 लाख करोड़

बीते फाइनेंशियल ईयर में टॉप 43 कंपनियों की कुल आय 57.6 लाख करोड़ रही। इनका मुनाफा भी 5.6 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 2021-22 के मुकाबले 9प्रतिशत ज्यादा है। आय और मुनाफा बढ़ने की रफ्तार में अडाणी एंटरप्राइजेज अव्वल रही। हालांकि आय और मुनाफे की रकम के मामले में रिलायंस इंडस्ट्री टॉप कंपनी रही। एसबीआई,

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और ऑटोमोबाइल कंपनियों ने भी उम्दा प्रदर्शन किया।

बिक्री, उत्पादन बढ़ने से बढ़ी आय

एलकेपी सिक्युरिटीज के रिसर्च हेड एस रंगनाथन ने बताया कि कॉरपोरेट आय दाम बढ़ाने से नहीं, बल्कि बिक्री और उत्पादन बढ़ने से बढ़ी है। अभी करीब 75प्रतिशत क्षमता पर मैन्युफैक्चरिंग हो रही है। 4 माह पहले तक ये आंकड़ा 70प्रतिशत के आसपास था।

एसबीआई मुनाफे में सिर्फ रिलायंस से पीछे

निफ्टी 50 की कुल आय में टॉप-5 कंपनियों की हिस्सेदारी 42.5प्रतिशत रही

इनके मुनाफे में टॉप-5 कंपनियों का हिस्सा 38प्रतिशत से बढ़कर 43.7प्रतिशत हो गया

रिलायंस ने सबसे ज्यादा 66,702 करोड़ मुनाफा कमाया, 10प्रतिशत ग्रोथ हुई

55,648 करोड़ मुनाफे के साथ एसबीआई दूसरे नंबर पर, लेकिन ग्रोथ 57प्रतिशत रही

2000 नोट मामले में अब हाईकोर्ट में सुनवाई सोमवार को

याचिका में कहा था- आरबीआई के पास 2000 के नोट सर्कुलेशन से वापस लेने की पावर नहीं

नई दिल्ली।
दिल्ली हाईकोर्ट ने 2,000 रुपए के नोटों को चलन से वापस लेने के भारतीय रिजर्व बैंक के हालिया फैसले को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर अब सोमवार को सुनवाई होगी। आरबीआई के वकील ने आज अदालत को बताया कि इसी तरह की एक और याचिका पर सुनवाई हुई है, जिसमें कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसलिए वह सोमवार को इस मामले की लिस्टिंग चाहते हैं। कोर्ट ने इसे सुनने के बाद मामले को सोमवार के लिए लिस्ट कर दिया। ये जनहित याचिका एडवोकेट रजनीश भास्कर गुप्ता ने दायर की है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा है कि आरबीआई के पास ऐसा निर्णय लेने के लिए आरबीआई अधिनियम के तहत कोई इंडिपेंडेंट पावर नहीं है। वहीं आरबीआई की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट पराग त्रिपाठी ने कहा कि आरबीआई का हालिया फैसला नोटबंदी नहीं है और यह केवल करेंसी मैनेजमेंट की एक एक्सरसाइज है। उन्होंने सुझाव दिया कि मामले की सुनवाई आगे बढ़ा दी जाए। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जे सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच ने यह

भी कहा कि वे भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय की याचिका पर सोमवार को फैसला सुनाएंगे। रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक के बिना डॉक्यूमेंट के नोट बदलने के आदेश के खिलाफ भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने दिल्ली हाईकोर्ट में पीएलआई दायर की थी। उन्होंने बिना किसी पहचान प्रमाण पत्र के 2000 के नोट बदलने की अनुमति न देने की मांग की है। कोर्ट ने इस पर सुनवाई कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।
गुप्ता ने अपनी याचिका में क्या कहा था

आरबीआई के पास ऐसा निर्णय लेने के लिए आरबीआई अधिनियम के तहत कोई इंडिपेंडेंट पावर नहीं है। केवल 4-5 साल के सर्कुलेशन के बाद बैंकनोट को वापस लेने का निर्णय अन्यायपूर्ण और मनमाना है। क्लीन नोट पॉलिसी में आरबीआई नकली या गंदे नोटों को नष्ट करती है, लेकिन 2000 रुपए के मामले में ऐसा नहीं हो रहा। आरबीआई ने 19 मई को 2000 का नोट सर्कुलेशन से वापस लेने का ऐलान किया था। इसके तीन बाद यानी 23 मई से देशभर के बैंकों में इस नोट को बदलने की प्रोसेस शुरू हो गई। लोग बैंकों में अपने नोट बदलने के लिए पहुंच रहे हैं। आरबीआई ने 30 सितंबर तक 2000 के नोट बदलने या अकाउंट में जमा कराने को कहा है। रिजर्व बैंक ने अपने सर्कुलर में कहा है कि वो 2000 का नोट सर्कुलेशन से वापस लेगा, लेकिन मौजूदा नोट अमान्य नहीं होंगे।

भारतीय पेट्रोलियम कंपनियां : प्रतिबंध से रूस में 2500 करोड़ रुपये का लाभांश फंसा, निकालने के विकल्पों पर विचार

नई दिल्ली। यूक्रेन पर हमले के बाद मास्को पर लगे प्रतिबंधों की वजह से भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों का रूस में करीब 2,500 करोड़ रुपये का लाभांश फंस गया है ।एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने रूस में चार विभिन्न संपत्तियों में हिस्सेदारी खरीदने के लिए 5.46 अरब डॉलर का निवेश किया है। इन तेल एवं गैस क्षेत्रों के परिचालन से होने वाले लाभ पर भारतीय कंपनियों को लाभांश मिलता है। लेकिन, पिछले साल यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद लगे आर्थिक प्रतिबंधों से भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों को अब तक यह लाभांश नहीं मिल पाया है। ऑयल इंडिया लि. के चेयरमैन एवं एमडी रंजीत रथ ने कहा, हमें लगातार इन परियोजनाओं से लाभांश आय होती रहती थी। लेकिन, रूसी बैंकों पर प्रतिबंध की वजह से इस बार यह रूस के बैंक खातों में ही पड़ी हुई है। रूस में जिन कंपनियों की लाभांश आय फंसी है, उनमें ऑयल इंडिया, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोरिसोर्सेज लि. शामिल हैं।

भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बन सकती है फास्ट एक्स

हॉलीवुड स्टार विन डीजल की फास्ट एक्स इस वीकेंड भारत में नंबर वन फिल्म बताई जा रही है। फास्ट एक्स ने भारत में अपने तीसरे दिन 16 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। उम्मीद की जा रही है कि अपने विस्तारित सप्ताहांत तक यह फिल्म भारत में बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर लेगी। हालांकि इस फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों ने भारत में इससे ज्यादा अच्छा कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी। जेसन मोमोआ, जेसन स्टैथोम, ब्री लार्सन, जॉन सीना और कई अन्य लोगों द्वारा समर्थित विन डीजल के नेतृत्व वाली फास्ट एक्स ने शनिवार को अपने संग्रह में बहुत अच्छी वृद्धि देखी, जो कि भारत में इसका तीसरा दिन है। फिल्म ने लगभग 16-17 करोड़ रुपये की कमाई की, 3 दिन की कुल कमाई 42 करोड़ रुपये हो गई और विस्तारित पहले सप्ताहांत के अंत तक, फिल्म लगभग 60 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी होगी। 60 करोड़ रुपये की संख्या का मतलब यह होगा कि यह भारत में साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बन जाएगी, जो गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी वॉल्यूम 3, जॉन विकः चैप्टर 4 और एंट-मैन एंड द वास्पः क्वांटुमैनिया जैसी अन्य फिल्मों को पीछे छोड़ देगी। फिल्म फास्ट एक्स अपने पूरे दौर में 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने के रास्ते पर है। यह फ्यूरियस 7 द्वारा पेश किए गए नंबरों को भी चुनौती दे सकती है, जो वर्तमान में भारत में फ्रेंचाइजी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है।

सनी लियोनी ने कान्स में चुराया सबका दिल

-टाइमलेस चार्म को बिखेरते हुए दिया पोज

मुंबई (ईएमएस)। सुर्खियों में रहने वाली एक्ट्रेस सनी लियोनी ने इस बार प्रतिष्ठित कान्स रेड कारपेट पर अपनी असाधारण फैशन चॉइस से सबका दिल चुरा लिया। प्रतिभाशाली अभिनेत्री ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म कैनेडी को प्रमोट करने के लिए कांन्स की शोभा बढ़ाई। इस साल मिडनाइट स्क्रीनिंग के लिए प्रतिष्ठित कान्स जूरी द्वारा चुनी गई एक मात्र भारतीय फिल्म होने का उल्लेखनीय गौरव प्राप्त हुआ है। सनी ने शटरबग्स के सामने अपने एनसेम्बल में अपनी सुंदरता और टाइमलेस चार्म को बिखेरते हुए पोज किया। अपनी क्लासिक ब्लैक और वाइट कॉम्बिनेशन में उन्होंने सभी देखने वालों की सुध बुध गंवा दी। मशहूर डिजाइनर जेमी मालोउफ के ब्लैक ऑफ-शोल्डर और स्लीक वाइट पैन्ट्स में सनी ने कैजुअल कम्फर्ट और स्टाइल का बढ़िया बैलेंस अपने ऑउटफिट से पेश किया। सम्मानित हॉलीवुड स्टाइलिस्ट इल्या वंजाटो द्वारा स्टाइल की गई, सनी ने अपने लहरदार बॉब हेयरस्टाइल के साथ न्यूड ग्लॉसी लिप और सिंपल मेकअप के साथ अपने सनकिस्ड कॉम्पेलक्शन से कान्स के वातावरण को इतना खुशनुमा बना दिया कि उनकी तरफ देखना जरूरी हो गया। सनी लियोनी का नाम हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों सेलिब्रिटीज जैसे क्रिस्टीना लिलियाना नोवा, पाओला जुरिता, स्टेफानीय क्रिस्टियन, तान्या घावरी, जोसेफाइन स्कराईव्र, मासूम मिनावाला, हैली शाह, सोनिया बेन अम्मेर, क्रिस्टाइन क्विन के साथ जुड़ गया जिन्होंने फैशन डिजाइनर के डिजाइन को शोकेस किया है। सनी की फिल्म इंडस्ट्री में सफलता विशिष्ट है। उनके फैंस उनकी आगामी फिल्म कैनेडी के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सनी के पास रोमांचित फिल्मों का जमावड़ा है, जो बहुत जल्द उनके फैंस के सामने प्रकाशित किया जाएगा। सनी अपनी प्रतिभा और फैशन से सभी को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए दृढ़ता से मेहनत कर रही हैं ताकि फैंस को एंटरटेन कर सकें। बता दें कि मशहूर एक्ट्रेस सनी लियोनी जो इस समय के सबसे प्रिय सितारों में से एक हैं ने 76 वें कान्स में अपने जबरदस्त डेब्यू से स्पॉटलाइट को अपनी ओर आकर्षित किया।

इस माह में ये सितारें नहीं रहे

इस माह में तीन सितारे अचानक ही इस दुनिया से दूर चले गये जिससे इनके प्रशंसकों में दुख की लहर है। आदित्य सिंह राजपूत के बाद वैभवी उपाध्याय और नितेश पांडे नहीं रहे।

हादसे का शिकार हुई वैभवी - टीवी जगत की जानी पहचानी एक्ट्रेस, फेमस शो साराभाई वर्सेस साराभाई में जैस्मीन का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री वैभवी उपाध्याय इस दुनिया में नहीं रही। वैभवी की मृत्यु हिमाचल प्रदेश में एक कार दुर्घटना में हुई। उनके साथ ये हादसा तब हुआ जब वह अपने मंगेतर के साथ कार से आ रही थीं। ये हादसा दो दिन पहले हुआ था मगर शो के मेकर्स ने अब इसकी जानकारी दी है। जेडी मजेठिया ने अपने पोस्ट में लिखा कि जीवन बहुत अप्रत्याशित है। एक बहुत अच्छी अभिनेत्री, प्रिय मित्र वैभवी उपाध्याय, जो साराभाई बनाम साराभाई की जैस्मीन के रूप में जानी जाती हैं, का निधन हो गया। बताया जा रहा है कि अचानक टर्न पर गाड़ी ने कंट्रोल खो दिया और कार खाई में जा गिरी, वैभवी की मौके पर ही मौत हो गई। वैभवी के निधन की खबर सुन हर कोई सदमे में हैं। एक्टर देवेन भोजानी ने भी ट्वीट कर लिखा- शॉकिंग, एक बहुत अच्छी एक्ट्रेस और एक अच्छी दोस्त वैभवी उपाध्याय जिन्हें साराभाई वर्सेज साराभाई की जैस्मिन के रूप में जाना जाता है वो अब हमारे बीच नहीं रहीं। वैभवी उपाध्याय टीवी शो साराभाई वर्सेस साराभाई 2 के अलावा, क्या कसूर है अमला का, वेब सीरीज प्लीज फाइंड अटैच्ड में भी अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी थी।

अनुपमा फेम नितेश पांडे नहीं रहे - अभिनेत्री वैभवी के सदमे से अभी प्रशंसक उबर भी नहीं पाए कि अनुपमा फेम एक्टर नितेश पांडे ने भी दुनिया को अलविदा कह दिया है। खबर के मुताबिक, अभिनेता का निधन दिल का दौरा पड़ने से हुआ है। इस खबर के सामने आने के बाद पूरे मनोरंजन जगत में हड़कंप मच गया। 51 वर्षीय नितेश पांडे का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। नितेश पांडे टीवी की दुनिया का काफी चर्चित चेहरा थे। उन्होंने कई सीरियल्स में दमदार सपोर्टिंग रोल प्ले किए हैं। उन्हें धारावाहिक ब्रह्मांड में लोकप्रिय भाई और पिता के रूप में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। नितेश के यूं अचानक चले जाने से सेलेब्रिटीज के साथ-साथ फैंस को भी गहरा सदमा लगा है। नितेश पांडे का जन्म 17 जनवरी 1973 को हुआ था। एक्टिंग का शौक रखने वाले नितेश ने 1990 में थिएटर से अपने करियर की शुरूआत की थी। इसके बाद उन्होंने टीवी की दुनिया में कदम रखा। उन्हें मंजिली अपनी अपनी, अस्तित्व एक प्रेम कहानी, साया, जस्टजू, दुर्गा नंदिनी जैसे शोज में अहम किरदारों में देखा गया था। उन्हें रूपाली गांगुली के मशहूर शो अनुपमा में धीरज कपूर के रूप में देखा गया था। नितेश का अपना प्रोडक्शन हाउस भी है। उनके निजी जीवन की बात करें तो उन्होंने 1998 में अभिनेत्री अश्विनी कालस्कर से शादी की थी। लेकिन 2002 में वे अलग हो गए। बहरहाल मनोरंजन जगत के लिए यह एक दुखद सप्ताह रहा है। आदित्य सिंह राजपूत, सुचंद्र दासगुप्ता, वैभवी उपाध्याय और अब नितेश पांडे के निधन से पूरा मनोरंजन जगत हिल गया है।

वेब सीरीज ग्यारह-ग्यारह के लिए मोंगा से हाथ मिलाया

-करण जौहर की है नई वेब सीरीज

मुंबई (ईएमएस)। नई वेब सीरीज ग्यारह-ग्यारह के लिए ऑस्कर विनर गुनीत मोंगा से करण जौहर ने हाथ मिलाया है। हाल ही में ग्यारह-ग्यारह का टीजर जारी कर दिया गया है। ग्यारह-ग्यारह एक इनवेस्टिगेटिव फैंटसी ड्रामा सीरीज है, जो जी 5 पर स्ट्रीम की जाएगी। दोनों के प्रोडक्शन हाउस मिलकर सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर इस सीरीज का निर्माण कर रहे हैं। सीरीज में धैर्य कारवा, राघव जुयाल और कृतिका कामरा अहम किरदारों में हैं। सीरीज एक साथ तीन अलग-अलग दशकों 1990, 2001 और 2016 की कहानी दिखाएगी। ग्यारह ग्यारह को बनाने की जिम्मेदारी गुनीत मोंगा के प्रोडक्शन हाउस शिखया एंटरटेनमेंट और करण जौहर के ओटीटी प्रोडक्शन हाउस धर्मेटिक एंटरटेनमेंट ने मिलकर उठाई है। ये पहला मौका है जब दोनों ने किसी सीरीज के लिए कोलैबोरेट किया है। ग्यारह ग्यारह का डायरेक्शन उमेश बिस्ट कर रहे हैं। वहीं, सीरीज की कहानी पूजा बनर्जी और संजय शेखर ने मिलकर लिखी है। बता दें कि गुनीत मोंगा इस साल ऑस्कर जीतने वाले सेलेब्स की लिस्ट में शामिल हैं। मोंगा की डॉक्यूमेंट्री फिल्म द एलिफेंट विस्पर्स ने ऑस्कर 2023 में बेस्ट ओरिजिनल शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म की कैटेगरी में अवॉर्ड जीता था। ग्यारह ग्यारह में राघव जुयाल अपने अब तक के निभाय किरदारों से एकदम अलग रूप में नजर आ रहे हैं। वहीं, आखिरी बार राघव, सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आए थे। किसी का भाई किसी की जान में भी राघव जुयाल हमेशा की तरह मस्ती करते हुए दिखाई दिए थे, लेकिन ग्यारह ग्यारह में वो संजीदा किरदार में नजर आ रहे हैं। टीजर में एक्टर की छोटी-सी झलक दिखी, जिसमें वो सीरियस लुक में दिखाई दे रहे हैं। एक्टर ने सबसे पहले टीवी की दुनिया से अपने करियर की शुरूआत की थी। राघव जुयाल डांस रियलिटी शो से चर्चा में आए थे। इसके बाद उन्होंने खुद कई डांसिंग शो होस्ट किए।

आसिम ने हिमांशी के साथ शेयर की रोमांटिक फोटो

मुंबई (ईएमएस)। पिछले कुछ वक्त से फैंस को लग रहा है कि बिग बॉस 13 से सुर्खियों में आए आसिम रियाज और हिमांशी खुराना के रिश्ते में दरार आ गई है और दोनों का ब्रेकअप हो गया है। लेकिन आसिम और हिमांशी ने अब लंबे समय से लग रहे इन कयासों को विराम दे दिया है। दरअसल बीते कुछ महीनों से हिमांशी खुराना और आसिम रियाज के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा था। दोनों अपने सोशल मीडिया पर सैड पोस्ट करते दिखाई दे रहे थे। यहां तक कि दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर दिया था। ऐसे में फैंस को लग रहा था कि हिमांशी और आसिम का ब्रेकअप हो गया है लेकिन अब आसिम ने एक पोस्ट के जरिए यूजर्स की गलत फहमी दूर कर दी है। दरअसल आसिम ने अपने इंस्टाग्राम पर हिमांशी खुराना के साथ एक खूबसूरत फोटो शेयर की है। साथ ही दोनों ने दोबारा एक-दूसरे को फॉलो भी कर लिया है। आसिम ने जो फोटो पोस्ट की है वो उनके एक म्यूजिक वीडियो शूट के दौरान की लग रही है लेकिन इस फोटो ने उन फैंस को खुश कर दिया है जो आसिम-हिमांशी के ब्रेकअप की खबरें सुनकर काफी उदास थे। बता दें कि बिग बॉस 13 से सुर्खियों में आए आसिम रियाज और हिमांशी खुराना की लव स्टोरी अब तक चर्चा में बनी हुई है। रियलिटी शो में कई जोड़िया बनती है लेकिन वे ज्यादा टाइम के लिए टिक नहीं पाती, लेकिन आसिम और हिमांशी की जोड़ी आज भी इतनी ही खूबसूरत है जितनी की बिग बॉस 13 में देखी गई थी।

तगड़ी सुरक्षा के बाद भी सलमान तक पहुँचा नन्हा फैन, प्यार से लगाया गले

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई एयरपोर्ट पर तगड़ी सुरक्षा के बावजूद भी एक बच्चा सलमान खान तक पहुंच गया और सलमान के गले से लग गया। हालांकि सलमान खान को पिछले कुछ समय से लगातार धमकियाँ मिल रही हैं, जिसके चलते उनकी सिक्योरिटी और बढ़ा दी गई है। इसके बावजूद गुरुवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर एक बच्चा उनकी हाई सिक्योरिटी के बावजूद उन तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि आईफा 2023 के लिए सलमान खान अबूधाबी जा रहे थे, तभी उन्होंने देखा के एक बच्चा दौड़ता हुआ उनके पास रहा है, ऐसे में वे रुक गए। बच्चे ने सलमान खान को अपने दोनों हाथों से गले लगाया। सलमान खान ने भी उसे मुस्कुराते हुए गले लगाया। सोशल मीडिया पर यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में मुंबई एयरपोर्ट पर एक बच्चा भागता हुआ सलमान से मिलने के लिए उनकी तरफ आ रहा है। जैसे ही एक्टर ने उसे नोटिस किया तो वे रुक गए और अपनी टीम को भी रोक लिया ताकि वह बच्चा उन तक पहुंच सके। उन्होंने उस बच्चे से पहले हाथ मिलाया और फिर उसे बड़े ही प्यार से गले लगाया। इस इंसीडेंट के अलावा सलमान के नए लुक ने भी फैंस को आकर्षित किया। सलमान यहां ब्लैक जींस और टी-शर्ट के साथ लैदर जैकेट में नजर आए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और फैंस सलमान की जिंदादिली की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा,ये हुई न भाई वाली बात। वहीं एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, क्या कमाल के आदमी हो आप। इसके अलावा कई फैंस कमेंट सेक्शन में सलमान के लुक की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

डिजिटल प्लेफॉर्म पर भी छाई करिश्मा तन्ना

एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना को काम न मिलने के कारण डिप्रेशन का सामना करना पड़ा है। हालांकि इन दिनों करिश्मा तन्ना छोटे पर्दे के साथ-साथ बड़े पर्दे पर भी अपनी पकड़ बनाई हुई है। वह डिजिटल प्लेफॉर्म पर भी छाई हुई हैं। करिश्मा ने वैसे तो कई टीवी शोज में काम किया, लेकिन उन्हें नागिन में नागिन बनकर जो पॉपुलैरिटी मिली, वो उससे पहले कभी नहीं मिली। करिश्मा, टीवी शो, फिल्मों के साथ कई वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं। वह एक सक्सेसफुल एक्ट्रेस मानी जाती हैं, लेकिन हाल में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने सबको चौंका दिया। उनका कहना था कि वह लगभग 1 साल डिप्रेशन में थीं क्योंकि उन्हें काम नहीं मिल रहा था। करिश्मा तन्ना अपकमिंग वेब सीरीज स्कूप में दिखेंगी। इसमें वह लीड रोल में है। यह सीरीज 2 जून को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। सीरीज के प्रमोशन के दौरान उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने डिप्रेशन का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि साल 2018 में आई संजू में उन्होंने छोटा लेकिन दमदार काम किया था। इसकी सक्सेस के बाद करिश्मा को उम्मीद थी कि उन्हें अब काम मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। करिश्मा तन्ना ने कहा कि संजू के बाद वह करियर के बुरे दौर से गुजरीं। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि छोटे रोल के बावजूद संजू मुझे लाइफ और करियर में आगे बढ़ने में मदद करेगी। लेकिन असल में हुआ कुछ नहीं। फिल्म के बाद, जो भी रिस्पांस, फिल्में या प्रोजेक्ट मुझे उम्मीद थी, वे नहीं आए। संजू के बाद वह लगभग 2 साल तक बड़े पर्दे से गायब रही थीं। करिश्मा तन्ना ने खुलासा किया कि वह 8 से 12 महीनों के लिए बेरोजगार थीं। इस दौरान बहुत ही डिप्रेशन वाले फेज में चली गई थी।

कपिल जल्द ही निकलने वाले है अमेरिका टूर पर

कॉमेडियन कपिल शर्मा जल्द ही अमेरिका टूर पर निकलने वाले हैं। स्वयं कपिल शर्मा ने इंस्टोग्राम पर पोस्ट कर ये जानकारी दी है कि वे 8 जुलाई से यूएस टूर पर जा रहे हैं। अब ये तो बेहद खुशी की बात है, लेकिन कपिल को शो के दर्शक काफी मायूस है। पिछले साल वीजा में कुछ दिक्कतों की वजह से कपिल और उनकी टीम अमेरिका में परफॉर्म नहीं कर पाई थी, लेकिन इस बार सारी फॉर्मेलिटी पूरी हो गई है और वो जुलाई महीने में टीम के साथ यूएस रवाना होंगे। वो न्यू जर्सी सहित 6 शहरों में लाइव परफॉर्म करेंगे। लेकिन द कपिल शर्मा शो के फैंस को झटका लगने वाला है, क्योंकि ये फिर से ऑफ एयर हो सकता है और एक लंबा ब्रेक लिया जा सकता है इससे पहले कपिल शर्मा ने शो के ऑफ-एयर होने की अफवाहों को लेकर अपने टूर के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था, अभी ये फाइनल नहीं हुआ है। हमें जुलाई में लाइव टूर के लिए यूएस जाना है और हम देखेंगे कि उस समय क्या करना है।

कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं मौनी रॉय

अभिनेत्री मौनी रॉय चल रहे प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनका कहना है कि वह वैश्विक मंच पर सिनेमा के प्रति अपने जुनून को दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती हैं। इस मौके पर मौनी, जिन्होंने इस कार्यक्रम के लिए आईवियर ब्रांड लेंसकार्ट के साथ सहयोग किया है, ने कहा कि मुझे कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी शुरूआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। कान में लेंसकार्ट का प्रतिनिधित्व करना और इस उत्सव का हिस्सा बनना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। मैं इस अविश्वसनीय अवसर के लिए आभारी हूं और इस वैश्विक मंच पर सिनेमा के लिए अपनी अनूठी शैली और जुनून दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

पवित्र प्रभाकर को पेश करेंगे स्पाइडर-मैन

- उनके लिए आवाज दे रहे है क्रिकेटर शुभमन गिल

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म स्पाइडर-मैनः एक्रॉस द स्पाइडरवर्स को भारत के पहले स्पाइडर-मैन, पवित्र प्रभाकर को पेश करेंगे। उनके लिए हिंदी और अंग्रेजी में आवाज भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल दे रहे है। स्पाइडर-मैन का मूल भारतीय संस्करण पहली बार जनवरी 2005 में स्पाइडर-मैन इंडिया कॉमिक बुक में शरद देवराजन, सुरेश सीतारमन और जीवन जे. कांग द्वारा पेश किया गया था। अब स्पाइडर-मैनः एक्रॉस द स्पाइडर वर्स बड़े पर्दे पर अपनी पहली उपस्थिति को दर्ज करेगा। निर्देशक केम्प पॉवर्स ने बताया कि कैसे पवित्र प्रभाकर मल्टीवर्स में अन्य स्पाइडर-लोगों से अलग हैं, पवित्र की शक्तियां जादू के जरिए आईं है, इसलिए वह बहुत से अन्य स्पाइडर लोगों से काफी अलग हैं जिन्हें रेडियोएक्टिव मकड़ियों ने काट लिया था। उसने सच में एक रहस्यमय जादूगर से अपनी शक्तियों को प्राप्त किया था। कई अन्य स्पाइडर लोगों की तरह, उन्हें भी नुकसान उठाना पड़ा, और उनके मामले में, यह उनके चाचा के द्वारा था।

फिर भी वह शायद फिल्म के सबसे आशावादी किरदारों में से एक है। वह निश्चित रूप से एक स्थिति में हमेशा बुरी चीजों के बजाय अच्छी चीजों के बारे में सोचने वाला आदमी है। वह माइल्स का समकालीन है, और उनका खुश, सकारात्मक स्वभाव शायद माइल्स को गलत तरीके से परेशान कर सकता है। बता दें कि जहां दुनिया भर के दर्शक स्पाइडर-मैनः एक्रॉस द स्पाइडरवर्स का बड़ा बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं ,वहीं भारतीय प्रशंसकों का उत्साह अपने चरम पर है।

सूडोकु नवताल- 6443

★★★ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6442 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7190

क	र्म	मे	रि	दु	ला	रा	ल	क	लं	क
बू	खु	क	दू	इं	जी	क	शि	या	ड़	नी
त	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	ल	ह	प	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	यु	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	क	ला	कि	यो	ग	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	ला	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	ई	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	क	र	ह	त्या	ल	वि	क
र	क	ल	श	रा	न	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	मा	व	शि	का	री	टि	जो
बां	क	र	तू	त	च	ले	स	क	म	र

शब्दजाल में 'क' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

कबूतर,कमजोर,कलयुग,कलंक,कलश, कलाई,करामात,करतूत,कर्म,कमर

शब्दजाल - 7189 का हल

स	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	स
ल्त	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स
स	ड़	क	फ्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा
श	एं	वा	स	र	फ	रो	श	ज	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6143

5		3		7		4
	34	6	33	1	33	
	5			6		2
1	26	2	29	4	33	
4			6		7	3
	30	4	37		33	6
2			5	3		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6142 का हल

3	5	4	6	7	1	2
2	33	1	34	6	30	5
5	6	7	1	2	3	4
4	42	2	25	1	22	6
7	6	5	4	3	2	1
6	36	6	34	4	31	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

डब्लूटीसी 2023 फाइनल की प्राइज मनी की घोषणा : पिछले बार के मुकाबले कोई बदलाव नहीं ; चैंपियन टीम को मिलेंगे 13.21 करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इंग्लैंड के द ओवल में 7 से 11 जून तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने डब्लूटीसी 2021-23 चक्र के लिए प्राइस मनी की घोषणा की है। कुल 3.8 मिलियन डॉलर (31.4 करोड़ रुपए) को नौ टीमों में बांटा जाएगा, जो पिछले चक्र (2019-21) के बराबर है। चैंपियन बनने वाली टीम को 1.6 मिलियन डॉलर (करीब 13.21 करोड़ रुपए) की इनामी राशि मिलेगी। वहीं, फाइनल में हारने वाली टीम को 8 मिलियन डॉलर (करीब 6.5 करोड़ रुपए) दिए जाएंगे।

डब्लूटीसी चैंपियन को मिलेगी टेस्ट गदा - टेस्ट चैंपियनशिप मेस (गदा) वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच जीतने वाली टीम को ही मिलेगा। पहले यह हर साल रैंकिंग में नंबर-1 रहने वाली टीम को दी जाती थी। अगर फाइनल मैच ड्रॉ रहता है तो दोनों टीमें इस मेस को संयुक्त विजेता रहने तक शेयर करेंगी।

साउथ अफ्रीका को मिलेंगे 3.5 करोड़ रुपए - आईसीसी ने कहा कि टेस्ट चैंपियनशिप रेस में तीसरे स्थान पर रहने वाली साउथ अफ्रीका की टीम को 450,000 डॉलर (करीब 3.5 करोड़ रुपए) दिए जाएंगे। चौथे स्थान पर रहने वाले इंग्लैंड को 350,000 डॉलर (करीब 2.8 करोड़ रुपए) और पांचवें स्थान पर रहने वाले श्रीलंका को 200,000 डॉलर (करीब 1.6 करोड़ रुपए) दिए जाएंगे। टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा रही अन्य टीमें न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश को 1-1 लाख डॉलर (करीब 82 लाख रुपए) दिए जाएंगे।

डब्लूटीसी 2023 फाइनल के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें-

टीम इंडिया : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, ईशान किशन (विकेटकीपर)।

स्टैंडबाय खिलाड़ी : रुतुराज गायकवाड़, मुकेश कुमार, सूर्यकुमार यादव।

ऑस्ट्रेलिया टीम : पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ (उप कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, मार्कस हैरिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), उस्मान ख्वाजा, मारनस लबसचगने, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, टॉड मर्फी , मैथ्यू रेनशॉ, मिशेल स्टार्क, डेविड वार्नर।

न्यूज ब्रीफ

कोहली इंस्टाग्राम पर 25 करोड़ फॉलोअर्स वाले पहले एशियाई: खिलाड़ियों में रोनाल्डो, मेसी के बाद तीसरे; ओवरऑल 16वें नंबर पर

नई दिल्ली । टीम इंडिया के दिग्गज बैटर विराट कोहली के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 25 करोड़ (250 मिलियन) फॉलोवर्स हो गए हैं। वे इंस्टाग्राम अकाउंट पर इतने ज्यादा फॉलोअर्स वाले पहले एशियाई हैं। एशिया में इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वालो की लिस्ट में दूसरे नंबर पर इजराइल की एक्ट्रेस गैल गैडट 10.3 करोड़ (103 मिलियन) और तीसरे पर थाईलैंड की म्युजिशयन लीसा 9.4 करोड़ (94 मिलियन) हैं। कोहली इंस्टाग्राम पर 25 करोड़ फॉलोअर्स का आंकड़ा छूने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। पहले नंबर पर पुर्तगाल के फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो (585 मिलियन) और दूसरे नंबर पर अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी (461 मिलियन) हैं। इससे पहले, कोहली इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन फॉलोअर्स पूरा करने वाले पहले ही भारतीय थे। इंस्टाग्राम पर ओवरऑल फॉलोअर्स के मामले में कोहली 16वें नंबर पर हैं। इस मामले में खुद इंस्टाग्राम के सबसे ज्यादा 631 मिलियन फॉलोअर्स हैं। भारत में फॉलोअर्स के मामले में विराट टॉप पर हैं। प्रियंका 87.6 मिलियन फॉलोअर्स के साथ दूसरे और श्रद्धा कपूर 80.8 मिलियन फॉलोअर्स के साथ तीसरे नंबर पर हैं। विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में अच्छी फॉर्म में नजर आए। उन्होंने 14 मैचों में 639 रन बनाए। इनमें दो शतक भी शामिल हैं। आईपीएल से पहले कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक जड़कर टेस्ट क्रिकेट में शतक के सूखे को भी खत्म किया था।

नीरज चोपड़ा के फिनलैंड में ट्रेनिंग के प्रस्ताव को मंजूरी: फिनलैंड के कुओर्तने ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर में आगे के टूर्नामेंट के लिए करेंगे तैयारी

नई दिल्ली । मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स और खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल ने टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा के फिनलैंड के कुओर्तने में ट्रेनिंग लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

नीरज को जून में विश्व एथलेटिक्स के कई टूर्नामेंट में हिस्सा लेना है, जिसके लिए उन्होंने फिनलैंड के कुओर्तने ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर में तैयारी करने का फैसला लिया है। टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा हाल ही में दुनिया के नंबर-वन जेवलिन थ्रोअर बने थे। वह देश के पहले एथलीट हैं, जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। वर्ल्ड एथलेटिक्स फेडरेशन ने यह रैंकिंग जारी की। नीरज 1455 अंकों के साथ नंबर वन पर काबिज हैं। उन्होंने वर्ल्ड चैंपियन ग्रेनाडा के एंडर्सन पीटर्स को 22 अंकों से पीछे छोड़ दिया। भारतीय भाला फेंक एथलीट एशियाई खेलों के भी मौजूदा चैंपियन हैं। उन्होंने इंडोनेशिया के जकार्ता में आयोजित 2018 एशियाई खेल में गोल्ड मेडल जीता था। वे इस साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन के हांगझोऊ में होने वाले एशियाई खेलों में अपने खिताब को डिफेंड करना चाहेंगे। नीरज ने पिछले साल यूएसए के यूजीन वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सिल्वर जीता था।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ रक्षापंक्ति की मजबूती पर ध्यान देंगे : दीप

एडिलेड । भारतीय महिला हॉकी टीम अब ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाले मैच में रक्षापंक्ति पर अधिक ध्यान देगी।

आगामी एशियाई खेलों की तैयारियों के सिलसिले में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गयी भारतीय टीम की उपकप्तान दीप ग्रेस एक्का ने कहा कि टीम की सफलता के लिए रक्षा पंक्ति का मजबूत होना जरूरी है। एक्का ने कहा,'' यह देखते हुए कि हमने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम का सामना किया, हमने पहले तीन मैचों में विशेषकर आक्रमण के लिहाज से अच्छा प्रदर्शन किया पर हमने कुछ अधिक गोल खाये जो रक्षापंक्त की कमजोरी के कारण हुए। इसलिए अब हमें अगले मैच में अपनी रक्षापंक्त पर ध्यान देना होगा। भारतीय टीम ने अभी तक इस दौरे में आक्रामक खेल दिखाया है पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को गोल करने से नहीं रोक पायी है। एक्का ने कहा,'' इसके साथ ही अगर हमारी रक्षापंक्ती मजबूती दिखाएगी तो अग्रिम पंक्ति के लिए निडर होकर खेलना आसान होगा। इससे हम विरोधी टीम पर दबाव बना सकेंगे। इससे आने वाले टूर्नामेंटों में भी हमें लाभ मिलेगा।

सिंधू मलेशिया मास्टर्स के सेमीफाइनल में, किदांबी श्रीकांत हुए बाहर

नई दिल्ली ।

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू ने मलेशिया मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने चीन की यी मान हांग को शिकस्त दी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने निचली रैंक वाली हांग को क्वार्टर-फाइनल मुकाबले में 21-16,13-21 और 22-20 से तीन गेमों में शिकस्त दी। यह मैच एक घंटे और 14 मिनट तक चला। पिछले साल भी सिंधू ने चीन की इस खिलाड़ी को इसी टूर्नामेंट में हराया था। इस तरह सिंधू ने इसी साल हुए ऑल इंडिया ओपन के राउंड ऑफ32 में यी मान से अपनी हार का बदला लिया।

सेमीफाइनल में सिंधू का मुकाबला विश्व नंबर नौ और सातवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मरिस्का टुंजुंग से होगा। क्वार्टर-फाइनल में टुंजुंग ने दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की यी ही वांग को 21-18, 22-20 से हराया। टुंजुंग इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहीं हैं। पिछले साल अप्रैल में हुए मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में पीवी सिंधू को सीधे गेम में मात दे चुकी हैं। हालांकि, दोनों ने अभी तक आठ मुकाबले खेले हैं जिसमें से सिंधू ने सात बार टुंजुंग को हराकर बढ़त बनाई हुई है। पुरुषों के सिंगल्स क्वार्टर-फाइनल मुकाबले में किदांबी श्रीकांत को हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। इंडोनेशिया के शटलर क्रिश्चियन अडिनाटा ने उन्हें 21-16,16-21 और 11-21 से हरा दिया। यह मैच 57 मिनट तक चला। मेन्स सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में भारत के एचएस प्रणय का मुकाबला जापान के केंटा नीशिमोटो से होगा।

धोनी से मिली पथिराना की फैमिली: फाइनल देखने भारत आए हैं श्रींलकाई बॉलर के रिश्तेदार, बहन बोली- मेरा भाई सुरक्षित हाथों में

अहमदाबाद। चेन्नई सुपर किंग्स के श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना उर्फ मल्ली का परिवार टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से मिला। पथिराना इस सीजन में चेन्नई के लिए डेथ ओवर्स स्पेशलिस्ट की भूमिका में हैं और अब तक 17 विकेट ले चुके हैं। गुजरात के खिलाफ क्वालिफायर-1 में पथिराना से 16वां ओवर कराने के लिए धोनी ने मैच को चार मिनट तक रोक दिया था। पथिराना की बहन विशुका ने धोनी के साथ मुलाकात की तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा- मेरा भाई मल्ली अब सुरक्षित हाथों में है। धोनी ने हमसे कहा है कि मथीशा को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। वह मेरे साथ है। 20 साल के श्रीलंकाई खिलाड़ी पथिराना का परिवार आईपीएल फाइनल देखने के लिए भारत आया हुआ है। आईपीएल के 16वें सीजन का फाइनल 28 अप्रैल को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना है। चेन्नई ने पहले क्वालिफायर में गुजरात टाइटंस को हराया है। फाइनल में टीम का मुकाबला गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच होने वाले दूसरे क्वालिफायर के विनर से होगा। वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो चेन्नई की टीम के डेथ ओवर स्पेशलिस्ट थे। उनके रिटायरमेंट के बाद से ही टीम इस रोल के लिए गेंदबाज की तलाश में थी। पथिराना ने आखिरी ओवर में सटीक गेंदबाजी के जरिए चेन्नई की तलाश पूरी कर दी है। उनका एक्शन काफी हद तक श्रीलंका के ही लसिथ मलिंगा से मिलता-जुलता है। इस वजह से बल्लेबाजों के लिए उन्हें रीड कर पाना काफी मुश्किल होता है। ने पथिराना को 2022 में आईपीएल के मेगा ऑक्शन में 20 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा था। इससे पहले पथिराना को 2020 में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा था। पथिराना ने इस सीजन में लिए खेले 11 मैचों में 7.72 के इकोनॉमी रेट से 17 विकेट लिए हैं। वह तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे तुषार देशपांडे और रविंद्र जडेजा हैं। तुषार 15 मैचों में 21 विकेट लेकर चेन्नई के टॉप विकेट टेकर हैं। जडेजा 19 विकेट लेकर टीम के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

चंडीगढ़ ने बेंगलुरु में बधिरों के लिए महिला टी-10 राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप जीती

बेंगलुरू ।

चंडीगढ़ ने फाइनल में दो बार की विजेता मुंबई को हराकर भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) की चौथी टी-10 राष्ट्रीय बधिर क्रिकेट चैंपियनशिप-2023 जीत ली है। पहले बल्लेबाजी करते हुए, मुंबई आठ ओवर में 73 रन पर ऑल आउट हो गई और चंडीगढ़ ने 7.1 ओवर में लक्ष्य का पीछा करते हुए 8 विकेट से मैच जीत लिया। मुंबई ने नीदा शेख को जल्दी खो दिया। नीदा शानदार फॉर्म में थीं, और उनका विकेट खेल में एक महत्वपूर्ण क्षण था। फौजिया और नीलम किनी ने मिलकर 46 रनों की साझेदारी की और मुंबई 73 रन बनाने में सफल रही। यह एक चुनौतीपूर्ण टोटल था और चंडीगढ़ को अच्छी बल्लेबाजी करनी थी। कप्तान के 2 रन पर आउट होने पर चंडीगढ़ ने शुरूआती विकेट खो दिया। लेकिन यह नेहा की 23 गेंदों पर नाबाद 56 रन की पारी थी जिसने अंत में अंतर बनाया। उसने सहजता से बल्लेबाजी की। उसने अकेले ही कुल लक्ष्य का पीछा किया और चंडीगढ़ को अपना पहला खिताब उठाने में मदद की। सम्प्रसिद्धि स्पोर्ट्स एस्टाडियो में समापन समारोह आयोजित किया गया था और इसकी अध्यक्षता पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर ममता माबेन ने की थी। नेहा (चंडीगढ़) को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया और उन्हें बेस्ट बैट्सवुमन ऑफ द सीरीज भी चुना गया। धार्या को सीरीज का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज घोषित किया गया और नीदा शेख को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार बेंगलुरु के एक क्रिकेटर शमंत एसएम द्वारा प्रदान किए गए। विजेताओं और अन्य सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए, पूर्व क्रिकेटर ममता माबेन ने कहा, मैं बधिर महिला क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने और अपने लंबे समय से चले आ रहे सपनों को साकार करने के लिए सही मंच प्रदान करने के लिए आईडीसीए की बहुत आभारी हूं। मुंबई लीग चरण में बिना कोई गेम गंवाए फाइनल में पहुंच गई थी। चंडीगढ़ ने सेमीफाइनल में नाबाद दिल्ली को हराया।

एएफसी एशियाई कप से पहले लगातार खेलने से लाभ होगा : गुरप्रीत

नई दिल्ली ।

भारतीय फुटबॉल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने कहा कि अगले साल होने वाले एएफसी एशियाई कप से पहले लगातार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलना खिलाड़ियों के लिए अच्छा है। इससे उनका मनोबल और कौशल बढ़ता है। गुरप्रीत ने कहा कि उनके और साथी खिलाड़ी अमरिंदर सिंह के बीच प्रतिस्पर्धा है पर उनका लक्ष्य अहम मैच जीतना है। इस साल की शुरुआत में इंफाल में तीन देशों के टूर्नामेंट में भारत ने म्यामां को 1-0 से और किर्गिस्तान को 2-0 से हराकर खिताब जीता था और टूर्नामेंट में गुरप्रीत और अमरिंदर दोनों ने इसमें संयुक्त रूप से 'टूर्नामेंट के गोलकीपर' का पुरस्कार जीता था। गुरप्रीत ने कहा, ''खिलाड़ियों के बीच संबंध बहुत अच्छे हैं। टीम में स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा है पर हम भाइयों की तरह हैं और हम सभी जानते हैं कि हमारे में से कोई भी किसी निश्चित दिन टीम के लिए काम कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''देश के लिए खेलना सबसे अधिक सम्मान की बात है और जब भी अवर मिले हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। हम सभी की इच्छा टीम को जीतते हुए देखने की है, केवल मैदान पर रहने की नहीं। गुरप्रीत का मानना है कि एशियाई कप से पहले लगातार टूर्नामेंट खेलना भारतीय टीम के लिए 'बहुत अच्छा' है। टीम कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने की तैयारी कर रही है जिसमें - भुवनेश्वर में इंटरकॉन्टिनेंटल कप, बेंगलुरू में सैफ चैंपियनशिप, थाईलैंड में किंग्स कप (सितंबर) और मलेशिया में मर्डेका कप (अक्टूबर) शामिल हैं। कतर में जनवरी-फरवरी में होने वाले एशियाई कप की तैयारी कर रही भारतीय टीम इंटरकॉन्टिनेंटल कप से पहले भुवनेश्वर में प्रशिक्षण शिविर में कड़ी मेहनत कर रही है। गुरप्रीत का मानना है कि यह खिलाड़ियों के लिए अपने कौशल को बेहतर बनाने का अच्छा मौका है।

इंग्लैंड का अनुबंध खत्म करने के बावजूद जेसन रॉय की निगाहें विश्व कप टीम में जगह बनाने पर

लंदन ।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के साथ अपना अनुबंध रद्द करने के बावजूद इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय अभी भी इस साल के अंत में भारत में होने वाले क्रिकेट विश्व कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। रॉय ने पुष्टि की कि संयुक्त राज्य अमेरिका में एक नई व्हाइट-बॉल प्रतियोगिता एमएलसी के साथ साइन अप करने के लिए सहमत होने के बाद उन्होंने ईसीबी के साथ अपने अनुबंध के अंतिम महीनों को रोक दिया है।

उन्होंने हालांकि यह स्पष्ट कर दिया है कि उन्होंने यह फैसला इंग्लैंड के लिए खेलने की अपनी उम्मीदों को खत्म किए बिना लिया है लेकिन वह अंतरराष्ट्रीय चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

ईसीबी के साथ समझौते का मतलब है कि रॉय इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में इंग्लैंड की टीम में जगह हासिल करने पर भी नजर रख सकते हैं।

रॉय ने एक बयान में कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं इंग्लैंड के लिए और कई साल खेलूंगा, यह मेरी प्राथमिकता है। बिना किसी केंद्रीय अनुबंध के एकल प्रारूप के खिलाड़ी के रूप में, मैं इस प्रतियोगिता में खेलने का अवसर लेना चाहता था क्योंकि वर्तमान में इंग्लैंड के साथ कोई शेड्यूलिंग संघर्ष नहीं है।

उन्होंने कहा, इंग्लैंड के खिलाड़ी के रूप में जितना संभव हो उतना प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने से मुझे फायदा होता है। बस स्पष्ट होने के लिए, मेरी प्राथमिकता इंग्लैंड क्रिकेट है, विशेष रूप से विश्व कप।

एमएलसी टेक्सास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में 13-30 जुलाई तक होने वाला है जिसे भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों से महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त है: छह फ्रेंचाइजी में से चार में ऐसे निवेशक हैं जो आईपीएल टीमों के मालिक हैं, जबकि क्रिकेट विक्टोरिया और क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स की अन्य दो में हिस्सेदारी है। ।

लीग के उद्घाटन सत्र का इंग्लिश समर के साथ एक मामूली टकराव होता है: टी20 ब्लास्ट के सेमीफाइनल और फाइनल 15 जुलाई को होने हैं, जबकि फाइनल डे और 1 अगस्त को हंड्रेड की शुरूआत के बीच काउंटी चैंपियनशिप के दो राउंड होने हैं।

अगर मैं चोटिल नहीं होता तो पाकिस्तान बन सकता था टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन, शाहीन अफरीदी का बड़ा दावा

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने चोटों के कारण चुनौतियों का अनुभव किया और इसी वजह से वो पिछले साल में केवल 16 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल सके।

अफरीदी की चोट का सिलसिला श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में फील्डिंग के दौरान दाएं घुटने की चोट से शुरू हुआ। इसके बाद वो लगातार चोट से जूझते रहे। टी20 वर्ल्ड कप 2022 फाइनल में उन्हें उसी घुटने में फिर चोट लग गई। वापसी के बाद से अफरीदी की गति में गिरावट को लेकर प्रबंधन चिंतित है, लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने कहा कि उनकी घुटने की चोट पूरी तरह ठीक हो चुकी है।

हाल ही में शाहीन अफरीदी ने क्रिकेट में शानादार वापसी की और पाकिस्तान सुपर लीग में 19 विकेट लिए। टी20 इंटरनेशनल में छह विकेट और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में 8 विकेट लिए हैं।

अफरीदी ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से बातचीत में कहा कि उनके घुटने 100 प्रतिशत सही हो गए हैं।

शाहीन अफरीदी ने क्या कहा

तेज गेंदबाज ने कहा, हर किसी का गति को लेकर अलग नजरिया है, लेकिन मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। आप अपने आप को देखते हैं। भले ही आप 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद डाल रहे हो, लेकिन विकेट चटका रहे हो। आपको विकेट लेकर अच्छा महसूस होता है। मैं मैदान में अपना 100 प्रतिशत देता हूं और यह ज्यादा मायने रखता है। गति मायने नहीं रखती है, लेकिन अगर गति में गिरावट होती है तो यह समय के साथ सुधर सकती है।

वर्ल्ड कप पर दिया बड़ा बयान

अपनी चोटों पर प्रकाश डालते हुए अफरीदी ने कहा कि इसने अहम मौकों पर प्रभाव डाला है। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में शाहीन एक कैच लेते समय चोटिल हो गए थे। इस कारण वो गेंदबाजी नहीं कर सके और पाकिस्तान फाइनल हार गया था।

इस बारे में बात करते हुए पाकिस्तानी गेंदबाज ने कहा, निश्चित ही हर खिलाड़ी का सपना विश्व कप जीतना होता है। मुझे अब भी 2021 टी20 वर्ल्ड कप याद है कि इसका अंत कैसे हुआ था। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में अगर मैं चोटिल नहीं होता तो हम शायद चैंपियन बनते। चोट कभी भी लग सकती है।

ससुर के साथ किया अभ्यास

अफरीदी ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने ससुर शाहिद अफरीदी के साथ छक्के जमाने का अभ्यास किया। उन्होंने साथ ही कहा कि ससुर के साथ काम करके उन्हें काफी मजा आया। शाहीन ने कहा, मैंने और लाला ने बड़े शॉट खेलने का अभ्यास किया। उन्होंने बताया कि आखिरी ओवरों में कैसे लंबे शॉट खेलने हैं। टी20 में उनके जैसा अनुभव किसी के पास नहीं है और उनके साथ काम करके काफी मजा आया और बहुत कुछ सीखने को मिला।

एशियाई खेलों में पदक जीतना चाहती है प्रिया

नई दिल्ली । एथलीट प्रिया एच मोहन का लक्ष्य आगामी एशियाई खेलों में 400 मीटर की रेस में स्वर्ण पदक जीतना है। इसके लिए प्रिया अभी क्यूबा के कोच एनियेर गार्सिया के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही है। प्रिया ने साल 2021 में 52 . 77 सेकंड का समय निकालकर सबसे तेज 400 मीटर की धाविका बनने की उपलब्धि हासिल की थी। वहीं दो विश्व अंडर 20 चैम्पियनशिप में पदक जीतने में विफल रहने के बाद उसने कहा कि अब नयी शुरूआत की जरूरत है। हाल ही में उसने लंबे समय से कोच रहे अर्जुन अजय को हटाकर उनकी जगह गार्सिया को अपना कोच बनाया था। प्रिया ने कहा ,'' इन चार साल में मेरे कैरियर में कई उतार चढाव आये। कई बार आप ऊपर जाते हैं और कई बार नीचे आ जाते हैं । खिलाड़ी के जीवन में नीचे आना जरूरी है क्योंकि इसके बाद वह मजबूती से वापसी कर पाता है।''उसने कहा,'' मैने नये कोच के साथ शुरूआत की है।

एलईडी बल्ब से भी चला सकेंगे इंटरनेट!

अभी तक तो आप वाईफाई आदि माध्यमों से इंटरनेट एक्सेस कर रहे हैं लेकिन भविष्य में आप एलईडी बल्ब से भी इंटरनेट एक्सेस कर सकते हैं। जी हां यदि लाई फाई का बडे पैमाने पर प्रयोग होने लगा, तो वह दिन दूर नहीं जब एलईडी बल्ब से रोशनी के साथ ही इंटरनेट एक्सेस भी कर सकेंगे। यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के प्रोफेसर हराल्ड हास ने वर्ष 2011 में लाई फाई यानी लाइट फेडलिटी शब्द का इस्तेमाल किया था। प्रोफेसर हास ने विप्रो के इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी कैंपस में बुधवार को इस नई टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी दी। प्रोफेसर हास ने यहां लाई फाई का प्रयोग करके भी दिखाया। एलईडी बल्ब से वेब एक्सेस करके इंटरनेट के एक वीडियो को लैपटॉप में भेजकर दिखाया। लाई फाई टेक्नोलॉजी में जिस किसी के पास लाइट है, वह इंटरनेट का उपयोग कर सकता है। इस सिस्टम में यूजर एक लाइट सोर्स से दूसरे लाइट सोर्स में बिना नेटवर्क कनेक्शन के टूट सकता है। लाई फाई में एलईडी बल्ब में एक माइक्रोचिप लगाई जाती है।

तेज बुखार से कैसे पाएं राहत

जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर खुद ही उसे मारने की कोशिश करता है। शरीर जब अपना तापमान सामान्य 98.3 डिग्री फॉरनहाइट से ज्यादा बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। ऐसे में 100 डिग्री तक बुखार में किसी दवा आदि की जरूरत नहीं होती, लेकिन बुखार इसी रेंज ज्यादा दिन तक लगातार बना रहे तो इलाज की जरूरत होती है।

बच्चों में त्वचा संबंधी दिक्कतें

बच्चों की त्वचा इतनी नाजुक होती है कि हल्की-सी खरोंच या रैश उन्हें बहुत ही परेशानी वाली स्थिति में डाल देती है। याद रखें कि नवजन्मे बच्चों में रैशेज का खतरा अधिक रहता है। ऐसे रैशेज में से अधिकतर नुकसानदायक नहीं होते और कुछेक दिनों के अंतराल पर चले जाते हैं, फिर भी बच्चों की त्वचा संबंधी कुछ समस्याएं हैं जिन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

घमौरियों वाले रैश

ये हल्के गुलाबी-लाल रंग वाले धब्बे पसीने के कारण पैदा होते हैं और गर्दन, डाइपर वाले हिस्से तथा बगलों में दिखाई देते हैं। जितना संभव हो सके अपने बच्चे को कूल और सूखा रखें। उसे ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनाएं। बच्चे की त्वचा पर पाऊडर के अधिक उपयोग से बचें। बेबी पाऊडर के छोटे-छोटे दाने सांस के द्वारा बच्चे के अंदर जा सकते हैं, जिससे उन्हें असुखद महसूस हो सकता है। जब तक आपका बच्चा 4 से 6 महीने तक का न हो जाए तब तक उसके शरीर पर पाऊडर का इस्तेमाल करने से बचें।

डाइपर रैशः इस अपरिहार्य समस्या के कारण बच्चे को और माता-पिता को रात भर जागना पड़ सकता है। बच्चे के डाइपर वाले हिस्से की अक्सर जांच करते रहना पड़ती है। यदि वहां पर लाली महसूस हो तो तुरन्त डाइपर रैश क्रीम लगाएं और उस हिस्से को जितना संभव हो सके खुला और सूखा रखें। इस बात को तय करें कि डाइपर न तो बहुत ढीला हो और न ही इसे बच्चे को लंबे समय तक पहनाया जाए। जब जरूरत समझें तब इसे बदल दें।

मुहांसेः बच्चे के चेहरे पर दिखने वाले छोटे-छोटे मुहांसे एक बहुत ही आम समस्या है और ये कुछ ही दिनों में चले जाते हैं। इन पर कुछ भी लगाने से पूरी तरह परहेज करें।

बर्थ मार्क्सः बर्थ मार्क्स बच्चों में बहुत ही आम होते हैं। जब बच्चा पैदा होता है तब और जन्म के कुछ हफ्तों या महीनों तक ये निशान रह सकते हैं।

एग्जीमाः जिन बच्चों के परिवार में अस्थमा या एलर्जी की हिस्ट्री होती है, उनमें खुजली पैदा करनेवाली एग्जीमा की समस्या अधिक पाई जाती है। यह आम तौर पर चेहरे पर उभरती है परन्तु इसे अक्सर इसे कोहनियों, छाती या बांहों पर भी पैदा होते देखा जाता है। धीरे-धीरे यह सूखी और खुरदरी हो जाती है। इस किस्म के रैश आमतौर पर साबुनों, लोशनों या बच्चे के कपड़े धोने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिटर्जेंट के एलर्जिक रिएक्शन के तौर पर भी बढ़ते हैं।

सूखी त्वचाः अधिकतर नवजन्मे बच्चे रूखी त्वचा के साथ पैदा होते हैं। उनके जन्म के कुछ दिनों बाद यह त्वचा खुद ही उतरने लगती है। यह आम तौर पर जल्दी ही रुक जाती है परन्तु इसके कारण यदि आपको चिंता हो तो किसी जच्चा-बच्चा विशेषज्ञ से अवश्य सलाह लें।

रेयर डिजीज से बचाएं बच्चों को...

दुर्लभ बीमारियों के शिकार अक्सर छोटे और कम उम्र के बच्चे होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के शरीर में किसी भी तरह की अजीब हरकत या असाधारण व्यवहार जैसे अगर बच्चे का विकास न हो रहा हो, वह ज्यादा चिड़चिड़ा रहने लगा हो, उसे दौरे आते हों, शरीर से अजीब-सी गंध आती हो, बालों के रंग में बदलाव होने लगे, देखने में परेशानी हो, उम्र के हिसाब से उसमे विकास दिखाई न दे तो फौरन डॉक्टर से संपर्क कर आवश्यक जांचें करा लेनी चाहिए। रेयर डिजीज यानी दुर्लभ बीमारियां उन्हें माना जाता है, जो कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं, लेकिन बच्चों को लेकर हमाशा जागरूक रहने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ऐसी बीमारियां 10 हजार में से छह लोगों में ही देखने को मिलती हैं। इनमें से ज्यादातर बीमारियां आनुवांशिक होती हैं। इनसे ग्रसित बच्चों में से 30 प्रतिशत बच्चे 5-7 वर्ष की उम्र से पहले ही मौत का शिकार हो जाते हैं। दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास प्रभावित होता है। एक ही परिवार में कई लोगों को एक जैसा विकार हो सकता है। इसलिए इन दुर्लभ बीमारियों को जन्म के शीघ्र बाद ही पहचान कर इलाज करा लेना चाहिए। फिलहाल इन बीमारियों के इलाज के लिए जीन थैरेपी, एंजाइम थैरपी व स्टेम सेल ट्रीटमेट पर शोध किया जा रहा है। कुछ दुर्लभ बीमारियां ऐसी भी हैं जो इन दिनों बहुत देखने में आ रही हैं।

एकोन्ड्रोप्लेसिया

एकोन्ड्रोप्लेसिया बीमारी एक दुर्लभ बीमारी है जो 25 हजार में से किसी एक बच्चे को होती है। ऐसे बच्चों की लंबाई बहुत कम रह जाती है। इन बच्चों का चेहरा बीच से छोटा व नाक चपटी होती है। इनकी रीढ़ की हड्डी ज्यादा झुकी हुई होती है। कान में बार-बार संक्रमण का खतरा रहता है और सिर में पानी भरने की आशंका भी रहती है। इसके इलाज के लिए जीन थैरपी व सीएनपी दवा का प्रयोग किया जा रहा है। हालांकि अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है।

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी मांसपेशियों की बीमारी है जो सिर्फ लड़कों में ही दिखाई देती है। इस बीमारी में एक्स क्रोमोसोम में डिस्ट्रोफिन जीन विकार हो जाता है। इस रोग के लक्षण बच्चों में 2-3 साल के बाद दिखने लगते हैं। सबसे पहले पैरों की मांसपेशियां कमजोर होती हैं फिर 10 वर्ष की उम्र तक बच्चा चलना-फिरना बंद कर देता है। ऐसे बच्चों का दिमागी व सामान्य विकास भी प्रभावित होता है। इसके लिए स्टेम सेल या जीन थैरेपी पर प्रयोग चल रहे हैं।

प्रुन बैली सिन्ड्रोम

प्रुन बैली सिन्ड्रोम 40 हजार में से एक बच्चे में देखने को मिलती है। यह बीमारी ज्यादातर लड़कों को होती है। इन बच्चों की मुख्य समस्या पेशाब के रास्ते में रूकावट से होती है। इनके पेट के ऊपर की मांसपेशियां पूर्णतया विकसित न होने से पेट आगे निकला होता है और इनके टेस्टीज भी पेट में होते हैं।

पेशाब में रूकावट की वजह से इनको बार-बार पेशाब में संक्रमण होने का खतरा रहता है और इनके गुर्दे भी प्रभावित होते हैं। इस बीमारी की मुख्य वजह सी एच आर एम 3 जीन का विकार होता है। इसके उपचार के लिए पेशाब के रास्ते की रूकावट का इलाज करना पड़ता है व टेस्टीज को पेट से नीचे लाकर उनके स्थान यानी स्क्रोटम में पहुंचाना पड़ता है।

आवश्यक जांचें कराएं

नवजात शिशुओं में दुर्लभ बीमारियों का समय रहते पता लगाने के लिए विशेष जांच प्रक्रियाएं हैं। प्रसव के बाद नवजात शिशु के शरीर से खून की कुछ बूंदे फिल्टर पेपर पर ले ली जाती हैं और कई बीमारियों के लिए टेस्ट किया जाता है। इसका प्रयोग कई दुर्लभ, आनुवांशिक एवं मेटाबॉलिक डिजीज का पता लगाने के लिए किया जाता है। सभी नवजात बच्चों में जन्मजात थायरॉइड की कमी, कन्जानाइटल एड्रिनल हाइपरप्लेसिया, जी-6 पीडी की कमी, ग्लेक्टोसीमिया और बायोटिनीडेज की कमी की जांचें करवा लेनी चाहिए। इन सबके अलावा बच्चों में कोई भी असाधारण लक्षण देखकर तुरंत डॉक्टर की मदद लें।

प्रोजिरिया

प्रोजिरिया में बचपन में ही बच्चा बूढ़ा दिखने लगता है। इस बीमारी की आशंका 80 लाख बच्चों में से किसी एक को होती है। यह बीमारी एलएमएनए जीन में बदलाव से होती है। जन्म के बाद इन बच्चों का वजन अपनी उम्र के अन्य बच्चों की तुलना में कम बढ़ता है और चमड़ी मोटी हो जाती है, बाल झड़ने लगते हैं, दिखना कम हो जाता है और चेहरे पर झुर्रियां पड़ जाती हैं। त्वचा के नीचे वसा व मांसपेशियां कम हो जाती हैं। ये लक्षण 6-7 साल की उम्र तक दिखने लग जाते हैं। इस रोग के उपचार के लिए मोरफालिनोस लोनाफार्निब, रेपामाइसिन, ग्रोथ हार्मोन आदि दवाओं का उपयोग किया जाता है लेकिन अभी इसके इलाज में पूर्णतया सफ लता नहीं मिल पाई है।

फिनाइल किटोन यूरिया

फिनाइल किटोन यूरिया एक आनुवांशिक बीमारी है। बच्चों में एंजाइम्स की कमी होने पर वह अमीनो एसिड पचा नहीं पाते और जब यह शरीर में एकत्र होता रहता है तो फिनाइल किटोन यूरिया की समस्या हो जाती है। इस बीमारी में नवजात जन्म के समय सामान्य होता है। अमीनो एसिड के जमा होने से धीरे-धीरे नवजात का विकास रूक जाता है, दिमागी कमजोरी आती है और पेशाब में गंध आने लगती है। यदि इस रोग का समय रहते पता चल जाए तो बच्चे का विकास सामान्य हो सकता है। इससे बचने के लिए अमीनो एसिड रहित विशेष प्रकार का दूध दिया जाता है। यह मार्केट में आसानी से उपलब्ध होता है।

जन्मजात थायरॉइड की कमी

जन्मजात थायरॉइड की कमी थायरॉइड हार्मोन की कमी से होती है। इसके लक्षण हैं ज्यादा सोना, पीलिया, शरीर का तापमान कम होना और थकावट आदि। इसके इलाज के लिए थायरॉइड की दवाएं दी जाती हैं।

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी यह रोग बायोटिन यानी विटामिन- बी7 की कमी के कारण होता है। इसमें व्यावहारिक व दिमागी क्षमता में कमी, दौरे आना, दस्त, त्वचा रोग, बार-बार संक्रमण, शारीरिक कमजोरी व बाल झड़ना यह लक्षण पाए जाते हैं। इसका इलाज है विटामिन- बी7 दवा।

गेलेक्टोसीमिया

गेलेक्टोसीमिया एक आनुवांशिक बीमारी है जो कि गेलेक्टोसकाइनेस एंजाइम की कमी से होती है। इसमें नवजात का शरीर सामान्य शुगर को पचा नहीं पाता। इसके लक्षण हैं दौरा आना, थकावट, वजन नहीं बढ़ना, पीलिया, उल्टी और कम खाना। ऐसे बच्चों को सोया फॉर्मूला, दूध एवं दूध से बने उत्पाद का प्रयोग बंद कर देना चाहिए।

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा से ग्रस्त बच्चों में हड्डी वहां बनना शुरू हो जाती है, जहां सामान्यतया मांसपेशियां होती हैं। इसमें बच्चे के शरीर के विभिन्न हिस्सों में मांसपेशियों में गांठें दिखने लगती हैं और इसकी शुरुआत कभी-कभी छोटी चोट लगने के बाद होती है। ऐसे बच्चे 30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते चलने-फिरने में असमर्थ हो जाते हैं और बार-बार निमोनिया से ग्रसित होते हैं। इसके उपचार के लिए प्रेडनिसोलोन दवा का प्रयोग किया जाता है और बच्चे को बार-बार चोट लगने से बचाना होता है।

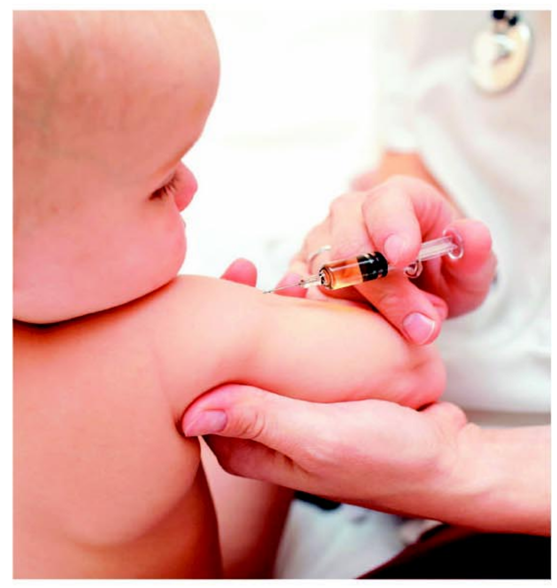

सिर्फ नमक का ज्यादा सेवन ही इस बीमारी के लिए जिम्मेदार नहीं

पोटैशियम के कम सेवन से भी हाई ब्लडप्रेशर

उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि कम मात्रा में पोटैशियम का सेवन भी आपको इसका मरीज बना सकता है। एक नए शोध में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि आहार में अधिक पोटैशियम ग्रहण करने वाली किशोरियों में बाद में रक्त चाप कम पाया गया।

सोडियम की मात्रा कम करने पर बल देना जरूरी नहीं

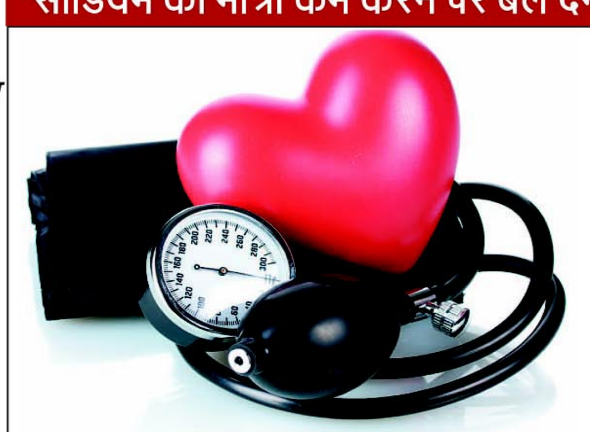

बोस्टन विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन के लीन मूरे ने कहा कि इसके विपरीत, रक्तचाप पर अकेले सोडियम का कोई प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर बच्चों तथा किशोरों के आहार में सोडियम की मात्रा कम करने की जरूरत पर बल देने की जरूरत नहीं।

...तो नहीं पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जो किशोरियां प्रतिदिन तीन हजार मिलीग्राम नमक का सेवन करती हैं, उनके रक्तचाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि जो किशोरियां प्रतिदिन 2,400 मिलीग्राम या उससे अधिक पोटैशियम का सेवन करती हैं, तो बाद में उनका रक्त चाप कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लोगों को दो हजार मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करने की सलाह देता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था के अंत में आहार में सोडियम व पोटैशियम का रक्तचाप पर दीर्घावधि तक प्रभाव का अध्ययन किया।

रेसिपी

ऑरेंज लेमन कस्टर्ड विद फ्रूट्स

सामग्री

3 बड़े चम्मच लेमन कस्टर्ड पाउडर, आधा कप चीनी, 750 मिली दूध, एक संतरा छीला हुआ, 8-10 स्ट्रॉबेरी, 2 कीवी फ्रूट्स कटे हुए, एक मौसमी छीली हुई, 1 चम्मच पिसी चीनी, 1 छोटा चम्मच नीबू का रस, 1 चम्मच ऑरेंज कैंडी।

विधि

कस्टर्ड पाउडर को आधा कप ठंडे दूध में घोल लें। बाकी दूध को चीनी के साथ उबालें। उबलते दूध में कस्टर्ड पाउडर डालकर हलकी आंच पर लगातार चलाते हुए गाढ़ा होने तक पकाएं। ठंडा करने के लिए एक तरफ रखें। अब इसमें संतरा डालें। कटे हुए कीवी व स्ट्रॉबेरी में पिसी चीनी व नीबू का रस मिलाएं। ठंडे फलों को 4 ग्लासों में डालकर ऊपर से तैयार कस्टर्ड से भरें। ऊपर से ऑरेंज कैंडी व छोटे कटे स्ट्रॉबेरी व कीवी से सजाकर फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। ठंडा-ठंडा सर्व करें।

वॉलनट ब्राउनीज

सामग्री

1/2 कप (100 ग्राम) मक्खन
175 ग्राम ब्राउन शुगर
2 अंडे, 1 टी स्पून वनीला एसेंस या रम
1/2 कप मैदा
1/5 टी स्पून बेकिंग पाउडर
1/2 कप कोको पाउडर
75 ग्राम अखरोट के छोटे-छोटे टुकड़े।

विधि

मक्खन को धीमी आंच पर पिघलाएं। फिर उसमें ब्राउन शुगर डालकर लकड़ी के चम्मच से अच्छी तरह मिलाएं। एक अंडा डालकर दोबारा अच्छी तरह मिलाएं। दूसरा अंडा डालकर फिर से मिलाएं। 1 टी स्पून वनीला एसेंस या 1 टी स्पून रम मिलाएं। मैदे में बेकिंग पाउडर और कोको पाउडर मिलाएं। 2 टेबल स्पून अखरोट हटाकर अलग रखें और बचे हुए अखरोट मैदे में मिला दें। फिर मैदे को मक्खन मिश्रण में मिलाएं। अब मैदा मिश्रण को चिकनाई लगी मध्यम आकार की ट्रे या 8 इंच चौकोर टिन में डालकर 1 इंच मोटी परत बिछाएं। बचे हुए अखरोट उसके ऊपर डालें। फिर 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर पहले से गर्म किए हुए अवन में आधा घंटे बेक करें। ठंडा करके चौकोर टुकड़ों में काटकर सर्व करें।

ऑफिस के लिए आउटफिट सिलेक्शन

ऑफिस में अपना पर्सनल स्टाइल बनाए रखना बेहद जरूरी है। अपना एक अलग स्टाइल आपको ऑफिस में अलग पहचान दिलाता है। ऑफिस के लिए ड्रेसेज पूरी प्लानिंग से तैयार करें और इसमें वैरायटी रखें। इस बात का ध्यान रखें कि आपको स्टाइलिश के साथ ही प्रोफेशनल भी लगना है। तो आइए आज हम आपको बतातें हैं कि ऑफिस में आप किस तरह का आउटफिट इस्तेमाल करें।

अपनी पर्सनैलिटी को ध्यान में रखें

ऑफिस के लिए ड्रेस चुनते समय अपनी पर्सनैलिटी को ध्यान में अवश्य रखें। भारतीय महिलाओं का आज भी बेस्ट आउटफिट सलवार-कमीज ही है। इसमें वे बहुत सुंदर लगती हैं, लेकिन काम पर जाने के लिए पहनने से पहले आपको अपने स्किन कलर, हाइट और वेट को ध्यान में रखना जरूरी है। इस पर भी ध्यान दें कि आपको ऑफिस में आकर्षण का केंद्र नहीं बनना, बल्कि प्रोफेशनल लगना है। इसलिए ऑफिस में न तो हैवी और ब्राइट एम्ब्रायडरी वाले सूट पहनें और न ही ज्यादा फ्लेयर वाले सूट पहन कर जाएं। कुर्ते की लैंथ ज्यादा शॉर्ट रखने से भी बचें। स्कर्ट में आप स्टाइलिश और ग्लैमरस लग सकती हैं, यदि वह ढंग से कैरी की गई हो। यदि आपके ऑफिस में इस तरह के परिधान पहनने की अनुमति है, तो आप कलमकारी स्कर्ट पहन सकती हैं।

हमेशा ट्रेंड में रहती है साड़ी

इस बात का ध्यान रखें कि आप की स्कर्ट एंकल लैंथ की हो तथा इसे कन्ट्रास्ट में ट्यूनिक या शर्ट के साथ पहनें, जो आपके प्रोफेशनल लुक में वृद्धि करेगी। आप भले ही किसी भी ऑफिस में काम क्यों न करती हों, जींस पहनने पर कहीं भी प्रतिबंध नहीं है। इसके लिए इस बात का ध्यान रखें कि ऑफिस में टाइट टी-शर्ट की अपेक्षा कुर्ती या शर्ट के साथ इसे कैरी करें, जो आपको प्रोफेशनल इमेज प्रदान करेगी। फैशन कितना ही क्यों न बदले, लेकिन भारतीय साड़ी हमेशा ट्रेंड में रहती है। यदि आप इसे एक अच्छे ब्लाउज के साथ ढंग से ड्रेप करें, तो यह आपको बेमिसाल लुक देती है। आपकी ड्रेस आपका काम के प्रति व्यवहार दिखाती है, इसलिए यह ध्यान रखें कि साड़ी के साथ का ब्लाउज कैसा है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**